Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
MERRY CHRISTMAS

Ranchi ● Monday, 25 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 334 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	71,106.96
निफ्टी	:	21,349.40

SARAFA

सोना	:	5,980
चांदी	:	80.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

मुठभेड़ में शामिल JJMP का उग्रवादी गिरफ्तार

GARHWA : पुलिस मुठभेड़ में शामिल जेजेएमपी के एक उग्रवादी को गढ़वा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर एक इंसास राइफल, एक इंसास राइफल का मैगजीन, आधा दर्जन 5 .56 एमएम कैलिबर का गोली, चार 315 बोर का राइफल, चार 315 बोर में लगने वाले मैगजीन, चार 315 बोर का गोली ओर दो गोली रखने के लिए पॉउच बरामद किया गया है। गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडे ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी मनोज राम उर्फ मनोज कुमार गढ़वा जिले के रमकंडा थाना क्षेत्र स्थित दुर्जन का रहने वाला है।

स्वयंसेवक संघ के 300 सदस्यों पर एफआईआर

RANCHI : विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान 21 दिसंबर को पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के सदस्यों ने हटिया डीएसपी सहित छह पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला करने के आरोप में जगन्नाथपुर थाना में संघ के प्रदेश अध्यक्ष सहित तीन सौ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार, युगल किशोर प्रसाद, बाल गोविंद महतो, अनिल कुमार ठाकुर, राजेंद्र नायक, दीपक सिंह, जय प्रकाश तिवारी, कुंदन कुमार, गौतम कुशवाहा, संतोष कुमार, नागेश्वर महतो, जितेंद्र कुमार, शादाब आलम, बलदेव करमाली, पावेल महतो, सतीश कुमार, रामदीप तिवारी, प्रदीप पासवान, उमेश चंद्र त्रिया, शमीम अख्तर सहित 300 लोगों के खिलाफ राज्य कर पदाधिकारी, अन्वेषण ब्यूरो के संजय कुमार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

केरल में कोरोना से एक और मौत

NEW DELHI : केरल में रविवार को कोरोना से एक और मौत हुई। राज्य में पिछले 4 दिनों के दौरान 7 लोगों की मौत हो चुकी है। सेंट्रल हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक केरल में कोरोना के सबसे ज्यादा एक्टिव केस हैं। पिछले 24 घंटे में यहां 425 नए मामले सामने आए हैं। देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान 656 केस मिले हैं। एक्टिव केसेज की संख्या 3 हजार 742 हो गई है। 24 घंटे में 333 लोग कोरोना से रिकवर हुए हैं। केरल में 296 लोग ठीक हुए हैं। केरल के बाद कर्नाटक में कोरोना का असर सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। यहां 24 घंटे में 104 नए मामले सामने आए हैं और 8 लोग ठीक हुए हैं। एक्टिव केसेज की संख्या कर्नाटक में 271 हो गई है।

मूल जनजाति समुदाय से छीना जा रहा 80% लाभ

धर्म परिवर्तन करनेवालों को नहीं मिले आरक्षण का लाभ

डीलिस्टिंग महारैली

PHOTON NEWS RANCHI : जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा रविवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में उलगुलान आदिवासी डीलिस्टिंग महारैली का आयोजन किया गया। इस महारैली में बड़ी संख्या में जनजाति समाज के लोग झारखंड के विभिन्न जिलों से पहुंचे। इस रैली का मुख्य मुद्दा था कि जिसने जनजाति के मत या विश्वासों का परित्याग कर दिया हो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिले। पद्म भूषण कड़िया मुंडा ने कहा कि इसाई या इस्लाम धर्म अपना चुके लोगों को अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जाए। उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिले। राष्ट्रीय संयोजक पूर्व मंत्री गणेशराम भगत ने कहा कि देश की 700 से अधिक जनजातियों के विकास एवं उन्नति के लिए संविधान निमार्ताओं ने आरक्षण एवं अन्य सुविधाओं का प्रावधान किया था, लेकिन इन सुविधाओं का लाभ अधिकतर वे लोग उठा रहे हैं, जो अपनी रूढ़ि प्रथा छोड़कर इसाई या मुस्लिम बन गए हैं और इन सुविधाओं का 80 प्रतिशत लाभ मूल जनजाति समुदाय से छीन रहे हैं। जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक राजकिशोर हांसदा ने कहा कि सरकार से हमारी मांग है कि धर्मान्तरित व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति के आरक्षण की सुविधा नहीं मिले।

- महारैली में झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पहुंचे जनजाति समाज के लोग
- इसाई या इस्लाम धर्म अपना चुके लोगों को एसटी का सदस्य नहीं समझा जाए कड़िया मुंडा

इसाई को एसटी आरक्षण में कोई अधिकार नहीं

जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय केन्द्रीय टोली सदस्य सत्येन्द्र सिंह खेरवार ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि डीलिस्टिंग, डॉ कार्तिक उरांव के व्यथित मन की वेदना और देशभर के बारह करोड़ परम्परागत जीवन व्यतीत करने वाले जनजातियों का कराहती हुई आवाज है। धर्मांतरित ईसाई पचहत्तर वर्षों से जबरन अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण का 80 प्रतिशत लाभ लगातार लेते आ रहें हैं जबकि ईसाइयों को एसटी आरक्षण में कोई अधिकार नहीं है। ईसाई तो अल्पसंख्यक हैं। धर्मांतरित ईसाई जनजाति आरक्षण की सूची में कभी नहीं रहा है। जनगणना 1921, 1931, भारत सरकार अधिनियम 1935 में इन्हें भारतीय ईसाई कहा गया है और ये भारतीय ईसाईयों ने इसाई के नाम पर 1952 तक लाभ उठाया है। डॉ कार्तिक उरांव ने पूरा अध्ययन कर पाया कि भारत सरकार के किसी भी अधिनियम में या देशभर के राज्य सरकारों के किसी भी अधिनियम में धर्मांतरित ईसाईयों को अनुसूचित जनजाति नहीं माना गया है।

जनजाति आरक्षण पर हुआ है संवैधानिक अतिक्रमण

जनजाति आरक्षण पर इसाइयों द्वारा संवैधानिक अतिक्रमण हुआ है। भारत सरकार और राज्य सरकार से जनजाति सुरक्षा मंच आह्वान करता है कि डॉ कार्तिक उरांव और संयुक्त संसदीय समिति के सिफारिश को मानकर धर्मांतरित ईसाईयों को अनुसूचित जनजाति आरक्षण की सूची से डीलिस्टिंग की जाए। झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति धुर्वा रांची के अध्यक्ष मेघा उरांव ने कहा कि धर्मान्तरित लोग डीलिस्टिंग के डर से आदिवासियों की परंपरा, रीति-रिवाज की बात करने लगे हैं और कहते हैं कि हम एक ही माता-पिता के दो संतान हैं। हमारा खून एक है। हमने धर्म बदला है, पर जाति नहीं। हमें आपस में लड़वाया जा रहा है। तो मैं वैसे लोगों को याद दिलाना चाहता हूं कि अपने धर्म ग्रंथ नेमहा बाइबिल के माध्यम से आदिवासियों के पूजा स्थल को टुकड़े-टुकड़े करने जलाने और नष्ट करने की बात किसने की? मरियम को आदिवासी महिला के रंग रूप, वेशभूषा में मूर्ति बनाकर कर विवाद किसने खड़ा किया? ये लड़वाने का काम हम नहीं बल्कि लड़वाने का काम चर्च मिशनरियों द्वारा किया जा रहा है।

प्रभु यीशु का हुआ जन्म, गूंजा जिंगल बेल, जिंगल बेल...

RANCHI : फादर कामिल बुल्के पथ से लेकर चर्च रोड और कोकर से लेकर कांके तक रविवर को उल्लास क माहौल रहा। फादर कामिल बुल्के पथ शाम से ही गुलजार हो गया था। मसीही समुदाय के हजारों लोग आधी रात की बेसब्री से प्रतीक्षा करते हुए दिखे। महागिरजाघर से लेकर जीइएल चर्च तक सजे हुए थे। बिशप हाउस में भी एक अलग ही उल्लास था। घरों में भी चरनी सजाई गई। कड़कड़ाती ठंड में अपने प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा आतुरता से हो रही थी। दिसंबर की आधी रात जैसे ही घड़ी की सुई 12 पर पहुंची, प्रभु यीशु ने जन्म लिया, गिरजाघरों में घंटे बजने लगे। जिंगल बेल-जिंगल बेल की गूंज शुरू हो ई। इधर, आधी रात में कैथोलिक चर्च में मिस्सा धर्म विधि आर्च बिशप फेलिक्स टोप्पो ने पूरी कराई। जबकि संत पाल्स कैथेड्रल चर्च में बिशप बीबी बास्के और जीईएल चर्च में बिशप सीमांत तिर्की ने पूरी कराई। शाम का उल्लास आधी रात चरम पर पहुंच गया था। हर चेहरे पर एक असीम शांति और सुकून नजर आ रहा था। लोग प्रभु को चूम रहे थे। गीतों से वातावरण उल्लसित हो रहा था...आज एक बालक जन्मा है, जो संसार का राजा है, ग्लोरिया-ग्लोरिया...।

बारामूला में रिटायर्ड एसएसपी की गोली मारकर हत्या

JAMMU : जम्मू-कश्मीर के बारामूला में रविवार सुबह आतंकियों ने एक रिटायर्ड एसएसपी मोहम्मद शफी की गोली मारकर हत्या कर दी। शफी गांटामूला शीरी मस्जिद में सुबह की नमाज पढ़ रहे थे। उसी दौरान आतंकियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अस्पताल ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गई। मोहम्मद शफी के भाई ने बताया कि उन्हें 4 गोलियां लगी थी। कश्मीर जोन पुलिस ने सोशल मीडिया पर सुबह 8:30 बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा- आतंकवादियों ने बारामूला में एक रिटायर्ड पुलिस अफसर मोहम्मद शफी पर मस्जिद में नमाज पढ़ते समय गोलीबारी की और उनकी मौत हो गई। इलाके में सर्चिंग जारी है।

खेल मंत्रालय ने कुश्ती संघ को किया निलंबित कमेटी बनाने को कहा

21 दिसंबर को ही डब्ल्यूएफआई का चुनाव, संजय सिंह बने ये नए प्रेसिडेंट।

AGENCY NEW DELHI : पिछले 11 महीनों से विवादों में घिरी भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की नई बॉडी को खेल मंत्रालय ने रविवार 24 दिसंबर को सस्पेंड कर दिया। खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से रेसलिंग फेडरेशन के मामलों के मैनेजमेंट के लिए एड-हॉक कमेटी बनाने को कहा है। 21 दिसंबर को ही डब्ल्यूएफआई के चुनाव हुए थे, जिसमें भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह नए प्रेसिडेंट बने थे। नए अध्यक्ष की जीत के बाद डब्ल्यूएफआई ने 28 दिसंबर से उत्तर प्रदेश के गोंडा में जूनियर नेशनल चैंपियनशिप टूर्नामेंट करने की घोषणा की थी। गोंडा भाजपा सांसद बृजभूषण का संसदीय क्षेत्र है। रेसलर्स ने बृजभूषण पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। खेल मंत्रालय के डब्ल्यूएफआई की नई टीम पर कार्रवाई के पीछे इसी को वजह माना जा रहा है। खेल मंत्रालय के इस फैसले पर साक्षी मलिक की मां कृष्णा मलिक ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा- मेरी बेटी कुश्ती से संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार करेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री के घर के बाहर फुटपाथ पर पद्मश्री रखकर आए पहलवान बजरंग पुनिया ने भी सम्मान वापस लेने से इनकार कर दिया है।

बृजभूषण बोले- पहलवानों का नुकसान नहीं होना चाहिए

रेसलिंग फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने फेडरेशन को सस्पेंड किए जाने पर एतराज जताया है। उन्होंने रविवार को दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि खेल वातावरण फिर से शुरू हो सके इसलिए गोंडा में नेशनल चैंपियनशिप फिर करवाई जा रही थी। सरकार फेडरेशन पर रोक लगाने की बजाय चैंपियनशिप को अपनी निगरानी में कराए ताकि खिलाड़ियों का नुकसान न हो। खेल एवं युवा मंत्रालय ने 21 दिसंबर को गठित नई रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया को सस्पेंड कर दिया है।

नशे की हालत में पति ने हथौड़ा से मारकर पत्नी की कर दी हत्या

आरोपी खुद पहुंचा थाना, पंडरा ओपी क्षेत्र की घटना

CRIME REPORTER RANCHI : पंडरा ओपी क्षेत्र के बनहोरा में शनिवार की देर रात 25 वर्षीय महिला पूनम एक्का की उसके पति सुनील कुमार एक्का ने हथौड़ा से मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद रविवार शाम को आरोपी पति खुद थाना पहुंच गया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से थाना में पूछताछ की जा रही है। आरोपी को सोमवार की सुबह जेल भेजा जाएगा। डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि बनहोरा इलाके में सुनील अपनी पत्नी के साथ किराए के मकान में रहता था। शनिवार की रात आरोपी पति सुनील एक्का नशे की हालत में घर पहुंचा। इसी बात को लेकर पत्नी विवाद करने लगी। दोनों में काफी देर तक विवाद होने के बाद आरोपी पति ने हथौडा से वार कर पत्नी को मार डाला। आरोपी पति रात भर शव के पास बैठा रहा। सुबह होने के बाद वह अपने पांच वर्ष के बच्चे को लेकर गुमला स्थित अपने घर चला गया। वहां बच्चे के रखने के बाद पत्नी के घरवालों को हत्या करने की बात बताई। इसके बाद आरोपी पति रांची पहुंचा और पंडरा थाना की पुलिस को घटना के बारे में जानकारी दी। पुलिस को पहले लगा कि आरोपी पति मानसिक रूप से बीमार है। लेकिन पुलिस जब आरोपी के घर पहुंची तो देखा कि पत्नी का शव पड़ा हुआ है। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज

- पुलिस ने आरोपी पति को किया गिरफ्तार, थाने में हो रही पूछताछ
- रात भर शव के पास बैठा रहा आरोपी
- रविवार सुबह बच्चों को गुमला स्थित घर पहुंचाया, शाम को किया सरेंडर

ब्रह्मोस और आधुनिक हथियारों से है लैस, भारतीय नौसेना का पहला वॉरशिप जिसका नाम नॉर्थ-ईस्ट से जुड़ा

आईएनएस इंफाल का कमीशन कल, छूटेंगे दुश्मन के पसीने

AGENCY NEW DELHI : हिंद महासागर में चीन की बढ़ती घुसपैठ के बीच भारतीय नौसेना अपनी समुद्री क्षमता को बढ़ावा देने के लिए आईएनएस इंफाल को 26 दिसंबर को कमीशन करने जा रही है। आईएनएस इंफाल को मुंबई डॉकयार्ड में कमीशन किया जाएगा। इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहेंगे। इसके बाद वॉरशिप पश्चिमी नौसेना कमान में शामिल हो जाएगा। इस वॉरशिप को बंदरगाह और समुद्र में टेस्टिंग के बाद 20 अक्टूबर 2023 को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया था। इंफाल पहला वॉरशिप है, जिसका नाम नॉर्थ ईस्ट के एक शहर पर रखा गया है। इसके लिए राष्ट्रपति ने 16 अप्रैल 2019 को मंजूरी दी थी। यह डिस्ट्रॉयर वॉरशिप सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस, एंटीशिप सेंसर्ड मिसाइल, आधुनिक हथियारों, सर्विलांस रडार, 76 एमएम रैपिड माउंट गन, एंटी सबमरीन और टॉरपीडो से लैस है। रक्षा मंत्रालय के मुंबई स्थित शिपयार्ड मझगांव डॉकशिप बिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने इंफाल को बनाया है।

75% हिस्सा पूरी तरह है स्वदेशी

आईएनएस इंफाल के निर्माण में स्वदेशी स्टील डीएमआर 249ए का इस्तेमाल किया गया है, यानी इसका 75 प्रतिशत हिस्सा पूरी तरह स्वदेशी है। आईएनएस इंफाल विशाखापत्तनम कैटेगरी के 4 डिस्ट्रॉयर वॉरशिप में से तीसरा है, जिसे भारतीय नौसेना के इन-हाउस ऑर्गनाइजेशन वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है। एजेंसी के मुताबिक, आईएनएस इंफाल को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मणिपुर के बलिदान और योगदान के लिए श्रद्धांजलि कहा गया है। चाहे वह 1891 का एंग्लो-मणिपुर युद्ध हो या फिर 14 अप्रैल 1944 को मोइरांग वॉर, जिसमें पहली बार नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आईएनए का झंडा फहराया था। इंफाल के बनाने और उसके टेस्टिंग में लगा समय किसी भी भारतीय डिस्ट्रॉयर वॉरशिप के बनने में सबसे कम वक्त लगा है।

नौसेना ने शुरू की व्यापारिक जहाजों पर ड्रोन हमले की जांच

NEW DELHI : लाल सागर में भारतीय तट के पास दो व्यापारिक जहाजों पर ईरान समर्थित हौथी विद्रोहियों के ड्रोन हमले के बाद भारतीय नौसेना ने जांच शुरू कर दी है। नौसेना ने रविवार को अमेरिकी दावे को खारिज करते हुए कहा है कि एमवी साईबाबा भारतीय ध्वज वाला जहाज नहीं है और इसके चालक दल के सभी 25 भारतीय सदस्य सुरक्षित हैं। उधर, विद्रोहियों के हमले का शिकार हुए लाइबेरिया के झंडे वाले एमवी चेम्प प्लूटो को आज सुबह भारतीय तटरक्षक बल के जहाज आईसीजीएस विक्रम की निगरानी में मुंबई की ओर रवाना कर दिया गया है। दरअसल, ईरान समर्थित हौथी विद्रोहियों ने 23 दिसंबर को लाल सागर में दो जहाजों पर ड्रोन हमला किया था, जिसमें गैबॉन के स्वामित्व वाला कच्चा तेल टैंकर एमवी साईबाबा और लाइबेरिया के झंडे वाला एमवी चेम्प प्लूटो जहाज थे। हौथी विद्रोहियों ने अपने नियंत्रित क्षेत्रों से दक्षिणी लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन में दो हौथी एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इससे दोनों जहाजों में आग लग गई, लेकिन कोई गंभीर क्षति नहीं हुई थी।

गीजर से गैस लीक गर्भवती की मौत

BENGALURU : बेंगलुरु में गीजर की गैस लीक होने की वजह से एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना बेंगलुरु के सदाशिव नगर की है। सब्जी बेचने का काम करने वाला जगदीश अपनी 23 साल की पत्नी राम्या जे और 4 साल के बेटे सम्राट के साथ रहता था। वह काम के सिलसिले में घर से बाहर गया हुआ था। महिला के पति जगदीश ने बताया कि 23 दिसंबर को वैकुंठ एकादशी होने के कारण मैं परिवार को मंदिर ले जाने के लिए घर लौटा। देखा तो दरवाजा बंद मिला। आवाज लगाई लेकिन पत्नी या बेटा बाहर नहीं आए। मैं किसी-तरह घर में दाखिल हुआ। पत्नी और बेटा नजर नहीं आए। बाथरुम से पानी गिरने की आवाज आ रही थी। जगदीश के मुताबिक, पत्नी बेटे को नहलाने के लिए बाथरुम में लेकर गई थी। दोनों वहीं बेसुध पड़े थे। मैं पत्नी और बेटे को फौरन पास के अस्पताल में लेकर गया। डॉक्टरों ने पत्नी को मृत घोषित कर दिया। बेटे की हालत ठीक नहीं है, उसका अभी इलाज चल रहा है।

27 को सीएम लातेहार में करेंगे विकास की बारिश

400 करोड़ रुपये की योजनाओं की देंगे सौगात

सरकार आपके द्वार

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 27 दिसंबर को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में हिस्सा लेने लातेहार जायेंगे। वे लातेहार सदर प्रखंड के कुंदरी गांव में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जनसभा को संबोधित भी करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री 400 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। साथ ही आम लोगों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण करेंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारी पूरे जोर-शोर से चल रही है। मंच और पंडाल बनाने का कार्य अंतिम चरण में है। यहां लगभग पांच हजार से अधिक लोगों को बैठने की व्यवस्था की जा रही है।

इस संबंध में लातेहार डीसी हिमांशु मोहन ने बताया कि मुख्यमंत्री का आगमन 27 दिसंबर को लातेहार के कुंदरी गांव में होगा। कार्यक्रम की तैयारी अंतिम चरण में है। डीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री के द्वारा लोगों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया जाना है। ग्रामीणों के बीच वन पट्टा भी वितरित किया जाएगा। डीसी ने आम लोगों से अपील की है कि इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ उठाएं।

सबको प्रेम और शांति का पाठ पढ़ाने के लिए आए

प्रभु यीशु

प्रेम से अपने इकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया - संत योहन अपने सुसमाचार में कहते हैं- ईश्वर ने संसार को इतना प्यार किया कि उसके लिए उसने अपने इकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया, जिससे जो उसमें विश्वास करता है, उसका सर्वनाश न हो, बल्कि अनन्त जीवन प्राप्त करें। अतः हमारे पाप और दुष्कर्मों के कारण नहीं, बल्कि हमारे प्रति ईश्वर के अपूर्व प्रेम के कारण ही येशु को मानव बनकर जन्म लेना पड़ा।

बाइबिल, कुरआन, गुरुग्रंथ साहिब और रामायण-गीता आदि का सार एक है। सभी का निष्कर्ष यह है कि अच्छे कर्म करो और फल की प्राप्ति करो। धर्म का मूल आधार भी यही है। धर्म किसी को बैरी नहीं बनाता और न बैरी बनाने की सलाह देता है। धर्म कहता है कि उस आदि अनंत सत्ता को स्वीकार करो, जिसने तुमको बनाया और जो पूरी दुनिया को चलाने और पालने वाला है। प्रभु यीशु ने अपने शिष्यों से कहा था कि पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। वास्तव में ख्रीस्त के जन्म की अद्वितीयता इसी में है कि वह मानव जाति के प्रति ईश्वर के प्रेम का प्रत्यक्ष चिह्न है। उसका उद्देश्य है सबका उद्धार करना। यीशु के व्यक्तित्व में ईश्वर का मानव बनकर आने का उद्देश्य है- सब मनुष्यों को जीवन प्रदान करना।

ईश्वरीय शक्ति सभी में है

जिस किसी ने इस सत्ता को नकराने की कोशिश की, उसका पतन हो गया। हर धर्म में ही बहुत से ऐसे अत्याचारी शासकों की कहानी को जोड़ा गया है, जिन्होंने ईश्वर की सत्ता से टकराने की कोशिश की। लेकिन किसी एक दिव्य पुरुष के आगमन पर उनका अंत हो गया। इससे एक बात साफ होती है कि ईश्वरीय शक्ति हर प्राणी में होती है। यही ईश्वरीय शक्ति किसी को आम लोगों से अलग कर देती है और इसी ईश्वरीय शक्ति में हम किसी देवता या फरिश्ते की तलाश करते हैं।

अहंकार में मानव अपने कर्म भूल जाता - परमात्मा के आदेश को ठुकरा कर मानव पाप की ओर भागता है। वह ईश्वर की परीक्षा लेता है और स्वयं ही ब्रह्म होने का गुमान पालता है। यहूदियों के राजा ऑगस्टस सीजर ने भी यही किया। अपनी सत्ता से इतराकर वह जनगणना का आदेश कर बैठा। दिसंबर की रात थी। ईसा मसीह के माता-पिता को भी नाम दर्ज कराने के लिए येरुसलम जाना पड़ा। वहीं पर पास के ही एक गांव बेथलहम में प्रभु यीशु का जन्म हुआ।

प्रेम से अपने इकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया - संत योहन अपने सुसमाचार में कहते हैं- ईश्वर ने संसार को इतना प्यार किया कि उसके लिए उसने अपने इकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया, जिससे जो उसमें विश्वास करता है, उसका सर्वनाश न हो, बल्कि अनन्त जीवन प्राप्त करें। अतः हमारे पाप और दुष्कर्मों के कारण नहीं, बल्कि हमारे प्रति ईश्वर के अपूर्व प्रेम के कारण ही येशु को मानव बनकर जन्म लेना पड़ा। मानव जाति के प्रति पिता ईश्वर के प्रेम ने स्वयं उन्हें पृथ्वी पर आने को प्रेरित किया, ताकि वह हमारी रक्षा कर सके। क्रिसमस के अवसर पर चरनी में लेटा येशु हमें यह जानकारी देता है कि ईश्वर का असीम प्रेम हर मानव के प्रति है। यीशु ईश्वर का पुत्र मानव बन जाता है, जिससे मानवों के पुत्र ईश्वर के पुत्र बन जाएँ। मत्ती के पहले अध्याय में हम पढ़ते हैं- एक कुँआरी गर्भवती होगी और पुत्र प्रसव करेगी और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा जिसका अर्थ है- ईश्वर हमारे साथ है क्रिसमस के बारे में दिए गए इन दोनों उदाहरणों में यह दिया गया है कि क्रिसमस के समय ईश्वर, मनुष्य बन गया और मनुष्य जाति के लिए ईश्वर के पुत्र बनने की संभावना उत्पन्न हो गई। मानव येशु ही इम्मानुएल हैं और वे ही ईश्वर हमारे साथ हैं। हममें से कई यह प्रश्न पूछते हैं- ईश्वर कहाँ है? क्रिसमस हमसे कहता है- ईश्वर मानव बन गया है। अतः ईश्वर को कहीं और खोजने के बदले हम सबको अपने भाई-बहनों में उसकी खोज करनी चाहिए। इसलिए हम अपने पड़ोसियों की सेवा, आदर और प्रेम करने में अपने जीवन का सारा समय व्यतीत करें। यीशु कहते हैं- भ्रातृ-प्रेम ही सबसे श्रेष्ठ प्रेम है।

ईश्वर के प्रति प्रेम का पर्व

क्रिसमस

क्रिसमस हमसे कहता है कि ईश्वर ने हमारे इतिहास में इसलिए प्रवेश किया कि वह संसार को, भीतर से परिवर्तित कर सके। संत आइरीनियस कहते हैं- ईश्वर की महिमा पूर्ण मनुष्य होकर जीने में है। इसलिए सच्ची आध्यात्मिकता का अर्थ है इस संसार में पूर्ण मनुष्य होकर रहना। येशु ख्रीस्त इसलिए मनुष्य बन गए, ताकि वे हमारे शरीर और आत्मा दोनों की रक्षा करें। हम सोचते हैं कि पाप का कारण शरीर है, इसलिए शरीर को त्यागना चाहिए।

क्रिसमस का पर्व हमसे भ्रातृ-प्रेम द्वारा हमारे प्रति ईश्वर के प्रेम की कृतज्ञता प्रकट करने को कहता है। सच्चे आनंद की अनुभूति तभी होगी जब हम अपने भाई-बहनों से प्रेम करेंगे। हमारा आनंद दूना हो जाता है जब हम अपना आनंद, अपना जीवन और अपना प्रेम दूसरों के साथ बाँटते हैं। यह आनंद तभी मिलेगा जब हम अपने प्रेम को तथा अपने को दूसरों के साथ बाँटते हैं, किंतु ख्रीस्त जयंती हमारी इस मूल्य-प्रणाली को उलट-पुलट कर देती है। इस पर्व पर हम अवतार के रहस्य को मानते हैं। अवतार का अर्थ है शरीर धारण करना। ईश्वर, येशु में मनुष्य बन गया। उसने स्वयं मानव जाति के साथ तादात्म्य स्थापित किया और पृथ्वी पर आकर पृथ्वी का एक अंग बन गया।

संत योहन के अनुसार

शब्द ने शरीर धारण कर हमारे बीच निवास किया। इसका अर्थ हुआ कि भौतिक तत्व, संसार और शरीर में कुछ अच्छाई और सौन्दर्य है। सृष्टि का रहस्य

हममें कहता हे कि ईश्वर ने संसार की सृष्टि की और उसे अपनी सृष्टि अच्छी लगी। अवतार का रहस्य अर्थात्त क्रिसमस हमसे कहता है कि ईश्वर संसार का एक अंग बनकर संसार में संसार का होकर और संसार के लिए बना रहा। शब्द ने देह धारण किया और हमारे साथ मनुष्य बनकर मनुष्यों के बीच रहा।

क्रिसमस हमसे कहता है कि ईश्वर ने हमारे इतिहास में इसलिए प्रवेश किया कि वह संसार को, भीतर से परिवर्तित कर सके। संत आइरीनियस कहते हैं- ईश्वर की महिमा पूर्ण मनुष्य होकर जीने में है। इसलिए सच्ची आध्यात्मिकता का अर्थ है इस संसार में पूर्ण मनुष्य होकर रहना। येशु ख्रीस्त इसलिए मनुष्य बन गए, ताकि वे हमारे शरीर और आत्मा दोनों की रक्षा करें। हम सोचते हैं कि पाप का कारण शरीर है, इसलिए शरीर को त्यागना चाहिए। लेकिन वास्तव में मुक्ति के मार्ग की बाधा पाप है, और इस पाप का कारण शरीर नहीं बल्कि हम स्वयं हैं। हमारा अहंकार। अतः हमें पलायन करना है तो अपने अहंभाव से और स्वार्थ से पलायन करना चाहिए, न कि शरीर से या संसार से। क्रिसमस हमसे कहता है कि संसार जैसा है वैसा ही उसे स्वीकार करें। उसका आदर करें। और प्रेम सहित उसमें परिवर्तन लाएँ। अतः यीशु के समान हमें भी इस संसार में रहकर उसकी भलाई के लिए काम करते रहना चाहिए। संक्षेप में कहा जा सकता है कि क्रिसमस हमें मानव के प्रति ईश्वर में प्रेम की याद दिलाना मात्र नहीं, प्रत्युत अपने शरीर का महत्व समझने, संसार को प्यार करने, पूर्णता के साथ उसमें रहने एवं उसके सुधार के लिए काम करने को कहता है। हमसे फिर कहता है कि अपने अहंकार और स्वार्थ को त्याग दें, संसार को नहीं।

क्रिसमस कार्ड डे का महत्व

क्रिसमस का त्योहार जैसे-जैसे नजदीक आता जाता है, वैसे-वैसे दुनिया भर के लोगों में इसे लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस त्योहार पर सबके चहेते सांता क्लॉज बच्चों को उनके मनपसंद तोहफे देकर लुभाते हैं और लोग अपने मित्रों और परिजनों को कार्ड अथवा कोई सौगात देकर उन तक अपनी शुभकामनाएँ पहुँचाते हैं। भारत में वैसे तो हर त्योहार पर कार्डों की बिक्री बढ़ जाती है, लेकिन यह एक खास वर्ग तक सीमित रहती है। मगर क्रिसमस के आते ही समाज के हर वर्ग में कार्ड और उपहारों के प्रति रुझान बढ़ जाता है। पिछले कुछ अर्सों में ई-कार्ड्स का चलन काफी बढ़ा हुआ है। ये कार्ड कम्प्यूटर पर आसानी से उपलब्ध रहते तो है साथ ही इनको पलक झपकते ही दुनिया में कहीं भी आसानी से भेजा जा सकता है। इनके चलते कार्ड्स की बिक्री में थोड़ी कमी देखी जा रही है। फिर भी देशभर में बिक्री होने वाले कार्डों की कीमतों के बारे में अनुमान लगाना मुश्किल है, लेकिन निश्चित तौर पर दुनिया भर में मनाए जाने वाले क्रिसमस पर्व पर होने वाला कारोबार करोड़ों रुपए का आँका जा सकता है।

कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर रिम्स अलर्ट

चिकित्सा अधीक्षक ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

PHOTON NEWS RANCHI :

देश में कोरोना का नया वैरिएंट जेएन-1 तेजी से पांव पसार रहा है। कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए झारखंड सरकार भी अलर्ट मोड पर आ गयी है। सभी जिलों के अस्पतालों, स्वास्थ्य संस्थानों और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये हैं। इसी क्रम में रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक हिरेंद्र बिरुआ सोमवार की सुबह अस्पताल में ऑक्सीजन, बेड सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक ने रिम्स के सभी कर्मियों को मास्क पहनने को कहा। साथ ही डॉक्टरों को ओपीडी में मास्क लगाकर परामर्श देने का आदेश दिया।

3,420 एक्टिव केस

रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में कोरोना के एक्टिव केस 3,000 से बढ़कर 3,420 हो गये हैं। यह आंकड़े कोरोना के नये सब-वैरिएंट जेएन-1 के मामलों में हो रही वृद्धि के बीच सामने आये हैं। डब्लूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार, बीते कुछ दिनों में कोरोना के मरीजों की संख्या 52 फीसदी बढ़ी है। कोरोना के नये वैरिएंट जेएन-1 का पहला मामला केरल से सामने आया था। यहां कोरोना से एक व्यक्ति की जान भी चली गयी थी। कोरोना के नये वैरिएंट के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग ने नयी गाइडलाइंस भी जारी कर दी है।

सदर अस्पताल में अलग से ओपीडी की शुरूआत

देशभर में कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए रिम्स के पहले तल्ले में ट्रामा सेंटर के पास कोरोना वार्ड बनाया गया है। वहीं सदर अस्पताल में भी अलग से ओपीडी की शुरूआत की गयी है। जहां सर्दी-खांसी के मरीजों की जांच की जायेगी। मरीजों में कोरोना के लक्षण पाये जाने पर उनके सैंपल की जांच की जायेगी।

सुमन सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने थामा कांग्रेस का दामन

भारत जोड़ो यात्रा से लोगों की पार्टी के प्रति आस्था बढ़ी : ठाकुर

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम आ अब लौट चलें के तहत रांची के विद्यानगर के करम चौक में मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सुमन सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा। इस मिलन समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के सशक्त नेतृत्व एवं राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा से लोगों की कांग्रेस के प्रति आस्था बढ़ी है। यही वजह की आज इतनी बड़ी संख्या में महिलाएं कांग्रेस पार्टी का दामन थाम रही हैं। कांग्रेस पार्टी ही है जिन्होंने देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को बनाया। देश की पहली राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल को बनाया। देश की पहली लोकसभा स्पीकर मीरा कुमारी को बनाया। कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिलाओं के सशक्तीकरण एवं सुरक्षा को लेकर मुखर रही है। सोनिया गांधी व राहुल गांधी सदन में पूरजोर तरीके से इनकी बातें रखते हैं। झारखंड में गठबंधन की सरकार है। महिलाओं के लिए कई योजनाएं चल रही हैं जैसे फूलों झानो आशीर्वाद योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना समेत अन्य योजनाएं चलाई जा रही हैं।

सुमन सिंह का पार्टी में स्वागत करते राजेश ठाकुर।

केंद्र सरकार पर साधा निशाना

मिलन समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि महंगाई की मार से महिलाओं का चूल्हा जल चुका है। आज महिलाएं अपने बच्चों को लेकर चिंतित हैं। रोजगार को लेकर आज संकल्प लेने का दिन है। जिस तरह से केंद्र में बैठी हुई अंधेरी-बहरी सरकार लोगों को झूठा सपना दिखाकर सत्ता पर काबिज हुई। इसके लिए महिलाओं को जागरूक होना होगा। ऐसे झूठे लोगों से बचना होगा।

इन्होंने ली पार्टी की सदस्यता

कृषि विपणन पर्षद के अध्यक्ष रवींद्र सिंह ने कहा कि इस विद्यानगर करम चौक में सुमन कुमारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने कांग्रेस का दामन थामा है। सुमन कुमारी, सोनी कुमारी, दीपशिखा, तरुण विपलवी, ज्योति सिंह, सुप्रिया सिंह समेत अन्य महिला साथियों का हार्दिक अभिनंदन। कार्यक्रम को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अजय नाथ शाहदेव एवं मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पौल मुजनी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन मुकेश चौधरी और धन्यवाद ज्ञापन संजीव एक्का ने किया।

BRIEF NEWS

देवगढ़ से 6 वर्षीय बच्ची के अपहरण मामले में चार गिरफ्तार, कार और बाइक जब्त

ROURKELA : सुंदरगढ़ बड़गांव से छुड़ाई गयी पीहू अग्रवाल के अपहरण मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से अपहरण में इस्तेमाल की गई 2 बाइक और एक कार भी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में देवगढ़ थाना नुआगांव का हिमांशु नारंग, बलांडा का रोहित पात्र ,जरेकेला का महेश्वर सगड़िया और मंडीरापल्ली का दीपक नायक शामिल हैं। पुलिस जांच में पता चला कि इस अपहरण कांड का मास्टरमाइंड हिमांशु नारंग है। अपहरण पैसे के लिए किया गया था। देवगढ़ एसपी प्रद्युम कुमार मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर आरोपी अपहरण में सफल हो जाते तो वे 2 करोड़ रुपये की मांग करते। गत 18 दिसंबर की शाम करीब साढ़े छह बजे देवगढ़ के कपड़ा व्यापारी आलोक अग्रवाल की छह वर्षीय बेटी पीहू का उसके घर के पास से अपहरण कर लिया गया था। ट्यूशन खत्म होने के बाद पीहू अपनी दादी के साथ घर लौट रही थी तभी दोनों आरोपियों ने उसे बाइक पर बैठा लिया। घर से महज 50 मीटर की दूरी पर उन्होंने पीहू को उठाया था। बाद में वह बाइक बदल कर पीहू को कार में ले गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और लोगों की तत्परता के कारण 10 घंटे बाद सुंदरगढ़ जिले के बड़गांव से पीहू को छुड़ाया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में पुलिस आगे की जांच जारी रखी है।

राउरकेला में डायरिया की स्थिति नियंत्रण में होने का प्रशासन ने किया दावा

ROURKELA : राउरकेला में 11 दिनों से जारी डायरिया की स्थिति में अब सुधार हो रहा है। जबकि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में काफी कमी आई है। हालांकि, चूंकि क्रिसमस और नया साल आ रहा है, इसलिए अधिक सावधान रहने की जरूरत है। अतिरिक्त जिलापाल डॉ. सुभांकर महापात्र ने कहा कि जहां पानी के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं और उनका परीक्षण किया जा रहा है, वहीं जलसाथी और रैपिड एक्शन टीम लोगों को सचेत करने के लिए घर-घर जा रही है। मुख्यमंत्री और राउरकेला में हैजा की स्थिति की बारीकी से समीक्षा कर रहे हैं। और इसे रोकने के लिए विभिन्न उपाय कर रहे हैं। श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने कहा कि जल्द ही राउरकेला से हैजा मुक्त हो जायेगा।

बिहारी क्रिकेट लीग शुरू, 8 टीमें ले रही भाग

ROURKELA : राउरकेला में रविवार को पहली बार बिहारी किक्रेट लीग का आयोजन एरोड्रम फिल्ड में किया गया। मुख्य अतिथि आयकर विभाग के अधिकारी अजय कुमार ने नारियल फोड़ा कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई की। बिहार सांस्कृतिक परिषद के डिप्टी सेक्रेटरी नीरज चतुर्वेदी, चंदन झा ओर उतर भारतीय समन्वय समिति के ओपी सिंह भी उपस्थित थे। पहला मैच वारियर्स ओर लिट्टी चोखा टीम के बीच हुआ, जिसमें लिट्टी चोखा टीम ने टॉस जीत कर बैटिंग का निर्णय लिया। बिहारी किक्रेट लिग में 8 टीम भाग लें रहे। विजेता टीम को ओर उपविजेता टीम को नगद पुरस्कार राशि संग ट्राफी दिया जाएगा ओर खेल उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी नगद पुरस्कार राशि दिया जाएगा। इस खेल को सफल बनाने में ओरिजनल पावर क्लब,जय जगन्नाथ स्टील, फिटनेस जोन, पुष्पा इंटरप्राइजेज, लक्ष्य इंटरप्राइजेज का सहयोग रहा। दो दिनों तक बिहारी किक्रेट लीग चलेगा, कल समापन होगा।

उत्साह, उमंग व खुशी का पर्व है क्रिसमस : सहाय

RANCHI : पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय रविवार को पुरुलिया रोड स्थित आर्चबिशप हाउस पहुंचे। सहाय ने आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो से मुलाकात कर उन्हें क्रिसमस पर्व की हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर सहाय ने आर्चबिशप हाउस परिसर में बालक प्रभु यीशु के दर्शन किए। मौके पर आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो ने भी सुबोधकांत सहाय को क्रिसमस पर्व की शुभकामनाएं दीं। सुबोधकांत सहाय ने कहा कि क्रिसमस का पर्व हम सभी के लिए बहुत उत्साह, उमंग और खुशी का पर्व होता है। युवा कांग्रेस महासचिव सह रांची विधानसभा प्रभारी रोहित सिन्हा ने कहा कि क्रिसमस पर्व के मौके पर पूरे झारखंड वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं एवं प्रभु यीशु से राज्यवासियों के लिए अमन-चैन तथा सुख, समृद्धि की कामना करता हूं।

राज्य में बनेगी साहित्य अकादमी : महुआ

योगेंद्र नाथ सिन्हा के साहित्यिक जीवन पर विद्याभूषण ने डाली रोशनी

PHOTON NEWS RANCHI :

किताब उत्सव के अंतिम दिन पहला सत्र 'साहित्य और राजनीति' विषय पर केंद्रित रहा। इस सत्र में राज्यसभा सदस्य एवं लेखिका महुआ माजी से धर्मेन्द्र सुशांत ने उनके लेखन और राजनीतिक जीवन पर बातचीत की। महुआ माजी ने रांची शहर में किताब उत्सव के जरिए एक साहित्यिक माहौल देने के लिए राजकमल प्रकाशन और डा. रामदयाल मुंडा का आभार व्यक्त करते हुए कहा राजनीति में आई हूं पर अंदर का लेखक जिंदा है। साहित्य ने ही मुझे राजनीति में संवेदनशीलता से काम करना सिखाया है। विकास या विध्वंस के सवाल पर उन्होंने कहा कि जंगल लूटने के लिए केंद्र सरकार ने नया फारेस्ट बिल पास कराया है। साहित्य अकादमी के सवाल पर उन्होंने बताया कि झारखंड में भी जल्द साहित्य अकादमी बनाई जाएगी। इस दौरान महुआ माजी के हाथों आदिवासी महोसव 2023 के ट्राइबल क्यूजीन प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और आखिर में केक काटकर सबको क्रिसमस की बधाई भी दी गई।

किताब उत्सव कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद महुआ माजी व अन्य।

दोपहर से हमारा झारखंड हमारा गौरव सत्र में योगेंद्र नाथ सिन्हा के साहित्यिक जीवन पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इस सत्र के वक्ता के रूप में विद्याभूषण उपस्थित रहे। वरिष्ठ साहित्यकार विद्याभूषण ने बताया कि योगेंद्र नाथ सिन्हा का लेखन मुख्यता हो जनजाति के जीवनशैली पर रहा। योगेंद्र नाथ सिन्हा ने 56 कहानियां आदिवासी समुदाय की पृष्ठभूमि पर लिखी हैं। तीसरे सत्र का विषय रहा विरासत निमार्ता जिसमें रघुनाथ मुर्मू, लाको बोदरा, पंडित आयता उरांव और प्यारा केरकेट्टा के जीवन और संघर्ष पर विशेष चर्चा की गई। इस सत्र में दूमनी माई मुर्मू, दयामनी सिंकु, प्रेमचंद उरांव और डा. तरकेलेंग कुल्लू ने विभिन्न संस्मरणों के माध्यम से झारखंड के विरासत निमार्ताओं को याद किया। किताब उत्सव का अंतिम सत्र काव्य संध्या का रहा। इसमें आदिवासी कवियों ने अपनी कविताओं का पाठ किया। इस सत्र का संयोजन वरिष्ठ आदिवासी साहित्यकार वंदना टेटे ने किया।

घमंडिया 'इंडिया' का दो ही एजेंडा, एक करप्शन दूसरा गठबंधन : जफर इस्लाम

PHOTON NEWS RANCHI :

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने रांची में प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने इंडिया गठबंधन को घमंडिया गठबंधन कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि घमंडिया गठबंधन के कार्यों पर चर्चा करने के लिए आज यहां आया हूं। घमंडिया गठबंधन की स्थिति आज चोर-चोर मौसेरा भाई की स्थिति है। जहां भी इनकी सरकार है, वहां लूट मची हुई है। वह कहते हैं, कांग्रेस पार्टी स्लीपर सेल का काम करती है। यहां भी कांग्रेस पार्टी के साथी है। इनका काम ही पैसे बनाना और दिल्ली तक पहुंचाना है। हेमंत सरकार पर आरोप लगाते हुए वह कहते हैं कि यहां हेमंत सोरेन लूट रहे हैं, बिहार में लालू नीतीश लूट रहे हैं। बंगाल में दीदी लूट रही है। तमिलनाडु में स्टालिन और बेटे-दामाद के साथ लूट रहे हैं। इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाते हुए बीजेपी प्रवक्ता कहते हैं कि आज घमंडिया गठबंधन के दो ही एजेंडे हैं। एक तो करप्शन और दूसरा गठबंधन। ये मैं इसलिए कह रहा हूं कि रांची शहर में बैठा हूं जो आदिवासी बहुल राज्य है।

प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों से बातचीत करते सैयद जफर इस्लाम व अन्य।

हेमंत सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

घमंडिया गठबंधन की सरकार को अभी ही तीन राज्यों ने हटाया है। अब झारखंड की बारी है। यहां की जनता करप्शन से त्रस्त है। जनता ने पूरा मन बना लिया है कि यहां की सरकार को भी अब हटाना है। यहां के स्लीपर सेल के मुखिया को हटाना है। यहां की जनता एक साफ सुथरी सरकार चाहती है। करप्शन की कहानी का अंदाजा तो कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर में मिले करोड़ो रुपयों से लगाया जा सकता है। ये उनके पैसे नहीं, बल्कि जनता की कमाई के पैसे हैं। जल्द ही इनका राज खुलेगा। कुछ अधिकारी जेल में हैं। हेमंत सोरेन का सिर्फ हाथ नहीं बल्कि पूरा शरीर करप्शन में लिप्त हो चुका है। लेकिन ये ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा। बहुत जल्द ही एजेंसियां करवाई करेगी। हेमंत सोरेन को अब तक 6 समन आ चुके हैं। जिस तरह से झारखंड में लॉ एंड आर्डर ध्वस्त है, उनको कोई भगोड़ा क्या सुधार सकता है। ये तो खुद भगोड़ा सीएम हैं। एजेंसियों के पास घोटाले का पूरा सबूत है। उनके साथ खड़े अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी।

क्रिसमस व नए साल पर रांची में शक्ति कमांडो संभालेंगे मोर्चा

CRIME REPORTER RANCHI :

झारखंड की राजधानी रांची में क्रिसमस और नए साल के जश्न पर कोई खलल न पड़े, इसके लिए सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। सैलानियों की सुरक्षा और हुड़दंगियों पर नकेल कसने के लिए रांची पुलिस ने जोरदार तैयारी की है। सुरक्षा के मोर्चे पर 700 शक्ति कमांडो को उतारा जाएगा। एसएसपी चंदन सिन्हा के अनुसार राजधानी रांची में इस दौरान महिलाओं की सुरक्षा खासतौर पर मनचलों पर लगाम कसने के लिए 50 महिला शक्ति कमांडों पहरा देंगी। यह 25 दिसंबर से 15 जनवरी तक शहर के सभी पार्कों पर नजर रखेंगी। दशम, जोन्हा फॉल जैसे सभी पिकनिक स्पॉट्स पर पुलिस सहायता केंद्र होंगे। पर्यटन मित्रों का सहयोग लिया जाएगा। नशे में वाहन चलाने वालों की जांच के लिए कुछ स्थान को चिह्नित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सभी पुलिस स्टेशन को कड़े दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सभी पर्यटन स्थलों पर सूचना बोर्ड और फ्लेक्स लगाकर सावधानी बरतने की अपील की गई है। इनमें स्थानीय थाना प्रभारी और डीएसपी के नंबर भी डिस्प्ले होंगे। इमरजेंसी की स्थिति में लोग डायल 100 और 112 पर सूचना दे सकते हैं। एसएसपी ने बताया कि फॉल और झरने- जहां डूबने की आशंका ज्यादा रहती है, वहां एनडीआरएफ की टीम और गोताखोर मौजूद रहेंगे।

चोरी का आरोप लगाकर युवक को बेरहमी से पीटने वाले तीन गिरफ्तार, 3 की तलाश जारी

CRIME REPORTER RANCHI :

गोंदा थाना की पुलिस ने रविवार को युवक आकाश कुमार के साथ मारपीट करने वाले तीन आरोपी राजू यादव, पंकज कुमार और गोलु जायसवाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। तीनों के खिलाफ आकाश कुमार ने गोंदा थाना में केस किया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में मारपीट करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद पीड़ित थाना पहुंचा था। आकाश और उसके परिजनों ने मारपीट के छह आरोपियों के खिलाफ एसटी-एससी थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुये 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी फरार तीन आरोपियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान हुई। आकाश ने पुलिस को बताया कि वह मैदान में क्रिकेट खेल रहा था। उसी वक्त आरोपी वहां पहुंचे और चोरी करने का आरोप लगाते हुए आकाश को अपने खटाल में ले गए। खटाल में काफी देर तक मारपीट करने के बाद वीडियो भी बनाया। हालांकि चोरी करने का कोई मामला सामने नहीं आया है। पुलिस आरोपियों को पकड़कर थाना लाने के बाद उनसे पूछताछ किया। पूछताछ के बाद आरोपियों को थाना से पैदल कोर्ट तक ले जाया गया। तीनों आरोपियों को हथकड़ी पहना कर पैदल ले जाने के दौरान कई लोगों ने उनका वीडियो बनाया और फोटो लिया। कई लोगों ने पैदल ले जाने की जानकारी ली। इससे पहले भी नामकुम इलाके में फायरिंग करने के मामले में आरोपियों को पुलिस पैदल ले गई थी।

गिरफ्तार आरोपी।

बिजली विभाग की लापरवाही से गई मिस्त्री की जान

RANCHI : नगड़ी थाना क्षेत्र में बिजली विभाग की लापरवाही से एक निजी मिस्त्री दीनबंधु महतो की रविवार को मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार 11 हजार वोल्टेज के पोल पर चढ़कर दीनबंधु महतो लाइन कटवाकर काम कर रहा था। इसी बीच बिजली चालू हो गयी और करंट लगने से उसकी मौत हो गई। वह जेएमडी एजेंसी के अंदर में काम कर रहा था। दीनबंधु महतो रातू थाना क्षेत्र के बाजपुर रहना वाला था। घटना की सूचना मिलते ही नगड़ी थाना प्रभारी रोहित सिंह मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला बिजली विभाग की लापरवाही का प्रतीत हो रहा है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा का राज्यस्तरीय महासम्मेलन संपन्न

शिक्षा, स्वास्थ्य व संस्कारों को समृद्ध बनाने का लिया संकल्प

PHOTON NEWS RANCHI :

शाकद्वीपीय ब्राह्मणों का उत्थान कैसे हो, इस विषय को लेकर रांची के डूमरदगा स्थित एमडीएलएम हॉस्पिटल के धनवंतरी सभागर में सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा का राज्यस्तरीय महासम्मेलन हुआ। इसी वर्ष अक्तूबर महीने में संपन्न हुए महासभा के आम चुनाव के बाद नवनिर्वाचित समिति के सदस्यों की उपस्थिति में पहली बार महासम्मेलन आयोजित किया गया। जहां झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में शाकद्वीपीय ब्राह्मणों ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने अपने विचार भी व्यक्त किए। इस महासम्मेलन में अतिथि के तौर पर न सिर्फ समाज के चिंतक व विचारक पुरूषों की उपस्थित रही, बल्कि महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने भी भाग लिया। विशेष रूप से इस महासम्मेलन में वर्तमान समय में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के विभिन्न पहलुओं, समस्याओं एवं चुनौतियों तथा इनके समाधान पर विस्तार से विचार विमर्श हुआ। समाज के महत्वपूर्ण लोगों व चिंतकों ने अपने अपने सुझाव दिये तथा एक बेहतर और विकसित समाज बनाने का संकल्प लिया। इस महासम्मेलन में अवध मणि पाठक, आचार्य मिथिलेश, वसंत व्यास, वसंत कुमार पाठक, शैलेंद्र मिश्र, विभाकर मिश्र, बंशीधर मिश्र, रवीन्द्र कुमार मिश्र, डॉ. आशुतोष पांडये, श्रवण कुमार पाठक, शशिकांत मिश्र, विनायक शर्मा, मनोज कुमार पुट्ठ, पंकज कुमार पाठक, डॉ. अर्चना पाठक विशेष रूप से मौजूद रहे। महासम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री विजया नंद सरस्वती ने रामधारी सिंह दिनकर एवं मैथिलिशरण गुप्त की कविताओं का उदाहरण देते हुए बताया कि हमारे समाज को क्यों सतत विकास करते रहना चाहिए। हम सबका यही एकमात्र प्रयास होना चाहिए कि हमारा समाज, संगठन निरंतर आगे बढ़ते रहे। साथ ही उन्होंने संस्कार और चरित्र के महत्व पर कई महत्वपूर्ण बातें बताई। वहीं डॉ अमिताभ कुमार ने संगठन के विस्तार की योजना बताई। भविष्य

महासम्मेलन को संबोधित करते डॉ अमिताभ कुमार।

इंक एंड ड्राइव अभियान में 10 वाहन चालक पकड़ाए

ब्रेथ एनालाइजर मशीन से की गई जांच

CRIME REPORTER RANCHI :

रांची के ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार देर रात ड्रिंक एंड ड्राइव चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस की चारों थानों ने अलग-अलग जगह पर अभियान में 10 वाहन चालक शराब के नशे में पकड़ में आए। इनमें दो पहिया और चार पहिया वाहन शामिल थे। ट्रैफिक एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर अभियान चलाया गया। इसी क्रम में सड़क से होकर गुजरने वाले वाहनों के चालक और सवार की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई। एसपी ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि शराब पीकर वाहन नहीं चलायें, शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े जाने पर ट्रैफिक पुलिस वाहन जब्त करते हुए न्यायालय में अभियोजन समर्पित करेगी। साथ ही एमवी एक्ट की धारा 185 के तहत प्रथम अपराध पर 10 हजार रुपये जुमार्ना और छह माह का कारावास की सजा है। जबकि दोनों पश्चातवर्ती अपराध के लिए 15 हजार रुपये जुर्माना और दो वर्ष का कारावास का भी प्रावधान है। इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेन्स निलंबन का भी नियम है।

टैलेंट सर्च परीक्षा एमटीएसई 2024 संपन्न

RANCHI : रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे दिन तक कर्बला चौक स्थित इराकी उर्दू गर्ल्स स्कूल में मिल्लत स्कॉलर्स एकेडमी, माही एवं जमैतुल इराकीन के संयुक्त तत्वावधान में टैलेंट सर्च परीक्षा एमटीएसई 2024 संपन्न हुआ। जिसमें लगभग 90 प्रतिभागियों ने विभिन्न स्कूलों व क्षेत्रों से भाग लिया। यह परीक्षा स्कॉलरशिप के लिए ली गई। जिसमें गणित, भौतिकी, रसायनशास्त्र, जीव विज्ञान, अंग्रेजी, तर्क शास्त्र, सामाजिक विज्ञान एवं दीनियात से 100 प्रश्न पूछे गए। यह परीक्षा तीन घंटो का लिया गया। ज्ञात हो कि इस परीक्षा में चयनित छात्र-छात्राओं को मिल्लत स्कॉलर्स एकेडमी के द्वारा बोर्ड परीक्षा (माध्यमिक परीक्षा) के बाद उच्च माध्यमिक परीक्षा (12वीं) के साथ-साथ नीट, आईआईटी, जेईई, क्लाइट, सीए फॉउंडेशन, एनडीए 2026 और स०ए फॉउंडेशन बीकॉम के साथ नि:शुल्क दो वर्षों की तैयारी लॉजिंग व फूडिंग के साथ बैंगलोर, हैदराबाद व पुणे के विभिन्न शाखाओं में करायी जाएगी। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में मुख्य भूमिका माही के संयोजक इबरार अहमद, इरफान उजैर, जमैतुल इराकीन के सचिव सैफुल हक, अर्शद शमीम,माही के शिक्षा संयोजक सरवर इमाम खान, खालिद सैफुल्लाह, प्रिंस, डॉक्टर सरफराज अहमद, मोहम्मद फिरोज ,मोहम्मद वसीम, हाजी नवाब, कामरान अहमद, मोहम्मद सलाहउद्दीन एवं साहिल खान ने निभाई।

बिहार का यह स्कूल भी देखिए

सड़क पर पॉलीथिन डालकर पढ़ते हैं 174 बच्चे, खटाल में बनता है मिड डे मिल

दरभंगा । एक स्कूल की छत पॉलीथिन की है। वह भी सड़क पर। इस स्कूल में 174 बच्चे पढ़ते हैं, जो खुले आसमान और टेंट के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं। यह स्कूल किरतपुर प्रखंड के सिरसिया गांव में स्थित है। स्कूल में 5 शिक्षक और 174 बच्चे हैं। इसमें 98 छात्र और 76 छात्राएं हैं। स्कूल के पास न जमीन है और न ही भवन है। बांस-बल्ले पर पॉलीथिन की मदद से टेंट लगाया गया। मिड डे मील खटाल में बनता है और बच्चे सड़क पर बैठक कर भोजन करते हैं। स्कूल में 3 पुरुष शिक्षक और 2 महिला शिक्षक के साथ छात्र-छात्राओं को टॉयलेट के लिए खुले में जाना पड़ता है। स्कूल की स्थापना 2011 में हुई थी। स्थापना के बाद से 2014 तक स्कूल टेंट

में ही संचालित होता रहा। इसके बाद विभागीय आदेश पर इस स्कूल को कठार प्राथमिक विद्यालय में शिफ्ट किया गया, जहां यह स्कूल 2018 तक चला। इसके बाद स्कूल दुबारा सड़क पर आ गया। छात्रा अंजनी कुमारी ने बताया कि स्कूल में नहीं पीने के पानी और शौचालय की व्यवस्था है। शौच के लिए खेतों की ओर खुले में जाना पड़ता है। बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित शिक्षक विशाल कुमार बताते हैं कि ऐसी खराब स्थिति की कल्पना भी नहीं की थी, पर अब जो है वो है। अपनी तरफ से इसमें सुधार करने का कोशिश भी कर रहे हैं। यहां रिसोर्स की बहुत ही कमी है, पर जो मिला है वो करना पड़ेगा। वहीं, शिक्षिका पूजा कुमारी ने बताया की ऐसी स्थिति में बच्चो को एक जगह एकत्रित कर बैठाना मुश्किल हो जाता है। कई बार बच्चे टॉयलेट का बहाना बना कर पीछे से चले जाते हैं। हमलोग को भी टॉयलेट जाने में परेशानी होती है। जैसे-तैसे एडजस्ट करना पड़ता है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विद्यानंद प्रसाद ने बताया कि यहां स्कूल को जमीन देने के लिए दाता लगभग 3 साल से तैयार हैं। विभाग की लापरवाही की वजह से उड एनओसी नहीं दे रहे हैं। यहां के लोगों को कोई समस्या नहीं है। हम लोगों ने लिखित जानकारी भी दी है, लेकिन कुछ नहीं हो पाया है। शौच के लिए निजी स्तर पर व्यवस्था करते हैं और नहीं हो पाने की स्थिति में खुले में जाना पड़ता है। इस स्कूल को जमीन दान देने के लिए तैयार शख्स पुलेश्वर पांडे ने बताया की प्रशासनिक स्तर से इसमें कमी है। हम लोग तो लगभग 6 महीने से ही जमीन देने को तैयार हैं। सीओ साहब को भी लिख कर दिए कि आप अपने स्तर से ठडउ कर दीजिए ताकि मनरेगा से इसकी भराई शुरू हो जाए। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शंभू शरण सिंह ने बताया कि भूमि दाता जमीन देने को तैयार हैं। रजिस्ट्री की प्रक्रिया चल रही है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी समर बहादुर सिंह ने कहा कि इस स्कूल के पास जमीन नहीं है। विभागीय प्रयास से स्कूल के लिए जमीन दान करने वालों से वार्ता चल रही है। विभाग के पास राशि की कमी नहीं है। जमीन मिलते ही स्कूल भवन का निर्माण करा दिया जाएगा। इसको लेकर विभाग गंभीर है।

शराब पार्टी में पहुंची पुलिस, युवक नदी में कूदा

नालंदा । शराब पार्टी की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को देख कुछ लोग भागने लगे। पुलिस से बचने के लिए एक युवक ने नदी में छलांग लगा दी। एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई। खाफी खोजबीन की बाद भी युवक का पता नहीं चल सका। रात होने की वजह से खोजबीन बंद कर दी गई। लेकिन अंधेरा होने की वजह से कुछ पता नहीं चल सका। घटना शुक्रवार की कतरी सराय थाना इलाके के शाहाबाद गांव की है। शनिवार की सुबह फिर से खोजबीन शुरू हुई, पूरे दिन गोताखोर और ग्रामीण युवक की तलाश में जुटे रहे। लेकिन युवक का पता नहीं चला। रविवार को फिर से एसडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी और काफी मशक्कत के बाद युवक का शव 44 घंटे बाद बरामद किया गया। मृत युवक की पहचान आशीष (22) के रूप में की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि शाहाबाद गांव में मुर्गी फार्म के पास कुछ युवक पार्टी कर रहे थे। तभी अचानक वहां पुलिस पहुंच गई। जिन्हें देख युवक इधर-उधर भागने लगे। गांव के ही एक बच्चे के अनुसार जब वह नदी किनारे शाम में शौच कर रहा था। तब उसने किसी को नदी में कूदते हुए देखा। इसके बाद शुक्रवार के शाम स्थानीय स्तर से युवक की नदी में खोजबीन की गई। लापता युवक का स्वेटर नदी के रास्ते पर ही मिला था। इसके बाद पुलिस और गांव के लोग नदी की ओर युवक की तलाश में आगे बढ़े थे। एसडीआरएफ की टीम दो नाव के सहारे सकरी नदी में जमे पानी में खोजबीन में जुटी थी। कतरीसराय थाना अध्यक्ष शरद रंजन ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक मुर्गी फार्म के पास शराब का सेवन कर रहे थे।

मंदिर में मांस फेंका, सीओ ने रात को धोया

औरंगाबाद । एक मंदिर में प्रतिबंधित मांस के टुकड़े फेंकने पर बवाल मच गया। गांव में तनाव की स्थिति बन गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया है। मंदिर में भी प्रवेश पर भी रोक लगा दी। रात को ही महिला सीओ ने मंदिर को खुद पानी से धोया और शुद्धिकरण कराया, तब जाकर ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ। हालांकि सुबह एसपी स्वप्ना जी मेश्राम और डीएम श्रीकांत शास्त्री मंदिर पहुंचकर निरीक्षण किया। मांस मंदिर में मिलने की बात शनिवार शाम 4

बजे गांववालों को पता चली। इस पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। घटना की सूचना पर पहुंचे SDPO ऋषि राज को ग्रामीणों ने रोक दिया। ग्रामीण सीधे DM और SP को बुलाने की मांग पर अड़ गए। मीडिया को भी नहीं जाने की अनुमति नहीं दी। घटना जिले के हसपुरा प्रखंड के समीप काजी बिगहा देवी मंदिर की है। ग्रामीणों ने काजी बिगहा मोड़ के पास हसपुरा मेहंदिया रोड में आगजनी कर तथा बांस-बल्ले लगा कर सड़क को पूरी तरह बंद कर दिया। ग्रामीण सड़क पर उतरकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध जताने लगे। ग्रामीणों का आरोप है पुलिस प्रशासन के उदासीनता के चलते बार-बार धार्मिक भावनाओं को आहत किया जा रहा है। पहले भी चार बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं।

नकली हेयर ऑयल धंधे का भंडाफोड़

पूर्णिया । एक घर से नकली हेयर ऑयल बनाने का कारोबार हो रहा था। शातिर जास्मिन कंपनी की डुप्लीकेट हेयर ऑयल तैयार कर रहे थे। पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर एक घर से हानिकारक कैमिकल युक्त हेयर ऑयल समेत कई खाली बोतल और रैपर बरामद किए हैं। मामला बायसी थाना क्षेत्र के बरेली गांव से जुड़ा है। छापा दल के अधिकारियों ने बताया है कि इस तेल को लगाते ही लोग गंजेपन के शिकार हो जाते। मामले की जानकारी देते हुए बायसी थाना प्रभारी सुशील कुमार ने बताया कि बायसी पुलिस को गुप्त सूचना

मिली कि बायसी थाना क्षेत्र के बरेली गांव में नकली हेयर ऑयल तैयार की जा रही है। जिसके बाद एसपी आमिर जावेद के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। जिसके बाद इस टीम ने बरेली गांव स्थित चिह्नित मकान में गुप्त रेड किया। जिसके बाद अब्दुल मोमिन नामक युवक के घर से जास्मीन कंपनी की 90 एमएल वाली डुप्लिकेट हेयर ऑयल की 1028 बोतल, 1822 खाली बोतल, कंपनी का 24476 पीस रैपर बरामद किया गया है। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है और अपने साथ थाना ले आई है। वहीं ग्रामीणों से पूछताछ में जानकारी मिली है। कई दिनों से हेयर ऑयल बनाने का काम चल रहा था। मगर उन्हें इस बात की भनक तक नहीं लगने दिया गया, कि डुप्लीकेट हेयर ऑयल बनाने का कार्य किया जा रहा है। वहीं पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे छापा दल के अधिकारियों ने हेयर ऑयल को मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और केमिकल युक्त बताया है।

मीटिंग के बाद ललन सिंह को छोड़ने आए सीएम

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के बीच हुई मुलाकात के बाद चचाओं का बाजार गर्म है। शनिवार की देर शाम ललन सिंह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने सीएम आवास पहुंचे। इस दौरान वित्त मंत्री विजय चौधरी भी साथ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ललन सिंह के मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ललन सिंह को छोड़ने उनके आवास तक खुद गए। वहां नीतीश कुमार ललन सिंह के आवास पर लगभग 10 मिनट तक रुके और दोनों के बीच बातचीत हुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ललन सिंह के मुलाकात के बाद

सियासी गलियारों में चर्चा का बाजार गर्म है। नीतीश कुमार और ललन सिंह की मुलाकात जदयू के 29 दिसंबर को होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक में लिए जाने वाले फैसलों को लेकर अहम है ' राष्ट्रीय अध्यक्ष के बदलने की चर्चा जोरों पर है। इसको लेकर बीजेपी नेता सुशील मोदी ने कहा है कि ललन सिंह की लालू प्रसाद यादव से नजदीकी के कारण ऐसे हालात हो गए हैं। ललन सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से हटाए जा सकते है। हालांकि, ललन सिंह ने ऐसी अटकलों को खारिज किया है। एक तरफ जहां इंडी गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर पटना में अहम बैठक होने वाली है। इससे ठीक पहले जदयू दिल्ली में आगामी 2024 को लेकर मंथन करती नजर आएगी। इस कार्यकारिणी की बैठक में कई बड़े फैसले लिए जाने की उम्मीद है। नीतीश कुमार और ललन सिंह के मुलाकात से पहले बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने दावा करते हुए कहा है कि जदयू में बड़ी टूट होने वाली है। जदयू का विलय राजद में होने जा रहा है।

राजगीर में 1 जनवरी को बंद रहेंगे पर्यटन स्थल

अगर। आप नए साल की छुट्टियां राजगीर की वादियों में बिताना चाहते हैं तो यह आपके लिए बेहद ही जरूरी खबर है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल राजगीर स्थित नेचर सफारी एवं जू सफारी 1 जनवरी को बंद रहेगा। बिहार समेत देश के अलग-अलग हिस्सों से भारी संख्या में पर्यटक 1 जनवरी की छुट्टियां मनाने राजगीर पहुंचते हैं। जहां उन्हें इस बार थोड़ी निराशा हाथ लग सकती है। हालांकि नेचर सफारी और जू सफारी के अलावे दर्जनों ऐसे भ्रमणशील स्थल हैं, जहां पर्यटक न्यू ईयर सेलिब्रेशन कर सकते हैं। हालांकि इन 2 जगहों से

इतर राजगीर में पर्यटक घोड़ा कटोरा, पांडू पोखर, विश्व शांति स्तूप,सोन भंडार, गर्म धारा,रोपवे समेत पंच पहाड़ियों और धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर सकते हैं। जू सफारी के निदेशक ने बताया कि पर्यटकों की अप्रत्याशित भीड़ और सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह निर्णय लिया गया है। 1 जनवरी को जू एवं नेचर सफारी बंद रहेंगे। हालांकि 31 दिसंबर को और 2 जनवरी से पूर्ववत समय से दोनों भ्रमण स्थल खुले रहेंगे।

ऑटो पर पुलिस कोड लिखना जरूरी

पटना। शहर में ऑटो लुटेरा गिरोह पर नकेल कसने के लिए पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। यूनियन अध्यक्ष को यह भी निर्देश दिया गया है कि शहरी क्षेत्र में चलने वाले ऑटो पर पुलिस कोड लिखा होना चाहिए। आदेशों की अवहेलना करने पर चालकों ही नहीं बल्कि ऑटो मालिकों से भी पूछताछ हो सकती है। कोतवाली थाना अध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि शहरी क्षेत्र में चलने वाले ऑटो पर पुलिस कोड जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की जा सकती है। ऑटो के आगे और पीछे पुलिस कोड अंकित करना अनिवार्य किया गया है। 1880 वाहनों पर पुलिस कोड अंकित किया जा चुका है। जिस वाहन में पुलिस कोड अंकित नहीं किए गए हैं। उसे समय से करा लें, नहीं तो वाहन जब्त किया जाएगा। बता दें, कि शहर में ऑटो लुटेरा गिरोह के सदस्यों ने अब तक कई

घटनाओं को अंजाम दिया है। इसे देखते हुए यूनियन के अध्यक्ष के साथ हुई बैठक में निर्णय लिया गया था कि शहरी क्षेत्रों में चलने वाले वाहन पर पुलिस कोड लिखना जरूरी है, ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी। शहरी क्षेत्रों में करीब 20 हजार ऑटो का परिचालन होता है। ऑटो पर पुलिस कोड अंकित किया जाना अनिवार्य कर दिया गया है। यही नहीं पटना शहर में चलने वाले ऑटो के चालक और मालिक का नाम, पता ऑनलाइन रिकॉर्ड में रखा जाएगा। ताकि किसी तरह की घटना होने पर अपराधी पकड़ में आ सके।

यज्ञ के भंडारे में चलीं गोलियां, 2 की मौत

भोजपुर । यज्ञ के भंडारे में फायरिंग में दो लोगों की जान चली गई। फायरिंग और हत्या से पूरा इलाका दहल उठा। एक पक्ष ने पुरानी रंजिश पर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। बदला लेने के लिए दूसरे पक्ष ने फायरिंग कर दी। इसमें भंडारे में शामिल दूसरे युवक को गोली लग गई। उसकी भी मौत हो गई। वारदात भोजपुर के सहार थाना क्षेत्र के गोडीहां गांव की शनिवार देर रात की है। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गांव में तनाव है। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है। एसपी प्रमोद कुमार, डीएसपी राहुल कुमार सिंह और सहार थानाध्यक्ष शिवेंद्र कुमार अपने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। मृतकों में देव कुमार महतो का 27 वर्षीय

बेटे कृष्ण कुमार एवं दूसरा जनेश्वर यादव का 35 वर्षीय बेटे लल्लू यादव शामिल हैं। गांव के ही जनेश्वर यादव और बिहारी यादव के परिवार में विवाद चल रहा था। लल्लू (मृतक) के पिता जनेश्वर यादव ने बताया कि पहले भी दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था। दोनों पक्षों के बीच केस भी हुआ था। हालांकि पंचायत कर मामले को खत्म कर दिया गया था। शनिवार को लल्लू भंडारा में खाने गया था, तभी उन लोगों ने पकड़कर गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मौके पर मौजूद लल्लू यादव के चाचा छोटक यादव घर से राइफल लेकर आए। गोली मारने वाले बृजेश यादव (बिहारी यादव के परिवार के) का पीछा करने लगे। इसी दौरान फायरिंग कर दी और गोली कृष्ण कुमार को लगी। इधर, मृतक कृष्ण कुमार के भाई मुन्ना कुमार ने बताया कि शनिवार को उनके गांव में पहियारी जी महाराज का यज्ञ का आयोजन किया गया था। आयोजन के दौरान शनिवार की देर शाम भंडारा चल रहा था। उसी भंडारे के बीच विवाद हुआ। फायरिंग की आवाज सुनते ही लोगों के बीच भगदड़ मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। इस बीच गोली चलाने वाला भागने के दौरान उनके दरवाजे पर आ गया। तभी छोटक यादव भी वहां आ गया। छोटक कहने लगे कि तुम लोगों उसे घर में क्यों छुपाया है? जब उन्होंने कहा कि मैंने उसे घर में नहीं छुपाया है, लेकिन उसने उसके भाई कृष्ण कुमार को गोली मारी। कृष्ण कुमार को परिवार वाले इलाज के लिए आनन-फानन में आरा ले आए। तभी उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन उसे आरा सदर अस्पताल ले आए। यहां डॉक्टरों ने देखा उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में तैनात पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम करवाया। लल्लू यादव के शव का सहार थाना पुलिस द्वारा पोस्टमॉर्टम कराया गया। वहीं, दूसरी ओर मृतक कृष्ण कुमार के भाई मुन्ना कुमार ने मृतक लल्लू यादव के चाचा छोटक पर अपने भाई कृष्णा कुमार की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

संक्षिप्त डायरी

क्रिसमस के बाद से बिहार में बढ़ेगी ठंडः पछुआ हवा का प्रभाव जारी, प्रदेश में सबौर सबसे ज्यादा ठंडा रहा

पटना। बिहार में पिछले कुछ दिनों से पछुआ हवा का प्रभाव जारी है। इस वजह से कड़ाके की ठंड से लोगों को राहत मिल रही है। शनिवार को गया में सबसे अधिक 5.6 डिग्री अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। गया का अधिकतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, 8.5 डिग्री सेल्सियस के साथ भागलपुर का सबौर सबसे ठंडा रहा। पटना में भी लोगों ने दिन में उमस महसूस की। रात में भी ठंड में तेजी से कमी आई। यहां न्यूनतम तापमान में 3.7 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग की माने तो अगले दो दिनों तक तापमान में ऐसे ही बढ़ोतरी की स्थिति बनी रहेगी। जिससे लोगों को कड़ाके की ठंड से काफी राहत मिलेगी। इसके बाद तापमान में फिर से गिरावट आएगी, जिससे क्रिसमस के बाद फिर से ठंड बढ़ने के आसार हैं। अगले एक दो दिनों में कोहरे की सघनता में आंशिक वृद्धि का अनुमान है। पिछले 24 घंटे के दौरान बिहार के कई जिलों में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। उसमें मोतिहारी में 3.2 डिग्री, पूसा में चार डिग्री, मुजफ्फरपुर 3.3 डिग्री, सुपौल में 2.8 डिग्री, फारबिसगंज में दो डिग्री, पूर्णिया में 2.7 डिग्री, औरंगाबाद में 4.5 डिग्री, नवादा में चार डिग्री, शेखपुरा में 2.6 डिग्री, बक्सर में 3.6 डिग्री, कैमूर में 2.7 डिग्री, भोजपुर में 3.1 डिग्री, गोपालगंज में 2.6 डिग्री तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

यातायात थाना खुलने के बाद भी अनकंट्रोल जाम की समस्या

पटना। जिला मुख्यालय में ट्रैफिक नियम पालन कराने को लेकर बीते 01 नवंबर को यातायात थाना को खोला गया। लोगों को उम्मीद जगी कि अब शहर में यातायात के नियमों का पालन होगा। जिससे लोगों को सड़क जाम से भी निजात मिलेगी। लेकिन ट्रैफिक थाना के उद्घाटन के बाद भी शहर में भयंकर जाम लग रहा हैं। आये दिन बस स्टैंड ओवरब्रिज व चांदनी चौक से लेकर हॉस्पिटल रोड सहित अन्य जगहों पर लोग 01 घंटे से ज्यादा सड़क जाम से जूझते रहते हैं। बस स्टैंड में जाम लगने से सड़कों पर वाहनों का लंबा जाम लग जाता है। जिससे लोग घंटों परेशान नजर आते हैं। इस दौरान प्रशासन की वाहन भी सड़क जाम में फंस जाते है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि जिले में सड़क जाम की परेशानी से लोग खासा त्रस्त हैं। आये दिन लोगों को सड़क पर सुबह-दोपहर-शाम जाम की समस्या से दो-चार होना पड़ रहा है। 5 मिनट का रास्ता 1 घंटे के सफर में पूरा करना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी सरकारी कार्यालय आने-जाने वाले व स्कूली बच्चों को होती है। जरूरी काम से निकलने वाले लोग एकाएक जाम लगने के कारण गंतव्य स्थान तक समय से नहीं पहुंच पाते हैं। लोगों का कहना है कि जाम की समस्या का स्थायी समाधान के लिये शहर में पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों को हर रोज परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके समाधान के लिए प्रशासन के पास कोई ठोस प्लानिंग नहीं होने के कारण हालात यथावत है।

महिला रेलकर्मी ने लगाया यौन उत्पीड़न का आरोपः सीनियर इंजीनियरिंग पर लगा आरोप

गया । कार्यरत एक महिला रेल कर्मी ने अभियंत्रण शाखा के वरीय प्रशाखा अभियंता के ऊपर यौन उत्पीड़न करने जैसा गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने यौन उत्पीड़न कि शिकायत वरीय रेल अधिकारी के पास सीधे तौर पर की है। हालांकि यह मामला अभी तक किसी थाना तक नहीं पहुंची है, लेकिन रेल विभाग महकमे में इसकी चर्चा हो रही है। रेल विभाग के वरीय अधिकारियों तक जब यह मामला पहुंचा तो विभागीय स्तर पर इसकी जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। रेल सूत्रों की माने तो उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच के लिए दोनों पक्षों को पत्र जारी कर बुलाया गया है। इनमें आरोप लगाने वाली पीड़िता और आरोपी रेल कर्मी को डीडीयू मंडल के कार्मिक विभाग के एक पदाधिकारी के पास 24 दिसंबर को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया है। पीड़ित महिला रेलकर्मी हेल्पर 2 के पद पर कार्यरत है। जिन्होंने गया में आईओडब्ल्यू कार्य में वरीय प्रशाखा अभियंता राकेश कुमार सिन्हा पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़िता द्वारा लगाए गए आरोप के संबंध में पूछे जाने पर अभियंता राकेश कुमार सिन्हा ने बताया जो भी आरोप लगाए गए हैं वह सभी बेबुनियाद और मनगढ़ंत हैं। उन्हें जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। महिला रेल कर्मी के यौन उत्पीड़न की जांच के मामले में डीडीयू मंडल के कार्मिक विभाग के कल्याण शाखा द्वारा एक पत्र जारी किया गया है। जिसमें दोनों पक्षों को डीडीयू मंडल मुख्यालय में सहायक कार्मिक अधिकारी मनोज पासवान के कक्ष में 24 दिसंबर यानी आज उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

चौधरी चरण सिंह की जयंती कामगार दिवस के रूप में मनायी

संवाददाता

गाजियाबाद। ज्ञानपीठ केन्द्र 1, स्वरूप पार्क जी0 टी0 रोड साहिबाबाद के प्रांगण में लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा किसान मसीहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, स्वतन्त्रता सेनानी का जन्म दिवस समारोह किसान कामगार दिवस के रूप में मनाया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता ड़ा0 विशन लाल गौड़ पूर्व प्राचार्य ने किया, मुख्य अतिथि इतिहासकार कैलाश चन्द्र रहे, मुख्य वक्ता संस्था के संस्थापक/अध्यक्ष राम दुलार यादव शिक्षाविद रहे, आयोजन इंजी0 धीरेन्द्र यादव ने, संचालन श्रमिक नेता अनिल मिश्र ने किया, इस अवसर पर सभी विद्वानों, गणमान्य साथियों ने किसान मसीहा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हे स्मरण करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी सादगी, ईमानदारी से प्रेरणा लेकर उस पर चलने का संकल्प लिया। आज ही चौधरी साहब के जन्म दिन पर समाज सेविका फूलमती यादव ने श्री राम पार्क राजेन्द्र नगर सैक्टर 2 के परिसर में 42 कंबल कामगारों में तथा बच्चों में लेखन सामाग्री और ड्राइंग कलर वितरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षाविद राम दुलार यादव ने कहा कि चौधरी चरण सिंह महात्मा गांधी के विचार के ध्वज वाहक रहे, उन पर स्वामी दयानन्द का भी प्रभाव रहा, वह पाखंड, रूढ़िवाद, अंधविश्वास को जड़ मूल से नष्ट करना चाहते थे, तथा कहा करते थे कि राजनीति में

धार्मिक पाखंड का कोई स्थान नहीं है। उन्होने गांधी जी के आह्वान पर नमक कानून को तोड़ा, 6 महीने की जेल भी हुई, लेकिन वह झुके नहीं, लगातार आंदोलन में भाग ले देश को ब्रिटिश गुलामी से मुक्त कराने के लिए यातना झेली, जब वह उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री रहे, उन्होने किसान और कामगारों के कल्याण के लिए अनेकों काम किया, तथा किसान राजनीति को सत्ता के केन्द्र तक पहुंचा दिया। उनके प्रयास से ही 1952 में जमींदारी प्रथा का अंत हुआ, तथा 1954 में भूमि संरक्षण बिल पारित हुआ, किसानों, खेत मजदूरों को एक झटके में भूमि, तालाब, कुंवों, मकानों का स्वामी बना दिया, लेकिन आज किसानों और मजदूरों की हालत दयनीय है, 16 करोड़ किसानों पर 21 लाख करोड़ कर्ज है, यहाँ बड़े धन्ना सेठों का 11 लाख करोड़ कर्ज माफ कर दिया जाता है, वही किसानों की मांगों की अनदेखी की जा रही है, कामगारों को न्यूनतम मजदूरी मिल नहीं रही है, बल्कि उन्हे अप्रत्यक्ष कर के जाल में फंसाया गया है, 50% भारत के लोग 64% कर दे रहे है, जबकि जिनका कर्ज माफ किया जा रहा है वह मात्र 10% का योगदान कर रहा है, हालात यह है कि लोकतन्त्र में आवाज को कुचला जा रहा है, संवैधानिक संस्थाएं हो या प्रेस उन पर नियंत्रण किया जा रहा है, उत्तर कोरिया तानाशाही में प्रथम स्थान पर है 180 देशों में हम उससे केवल 19 स्थान पीछे है, लोकतन्त्र की बुनियाद प्रेस को ध्वस्त किया जा रहा है, आज चौधरी चरण सिंह जैसे नेता की आवश्यकता है जो इस भयावह स्थिति से जनता में उद्वेलित करते।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल रहे, राम दुलार यादव, कैलाश चन्द्र, ड़ा0 विशन लाल गौड़, ड़ा0 देवकर्ण चौहान, एस0 एन0 अवस्थी, अनिल मिश्र, ओम प्रकाश अरोड़ा, मुनीव यादव, रामेश्वर यादव, राजेन्द्र सिंह, बैजनाथ रजक, पंडित विनोद त्रिपाठी, अखिलेश शुक्ल, हरीश ठाकुर, रोहित यादव, अवधेश यादव, सुरेन्द्र यादव, अमर बहादुर, खुमान, एस0एन0 जायसवाल, हुकुम सिंह गीतकार आदि।

संक्षिप्त डायरी

आश्रम पद्धति विद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। समाज कल्याण विभाग के निदेर्शानुसार राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय सिरसिया हेतिमपुर कुशीनगर में विद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। जिसमें विभिन्न 11 खेलों को आयोजित किया गया। जो क्रमशः वॉलीबॉल, कबड्डी खोखो, कैरम बोर्ड, शतरंज, दौड़ 100 मीटर में 200 मीटर में 400 मीटर व बैडमिंटन, कुश्ती जूनियर वर्ग सीनियर वर्ग व भाला फेक, गोला फेक, रस्साकसी के खेल कूद को आयोजित किया गया। प्रतिभाग करने वाले सदन, रानी लक्ष्मी बाई, सरोजिनी नायडू, अवंती बाई, कल्पना चावला ने विभिन्न उपरोक्त प्रतियोगिताओं में अलग-अलग अपने जीत हासिल की। उपरोक्त खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यालय की वरिष्ठ लिपिक श्रीमती श्रीमती विनीता, प्रभारी प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन शर्मा, व्यायाम शिक्षिका श्रीमती सुमन, तकनीकी खेलकूद प्रशिक्षक श्री करुणा निधान मिश्रा खेलकूद सहायक श्रीमती बिंदु कुशवाहा व श्रीमती चंदू का विशेष योगदान रहा, प्रभारी प्रधानाचार्य द्वारा समस्त विजयी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ठ खेल हेतु, उत्साह वर्धन किया गया व आगामी मंडलीय प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाए दी गई।

रोटरी के यूथ विंग रोटरैक्ट क्लब के 58 सदस्यों ने किया कुशीनगर का शैक्षणिक भ्रमण

संवाददाता

कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय समाजिक संगठन रोटरी इंटरनेशनल की यूथ विंग रोटरैक्ट मंडल 3120 के विभिन्न शहरों के रोटरैक्ट क्लब के 58 सदस्य शैक्षणिक भ्रमण के उद्देश्य से रविवार को कुशीनगर पहुँचे। जिसकी अगुवाई रोटरी 3120 के रोटरैक्ट मंडल प्रतिनिधि रो. हर्ष श्रीवास्तव, रो. प्रीति श्रीवास्तव, गोरखपुर से रो. अभिषेक सिंह, रो. शिवम गुप्ता, रो. शम्भू शर्मा, लखीमपुर से रो. रिशु महेश्वरी, हर्षित गुप्ता, पटेल सुशील वर्मा, सीतापुर से रो. सचिन, पुनीत, मऊ से आकाश, रचित, उत्सव, सूयार्सु, सिसवा बाजार से मनीष, अनुराग, लखनऊ से यूसुफ, मुस्कान, प्रयागराज से सोनाक्षी, भीरा से शाहीन कर रहे थे। इस दल का स्वागत रोटरी कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। रोटरैक्ट के सदस्यों ने कुशीनगर स्थित समस्त ऐतिहासिक व दार्शनिक स्थलों का भ्रमण किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब कुशीनगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष दिनेश यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी, सदरे आलम, अरुण वर्मा, आदिल खान उपस्थित रहे।

मेरठ में पेड़ पर लटका मिला प्रेमी-युगल का शवःपास में पड़ी थी सिंदूर की डिब्बी

मेरठ। गंग नहर की पटरी के पास स्थित एक गन्ने के खेत में एक प्रेमी-युगल का शव नीम के पेड़ लटका हुआ मिला है। पास में एक सिंदूर की डिब्बी पड़ी मिली है। मरने से पहले दोनों ने शादी की इसके आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को नीचे उतार कर शिनाख्त का प्रयास किया। युवक उत्तराखंड का रहने वाला है। वहीं युवती मेरठ की रहने वाली है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मौके से बरामद हुई बाइक प्रेमी युगल की ही प्रतीत हो रही है, जिस पर उत्तराखंड का नंबर यूके एजेड 7165 अंकित है। रविवार की दोपहर सैफपुर फिरोजपुर की कुछ महिलाएं पशुओं का चारा लेने के लिए गंग नहर के समीप स्थित परविंदर सिंह पुत्र हसवंत सिंह निवासी रामराज के खेत में गई थी। जैसे ही महिलाएं खेत में गई तो उन्हें वहां पेड़ पर एक युवक और एक युवती के शव पेड़ पर लटके दिखाई दिए। 2 शव पेड़ पर लटके देखकर महिलाओं ने शोर मचा दिया। जिस पर आसपास के खेत में काम कर रहे मजदूर भी मौके की ओर दौड़े। मजदूरों ने इसकी सूचना किसान को दी। जिस पर किसान परविंदर सिंह भी मौके पर जा पहुंचा। किसान ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। घंटों तक भी शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई। जिस पर पुलिस ने शवों को पेड़ से नीचे उतारा और शिनाख्त का प्रयास किया। देर शाम को युवक की पहचान मनीष चौहान पुत्र दीपचंद चौहान (22) निवासी महाराजपुर खुर्द थाना लक्सर उत्तराखंड और युवती की पहचान राखी (20) पुत्री होशियार सिंह निवासी सैफपुर फिरोजपुर थाना बहसूमा जिला मेरठ के रूप में हुई। मौके पर एक मिठाई का डिब्बा, एक बैग और सिंदूर बिखरा हुआ मिला है। पुलिस ने दोनों शवों को पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना में बहसूमा थाना प्रभारी का कहना है कि प्रथम दृश्य मामला प्रेम प्रसंग का प्रतीत हो रहा है मामले की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि जहां पर दोनों के शव पेड़ से टंगे हुए थे। वहीं पर एक सिंदूर की डिब्बी भी पड़ी हुई थी। जिससे प्रतीत हो रहा था कि लड़के ने मरने से पहले लड़की की मांग भरकर उसे शादी की। उसके पश्चात दोनों ने आत्महत्या कर ली।

सेवा भारती का उद्देश्य किशोरी विकास प्रशिक्षण के माध्यम से बालिकाओं का समग्र विकास करना है : अमिता जैन

संवाददाता

गाजियाबाद। सेवा भारती मेरठ प्रांत द्वारा दुर्गा भाभी सेवा प्रकल्प रमते राम रोड, गाजियाबाद पर एक दिवसीय किशोरी विकास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आरंभ दीप प्रजव्वलन और समापन कल्याण मंत्र के साथ किया गया। उक्त शिविर में 27 जिलों की 176 बालिकाओ ने भाग लिया । सेवा भारती की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमिता जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि किशोरावस्था नारी के जीवन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवस्था होती है किशोरीवस्था नारी के मानसिक , शारिरिक, भावनात्मक, शिक्षणात्मक, संस्कृतिक मनौवैज्ञानिक ० रचनात्मक विकास की दृष्टि से अत्यंत परिवर्तन शील होती है, वर्तमान परिवेश मे पाश्चात्य संस्कृति का अत्यधिक प्रभाव ० सिनेमा जगत की काल्पनिक संरचनाये किशोरियों के कच्चे मन को आकर्षित कर जीवन पर दुष्प्रभाव डाल रही है कजीवन जीने की कला और सुखी- समुनन्त, प्रखर ० प्रामाणिक बनने के लिए जो आवश्यक है , वो घर और स्कूल में सिखाया ही नहीं जाता इसीलिए इस समय सही ज्ञान, जानकारी, संस्कार ० राष्ट्रवाद की अग्नि से किशोरी को परिपकव करने से जीवन समुचित सम्पन्ता, संस्कार व सम्मान प्राप्त कर देश, समाज व परिवार के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है अतः किशोरियों के समुचित व सर्वांगिक विकास के लिए किशोरी विकास केंद्र व प्रशिक्षण की आवश्यकता अनुभव की गयी । शिविर के समापन पर क्षेत्रीय सेवा प्रमूख धनीराम ने सभी प्रतिभागियों से अधिक से अधिक किशोरी विकास प्रषिक्षण केंद्र खोलने का आग्रह किया । उक्त शिविर में क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनिल, प्रांतीय कार्यालय प्रमुख जय किशन, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा प्रांत मंत्री डॉक्टर आनंद, प्रांतीय किशोरी विकास प्रमुख रश्मि गुप्ता , बहन नंदा, मनमीत, दयानंद शर्मा, महेंद्र खंडेलवाल, अखिल अग्रवाल, दिनेश , राजेश गर्ग, राजू तोमर, विष्णु, राजवीर, आलोक, प्रवीण शर्मा, धवल गुप्ता आदि ने भाग लिया। शिविर के कुशलतापूर्वक आयोजित होने में गुरदीप कोर, सीमा भसीन, शुभ्रा जैन, प्रियंका शर्मा, आकाश, रोहित, विनीत, हर्षा, मुस्कान , कीर्ति सिंह , स्वेता आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अयोध्या में एयरपोर्ट की तर्ज पर बना रेलवे स्टेशनः राम मंदिर मॉडल पर बनी नई बिल्डिंग, 30 दिसंबर को मोदी करेंगे उद्घाटन

अयोध्या। राम मंदिर मॉडल की तर्ज पर अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे के नए भवन का निर्माण पूरा हो गया है। बंशीपहाड़पुर के पत्थरों से बने पिरामिड स्टेशन की शोभा को और बढ़ा रहे है। पूरे भवन को एयरपोर्ट के तर्ज पर बनाया गया है। यात्रियों की सभी सुविधाओं का ध्यान यहां रखा गया है। जो स्टेशन को और भव्य बना रहे है। स्टेशन के नए भवन का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 दिसंबर को करेंगे। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन 25 एकड़ की भूमि में बना है। इसमें 10 हजार स्क्वायर मीटर में दो तल का भव्य नए भवन का निर्माण किया गया है। रेलवे स्टेशन के भवन को राम मंदिर के मॉडल का लुक दिया गया है। बंशी पहाड़पुर के पत्थरों से बाहर एक मुकुट, दो शिखर और छह पिरामिडों से मंदिर की आकृति दी जा रही है। रात होते ही भवन की शोभा और बढ़ जाती है। यहां पर लगी लाइटे लोगों को आकर्षित करती है। स्टेशन के नए भवन में सभी अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। भवन में यात्रियों के सुविधा के लिए छह लिफ्ट और चार स्केलर लगाए गए है। दिव्यांगों के लिए शौचालय, शिशुओं की देखभाल के लिए अलग से कक्ष बनाया गया है। होटल के कमरे की तरह ट्रिपल बेड डोरमेट्री, फूड प्लाजा, क्लॉक रूम, यात्रियों के बैठने की व्यवस्था और स्टेशन मास्टर कक्ष के अलावा रुकने के लिए 214 बेड की डोरमेट्री भी है। इसके अलावा यात्रियों के लिए दुकानों भी बनाई गई है। इसके अलावा नए भवन में सात प्रवेश द्वार है, सात ही बाहर जाने के भी रास्ते है। सात द्वार मुख्य गेट की तरफ है, और सात द्वार स्टेशन की तरफ है। इसके अलावा 420 केएलटी का परिसर में वाटर टैंक भी बनाया गया है। भवन का निर्माण 2019 में शुरू हुआ था । रेलवे अधिकारियों की माने तो इस भवन की क्षमता प्रतिदिन 50 हजार यात्रियों की है। जहां एक बार में ये यात्री आ जा सकेंगे। इसके अलावा 24 स्टाफ क्वॉर्टर और बड़े पार्किंग स्थल का भी इंतजाम किया गया है। परिसर से निकलने वाले गंदे पानी के ट्रीटमेंट के लिए एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) भी बनाया गया है। रेलवे स्टेशन में यात्रियों की सुरक्षा का बेहद ख्याल रखा गया है। अग्निशमन यंत्र के साथ ही पूरे परिसर को सीसीटीवी कैमरों से भी लैस किया गया है।

जनपद अमरोहा में जिला पंचायत राज अधिकारी की बड़ी कार्यवाही

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा की जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने ग्राम पंचायतो में गंदगी पाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। इसी के साथ उन्होंने पंचायत सहायक और पंचायत सचिव की लापावाही को देखते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने वेतन काटने के आदेश दिए है। इसी के साथ पंचायत सचिव का स्पष्टीकरण तलब किया है। आपको बता दे कि ब्लॉक जोया की ग्राम पंचायत चौधरपुर में सामुदायिक शौचालय बंद मिला , पंचायत सहायक मो वसीम भी पंचायत घर पर उपस्थित नहीं था , सचिव का स्पष्टीकरण

मांगा जा रहा है तथा पंचायत सहायक का आज का मानदेय काटने के निर्देश दिए गए। इसी के साथ उन्होंने ग्राम पंचायत खैय्या माफी पंचायत घर तथा सामुदायिक शौचालय बंद पाया गया , पंचायत सहायक तथा केअर टेकर का स्पस्टीकरण लेने तथा आज का मानदेय काटने के निर्देश दिए गए। पंचायत घर की चहारदीवारी करवाने के निर्देश दिए गए। जिसके बाद ग्राम पंचायत शेखूपुर माफी पंचायत सहायक पंचायत घर पर उपस्थित थे किन्तु इंटरनेट व्यवस्था नहीं थी। उसको पर्याप्त स्टेशनरी उपलब्ध करवाने तथा इंटरनेट व्यवस्था सुचारू करवाने के निर्देश सचिव को दिए गए। अंत्येष्टि स्थल 2019 -20 में निर्मित है। वर्तमान परधानजी ने बताया कि इसमें कोई अंत्येष्टि नहीं होती है। फ्फ्ठ सेंटर निमार्णाधीन है जिसकी गुणवत्ता सुधारने तथा उसके परिसर में सफाई करवाने को कहा गया। अंत्येष्टि स्थल में शौचालय के गेट उखाड़ लिए गए हैं तथा मरम्मत की अत्यंत आवश्यकता है जिसे तत्काल करवाने के निर्देश ग्राम प्रधान को दिए गए। इसी के साथ जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने ग्राम पंचायत मुबारक पुर नूरी का निरीक्षण किया। जिसमे पंचायत घर मे अत्यंत गंदगी पाई है, पंचायत सहायक इस्तीफा दे चुका है। पंचायत घर की चहारदीवारी क्षतिग्रस्त है जिसे 15 दिन में ठीक करवाने तथा सामुदायिक शौचालय में विद्युत व पानी की व्यवस्था ठीक कराने के निर्देश दिए गए। सचिव व संबंधित पंचायत सहायकों तथा लापरवाह केअर टेकर के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है।

चिरगोडा में भारत विकसित यात्रा कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हाटा विकास खण्ड के गांव चिरगोडा और भैसही के पंचायत भवन के परिसर में शनिवार को आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा चौपाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार की योजनाओ का लाभ जनता को बिना भेदभाव के मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार में आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास, विधवा, वृद्धा पेंशन, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना आदि

योजनाएं संचालित हो रही है जिसका लाभ जनता को सिधे मिल रहा है, मुख्य चिकित्साधिकारी सुरेश पठारिया ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओ के बारे में ग्रामीणों को दी जा रही है और सभी योजनाओं को लागू किया जा रहा है। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग ,आयुष्मान भव, प्रदर्शन प्रक्षेत्र, स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा स्टाल लगाए गए थे वृद्धा, विधवा, विकलांग पेंशन के साथ राशन कार्ड, पीएम किसान, आयुष्मान कार्ड संबधित लोगों को जानकारी दी गई और समस्याओ का निराकरण भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से डायबटिज के 3 दर्जन से अधिक लोगों का बीपी शुगर जांच कर दवा व उचित सलाह दिया गया। अध्यक्षता भाजपा मण्डल अध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता व संचालन धीरज राव ने किया । इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी जनार्दन सिंह, ग्राम प्रधान राधेश्याम प्रसाद, संजय यादव, धनंजय, मणि त्रिपाठी, प्रमोद तिवारी, गोबिंद तिवारी, श्रीकांत पटेल, दयाशंकर तिवारी, ओमप्रकाश, भोज प्रसाद, निजामुद्दीन, श्याम सुंदर, शिक्षक मनोहर प्रसाद, अनिश आलम, आदि मौजूद रहे।

कर्तव्यनिष्ठ हो कला के रियाज से मिलेगी सफलताः रविन्द्र विश्वकर्मा

संवाददाता

कासया, कुशीनगर। दीनदयाल उपाध्याय नगर कसया स्थित डी डी मंत्रा नृत्य एवं संगीत विद्यालय में रविवार को भारत के मशहूर गायक मो. रफी साहब जी का जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मो0 रफी को भारत रत्न देने की मांग कलाकारों ने की। जयंती समारोह स्व0 रफीक के गीतों को गाकर व पुष्पाजंलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। सरस्वती वंदना व स्वागत गीत गीत व अर्चना चौधरी ने गाया। अनुराग ने गाया लिखे जो खत तुझे जो लोगो को काफी अच्छा लगा। प्रियंका ने गाया जनम जनम का साथ है तुम्हारा हमारा काफी अच्छी प्रस्तुति रही, गीता वर्मा ने पत्थर के सनम गाया तो महफिल गंभीर हो गया। करण लाल यादव ने गाया आने से उसके आये बहार गाया तो माहौल खुशनुमा हुआ अमित श्रीवास्तव ने गाया गुलाबी आँखे जो तेरी देखी

अच्छा रहा। नरेंद्र शर्मा ने गाया झिलमिल सितारों का आंगन होगा काफी अच्छा रहा, कार्यक्रम में आगे अनिल ने गाया न झटको जुल्फ से पानी बहुत अच्छा माहौल बना। अन्य बच्चों ने भी कार्यक्रम में अपनी गायकी से सबको मंत्र मुग्ध किया। संस्था के निदेशक कृष्णानंद त्रिपाठी ने कहा कि मोहम्मद रफी एक फनकार ही नहीं एक फकीर की तरह उन्होंने जीवन जिया और गीत को वह अपनी पूजा समझते रहे और इसीलिए आज भी वह गीत जब भी सुनिए तो लगता है कि जैसे आज भी वह ताजा है आज भी रफी जिंदा है लोगों के दिलों में और हमेशा जीवित रहेंगे। भारत सरकार से यह निवेदन भी किया गया संस्था के द्वारा कि उन्हें भारत रत्न मिले संस्था हमेशा अनवरत आगे भी और अच्छे कार्यक्रम करती रहेगी संस्था के द्वारा तमाम कार्यक्रम सांस्कृतिक हमेशा होते हैं और हमेशा इसमें किसी विशिष्ट व्यक्ति का जयंती पुण्यतिथि मनाता है। मुख्य अतिथि के रूप में नगर के समाजसेवी रविंद्र राधे ने कहा कि डीडी मन्त्रा नगर में नृत्य, गीत, संगीत को लेकर बाल, युवा कलाकारों की मेधा को उभारने का कार्य सराहनीय है। मेरा विश्वास है कि आप पूर्ण समर्पित, कर्तव्यनिष्ठ होकर पूरे मनोयोग से अपनी कला का रियाज करें। निश्चित एक दिन आप सफलता की बुलंदियों पर पहुंचेंगे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में देवी शरण त्रिपाठी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रफी जी का जीवन सच्चे साधक का जीवन है उन्होंने तमाम अमर गीत गाये है। कार्यक्रम में दीपक राय नीतू निषाद, प्रियंका, देवेंद्र पांडेय, दर्श त्रिपाठी, खुशी, संतोष पांडेय, ईशा, संतोष शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

भोजपुरिया क शान भोजपुरी भाषा विषयक संगोष्ठी सम्पन्न

संवाददाता

कुशीनगर। भोजपुरी पुनर्जागरण मंच देवरिया द्वारा बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर के अज्ञेय स्मृति सभागार में 'भोजपुरिया क शान भोजपुरी भाषा' विषयक संगोष्ठी में वक्ताओं ने भोजपुरी साहित्य से फूहरपन मिटाने की अपील करते हुए भोजपुरी भाषा को संवैधानिक दर्जा दिए जाने की मांग की। मुख्य अतिथि वाणिज्य विभाग दीदऊ गोरखपुर प्रो आरपी सिंह ने कहा कि भोजपुरी भाषा भारत की पहचान है और उस पहचान में भोजपुरी का बड़ा योगदान है। भोजपुरी को और समृद्ध बनाने के लिए एकजुट हुआ जाय। उन्होंने गोरक्षनाथ, संत कबीर, संत ज्ञानेश्वर आदि की चर्चा करते हुए कहा कि इन्होंने भक्तिमार्ग के माध्यम से भोजपुरी को समृद्ध किया। भिखारी ठाकुर, गोरख पाण्डेय, धरीक्षण मिश्रा आदि के भोजपुरी में योगदान की चर्चा करते हुए माटी की भाषा को फूहड़पन से बचाने की अपील की। भोजपुरी किसी राज सता के मुखापेक्षी नहीं रही। कबीर का व्यक्तित्व किसी सत्ता, सीमा,धर्म की परिधि में नहीं रहा। वहीं गोरखनाथ का भी। पूर्वांचल भारत के पूर्वी हिस्से में नहीं है इसलिये इसे भोजपुर ही कहना उचित है। अध्यक्ष हिंदी

विभाग रामजी सहाय पीजी कालेज, रुद्रपुर प्रो0 संतोष यादव ने अपील किया कि भोजपुरी के अतीत, वर्तमान, भविष्य को जानने और समझने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि वीरेंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि अंशु माली द्विवेदी ने कहा कि भोजपुरी का फलक व्यापक है। इसकी पहचान अलग है। मंच के संयोजक नरसिंह ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि मातृ भाषा, लिपी, साहित्य, संस्कृति व परम्परा हमारी धरोहर है। यह भावी पीढ़ी का मार्ग दर्शन करती है। इसकी पवित्रता बनाये रखना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। आभार व्यक्त करते हुए मार्ग दर्शक मण्डल के सदस्य रमेश तिवारी ने आह्वान किया कि भोजपुरी भाषा की पहचान स्थापित करने के लिए हमें संगठित होने की जरूरत है। अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य कै0 वीरेंद्र सिंह ने किया। संचालन राजेश कुमार सिंह ने किया। संगोष्ठी में प्रकृति सिंह, डॉ राजेश सिंह, डॉ रीतेश कुमार, डॉ निगम मौर्या, प्रधानाचार्य उमेश कुमार उपाध्याय, भोजपुरी कवि दिनेश तिवारी, डॉ0 संजय सिंह आदि को भोजपुरी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। मंगला आर्या, कम्मि कुमारी, प्रिया गिरी, सौरभ कुमार, सुनील मिश्र, सुप्रिया तिवारी, अतुल भारती, रवि शंकर पाठक आदि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा भोजपुरी की समृद्ध परंपरा का अवलोकन कराया। इस दौरान जयराम गुप्ता, सुशांत राव, आनन्द राव, राम दरश कुशवाहा, कृष्ण मोहन सिंह, विनोद शाही, अशोक सिंह, वकील राव, प्रकाशवेंद्र राव, हरेंद्र राव, दयाशंकर कुशवाहा, संजीव कुमार राव, हरिशंकर राव, श्रीप्रकाश राव, डा0 राजेन्द्र यादव, प्रेम प्रकाश मणि तिवारी, बलराम सिंह, ओमप्रकाश सिंह, रामधनी आदि मौजूद रहे।

चीटिंग छोटी हो या बड़ी जाएं कंज्यूमर कोर्ट

देश में प्रतिवर्ष 24 दिसंबर को उपभोक्ता हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीदारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीदारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को ह्यउपभोक्ता संरक्षण कानून-2019ह्ल (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्व अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसंबर, 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसंबर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हजार्ना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया। ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें।

मानवीय मूल्यों के वाहक बनेंगे रामलला

ANALYSIS

गिरजा शंकर

श्रीराम जन्मभूमि के संबंध में पांच अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय एक समिधा के समान यज्ञ की पूणार्हुति में सहायक बना है। मूल गर्भगृह में विराजमान होने के बाद विश्व के सभी आस्थावान अयोध्या आकर प्रभु श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेंगे। अपने संस्कारों को सुदृढ़ करेंगे एवं संस्कारों के बल पर मानवीय मूल्यों के संरक्षक एवं वाहक बनेंगे। प्रभु श्रीराम एवं प्रभु श्रीराम का मंदिर इसकी प्रेरणा युगों-युगों तक देता रहेगा, मंदिर निर्माण आंदोलन में सहायक सभी ज्ञात-अज्ञात लोगों का पुण्य स्मरण। देश के करोड़ों लोगों को संस्कारों का व्यवहार एवं संस्कृति का स्वरूप जिन महापुरुषों में साक्षात दिखाई देता है उनमें भगवान राम सर्वोपरि हैं। भगवान राम विश्वभर में फैले करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र बिंदु हैं। देश के सभी तीर्थ स्थानों की मिट्टी एवं सभी नदियों का पवित्र जल मंदिर निर्माण के लिए पूजन में उपयोग होना देश की एकात्मता का प्रत्यक्ष प्रकटीकरण है। सभी संप्रदायों के धर्म गुरुओं का आशीर्वाद, सामाजिक एवं आर्थिक हस्तियों की उपस्थिति देश की एकात्मता व सामाजिक सद्भाव की अनूठी मिसाल होगी। आज देश-दुनिया के सम्मुख जो समस्याएं दीवार की तरह खड़ी हैं, उन सबका समाधान प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र में दिखाई देता है।

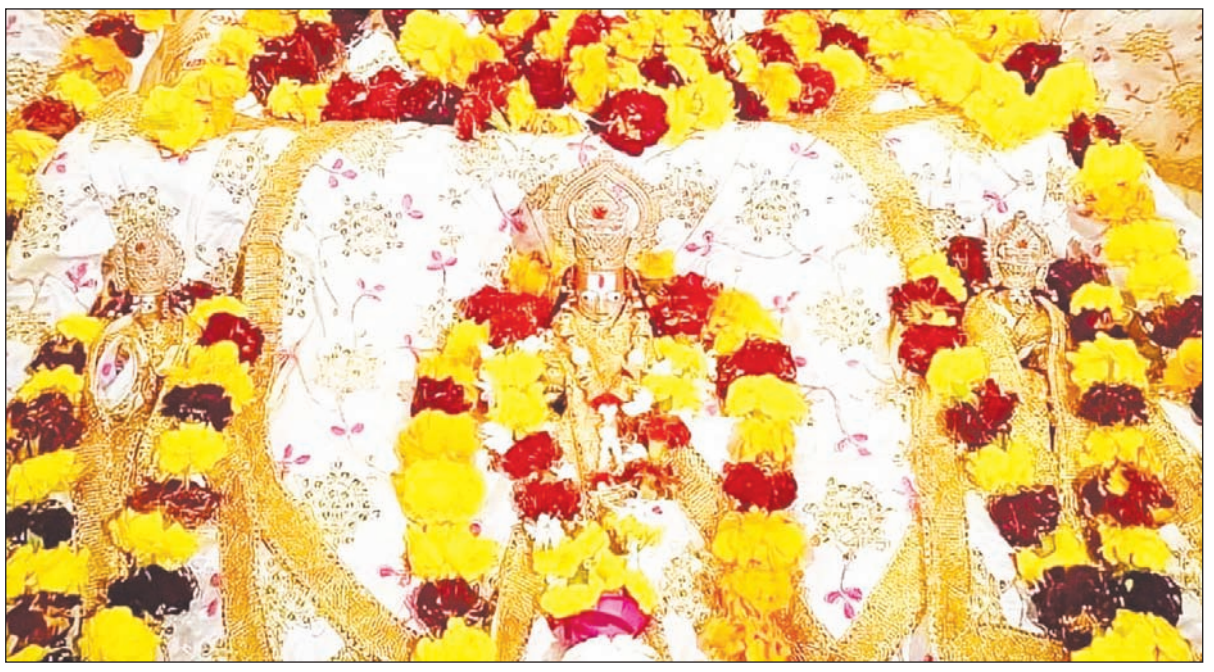

तीन दिन और फिर इंतजार खत्म! अगले माह भारत सहित विश्वभर के करोड़ों राम भक्तों का एक चिरकालीन सपना साकार होने जा रहा है। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या नगरी में एक बार फिर दीपोत्सव के साथ भव्य राम मंदिर में भगवान रामलला के दर्शन होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साधु-संतों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में मंदिर को लोकार्पित करेंगे, जो श्रीराम मंदिर निर्माण के इस चरण तक पहुंचने के पीछे की 500 वर्ष की संघर्ष गाथा उकेरेगी। श्रीराम जन्मभूमि के संबंध में पांच अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय एक समिधा के समान यज्ञ की पूणार्हुति में सहायक बना है। मूल गर्भगृह में विराजमान होने के बाद विश्व के सभी आस्थावान अयोध्या आकर प्रभु श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेंगे। अपने संस्कारों को सुदृढ़ करेंगे एवं संस्कारों के बल पर मानवीय मूल्यों के संरक्षक एवं वाहक बनेंगे। प्रभु श्रीराम एवं प्रभु श्रीराम का मंदिर इसकी प्रेरणा युगों-युगों तक देता रहेगा, मंदिर निर्माण आंदोलन में सहायक सभी ज्ञात-अज्ञात लोगों का पुण्य स्मरण। देश के करोड़ों लोगों को संस्कारों का व्यवहार एवं संस्कृति का स्वरूप जिन महापुरुषों में साक्षात दिखाई देता है उनमें भगवान राम सर्वोपरि हैं। भगवान राम विश्वभर में फैले करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र बिंदु हैं। देश के सभी तीर्थ स्थानों की मिट्टी एवं सभी नदियों का पवित्र जल मंदिर निर्माण के लिए पूजन में उपयोग होना देश की एकात्मता का प्रत्यक्ष प्रकटीकरण है। सभी संप्रदायों के धर्म गुरुओं का आशीर्वाद, सामाजिक एवं आर्थिक हस्तियों की उपस्थिति देश की एकात्मता व सामाजिक सद्भाव की अनूठी मिसाल होगी। आज देश-दुनिया के सम्मुख जो समस्याएं दीवार की तरह खड़ी हैं, उन सबका समाधान प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र में दिखाई देता है। महिला सशक्तीकरण अभियान के माध्यम से जो संदेश हम समाज को देना चाहते हैं, राम का रावण के साथ युद्ध उसका प्रत्यक्ष व्यवहार है। माता सीता के वन गमन के समय स्वयं राजमहल में रहकर भी वन के समान जीवन जीना यह स्त्री के प्रति उनके आदर भाव को प्रकट करता है। समाज में जो शक्तियां सवर्ण-दलित, शहरवासी, वनवासी (जनजाति), संपन्न-गरीब की खाई को बढ़ाकर संघर्ष उत्पन्न करना चाहती हैं, उनके लिए राम का महाराज निषाद एवं माता शबरी के जूठे बेर खाना, सटीक उत्तर है। वन में उनका व्यवहार एवं पेड़-पौधे, जीव-जंतु आदि के प्रति प्रेम पर्यावरण व जैव विविधता के प्रति उनकी दृष्टि प्रकट करता है। मानवता के शत्रु राक्षसों का वध करके आतंक का उन्मूलन तो उन्होंने करके ही दिखाया है। उनका सारा जीवन इसी की प्रेरणा है। पिता-पुत्र, भाई-भाई, शिक्षक, पत्नी आदि के प्रति उनका व्यवहार मानवीय मूल्यों की पराकाष्ठा है। इस कारण राम मंदिर का निर्माण एक पूजा स्थान मात्र नहीं, बल्कि सामाजिक विघटन के इस वातावरण में मानवता को आदर्श व्यवहार का संदेश भी देगा। लोक कल्याण का विचार लेकर ऋषियों के तप के परिणाम स्वरूप जिस राष्ट्र का निर्माण हुआ, वह भारत राष्ट्र ही है। जीवन जीने की शैली जिसमें संपूर्ण विश्व का कल्याण निहित है, वह इस राष्ट्र में विकसित हुई। मानव का मानव के प्रति, प्रकृति एवं सृष्टि में व्याप्त चराचर जीव-जगत के प्रति हमारा व्यवहार कैसा हो, यह संस्कार संपूर्ण विश्व को इस धरा ने ही दिया है। शरणार्थी की सहायता एवं संकट में सहयोग, यहां का संस्कार है। इस देश में जन्मी ऋषि परंपरा, देवी-देवताओं की वाणी, महापुरुषों एवं राजा-महाराजाओं ने अपने व्यवहार से इस संस्कार को अपने जीवन में साकार रूप दिया। लंबी परंपरा से विकसित यह संस्कार ही हमारी थाती बन गए हैं, जो हमारी संस्कृति के रूप में प्रकट होते हैं। देश के करोड़ों लोगों को इन संस्कारों का व्यवहार एवं संस्कृति स्वरूप जिन महापुरुषों में साक्षात दिखाई देता है उनमें भगवान राम का नाम सर्वोपरि है। इस कारण भगवान राम विश्व भर में फैले करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र बिंदु हैं। आस्था के कारण ही करोड़ों लोगों का समाज मंदिर आंदोलन से जुड़ा, जिसने अब साकार रूप ले लिया है। प्रभु श्रीराम के जन्म स्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण हिंदू समाज की चिर आकांक्षा थी, जो अब पूर्णता की ओर है। इस आकांक्षा की पूर्ति के लिए लगभग 500 से अधिक वर्षों से हिंदू समाज संघर्षरत था। असंख्य बलिदान अब तक हो चुके हैं। मुक्ति का यह संघर्ष साधु-संत, राजा-महाराजाओं आदि के नेतृत्व में चला। इस आंदोलन में निर्णायक मोड़ तब आया, जब 1983 में विश्व हिंदू परिषद ने आंदोलन अपने हाथों में लिया। स्व. अशोक सिंघल के साहसी एवं यशस्वी नेतृत्व के कारण आंदोलन देशव्यापी बना। रथयात्रा, शिला पूजन, चरण पादुका यात्रा, कार सेवा आदि कार्यक्रम आंदोलन को गति देने वाले निर्णायक चरण थे। भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी की यात्रा से संपूर्ण देश का जनमानस आंदोलन के साथ जुड़ गया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक स्व. मोरोपंत पिंगले, गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ, स्वामी वामदेव एवं स्वामी सत्यमित्रानंद सरीखे अनेक महापुरुष जिनका आंदोलन को गति देने में उल्लेखनीय योगदान है, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। मंदिर निर्माण का यह आंदोलन विश्व के लिए एक शोध का विषय रहेगा। समाज की आकांक्षा पूर्ति के लिए 500 वर्षों तक चलने वाला यह अनूठा जनआंदोलन है।

लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

जन गण मन के महानायक हैं वाजपेयी

अटल जी का नाम सारी दुनिया के प्रमुख नेताओं में वरिष्ठ है। वे भारतीय जन गण मन के महानायक हैं। उनकी स्मृति बार-बार आती है। उनका पूरा व्यक्तित्व एक छंद और भावप्रवण काव्य था। विधाता ने उन्हें पूरे जतन से गढ़ा था। प्रकृति ने अपना सारा मधुरस उड़ेल दिया था उनके व्यक्तित्व में। वे सरस थे। तरल थे। सरल थे। विरल थे और विश्वमोहन। आज (रविवार) उनकी जन्म तिथि की पूर्व संध्या है। राष्ट्र उनका स्मरण कर रहा है। हमारे जैसे कार्यकर्ता उनकी छाया में पले। स्वाभाविक है उनका स्मरण। वैसे स्मरण उनका होता है, जिनका विस्मरण हो जाता है। अटल जी की स्मृति प्रतिपल जीवंत रहती है। वे भारतीय सार्वजनिक जीवन के शिखर शलाका पुरुष थे। वे भारतीय लोकतंत्र की दिव्यता हैं और राजनैतिक जीवन के मयार्दा पुरुष। इतिहास ने उन्हें पूरी आत्मीयता के साथ अपने अन्तःस्थल में स्थापित किया है। इतिहास निर्मम और निष्पक्ष होता है। वह अपने पराए में भेद नहीं करता। वह अनायास ही किसी को महानायक नहीं बनाता। लोकमत भी इतिहास की तरह निर्मम होता है। इसलिए विश्व इतिहास के प्रतिष्ठित महानायक भी संपूर्ण लोकमन की प्रशंसा नहीं पा सके। लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी अद्वितीय हैं। उन्होंने राष्ट्र के संपूर्ण जनगणमन का प्यार पाया। वे परिपूर्ण राष्ट्रवादी थे। वैचारिक प्रतिबद्धता में अटल थे और राष्ट्रवाद का संदेश लेकर सतत गतिशील विहारी थे। उनके विरोधी भी उनके प्रशंसक थे। वे भारतीय राजनीति के अद्वितीय महानायक थे। तमाम असंभवों का संगम थे। वे सरस भावप्रवण कवि हृदय थे और कवि थे। राजनीति के भावविहीन क्षेत्र में भी सबके प्रिय अग्रणी राजनेता। इस सदी के महानतम नेता। वे सबके प्रति आत्मीय थे। विपरीत ध्रुवों से भी समन्वय की साधना बेजोड़ थी। वे सर्वप्रिय धीरोदात्त महानायक थे। राजनीति में विपरीत ध्रुवों का समन्वय आसान नहीं होता। 1975 में आपत्काल था। देश कारागार में बदल गया था। संविधान कुचल दिया गया था। हजारों राजनैतिक सामाजिक कार्यकर्ता जेल भेजे गए थे। अटल जी ने गैरकांग्रेसी दलों से समन्वय बनाया। तमाम गैर कांग्रेसी दल साझा मंच में आए। अटल जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे। उन्होंने मिलकर चुनाव लड़ने के लिए गैरकांग्रेसी दलों को सहमत किया। 1977 के आम चुनाव में जनता पार्टी जीती। सरकार भी बनी। वे विदेश मंत्री बने। दिल्ली में भारतीय जनसंघ का अधिवेशन हुआ। अटल जी ने जनसंघ के विसर्जन का प्रस्ताव रखा। वे पं. दीनदयाल उपाध्याय का नाम लेकर रोने लगे। जनसंघ की विकास यात्रा में उपाध्याय, अटल जी आदि अनेक नेताओं कार्यकताओं ने अपना श्रम तप लगाया था। जनसंघ का विसर्जन भावुक क्षण था। इन पंक्तियों का लेखक भी इस भावुक प्रवाह का हिस्सा था। जनसंघ का विसर्जन हुआ। अब सब जनता पार्टी के हिस्से थे। कुछ समय बाद जनता पार्टी में कलह हुई। जनसंघ घटक के सदस्यों पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नाम पर दोहरी सदस्यता का आरोप लगा। अटल जी ने उत्तर प्रदेश की एक जनसभा में चुटकी ली ह्लउन्होंने पहले प्यार किया, सम्बंध बनाये। सम्बन्धों का लाभ उठाया और अब हमसे हमारा गोत्र वंश पूछते हैं ह्ल बात नहीं बनी। जनसंघ घटक अलग हो गया। अटल के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी बनी। अटल जी के नेतृत्व का सम्मोहन बढ़ता गया।

अटल जैसी वक्तव्य कला दुर्लभ। शब्द उनके आज्ञापालक थे। उनका शब्द चयन और प्रयोग अद्भुत था। मनमोहन प्रभाव था उनके भाषण में। वे नेता प्रतिपक्ष बने। प्रधानमंत्री बने। विपक्षी नेता के रूप में उन्होंने विषय प्रतिपादन का नया रिकार्ड बनाया। संसद उन्हें पूरे मनोयोग से सुनती थी जब वे विपक्ष में थे तब नरसिंहाराव तत्कालीन प्रधानमंत्री ने उन्हें विदेशी प्रतिनिधिमण्डल का नेता बनाया। यह भी एक विशेष अवसर था। उन्होंने देश के बाहर भारतीय जनतंत्र की प्रतिष्ठा बढ़ाई, ह्लउन्होंने कहा कि वे भारत में विरोधी दल के नेता हैं लेकिन देश के बाहर भारत के प्रतिनिधि ह्ल उनके विचार मननीय हैं। उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को राष्ट्रीय भावना की अभिव्यक्ति बताया। हिन्दू और हिन्दुत्व को भारत की जीवनशैली बताया। उनकी कविता ह्यतन मन हिन्दू मेरा परिचयह्ल खासी चर्चा में रहती है। उन्होंने राजनीति में भारतीय संस्कृति का प्रवाह पैदा किया। जो कहा, सीना ठोककर कहा। लोग तिलमिलाए। ऐसे लोगों ने जनसंघ पर साम्प्रदायिकता का आरोप लगाया। अटल जी ने संसद में साम्प्रदायिकता की परिभाषा करने की मांग भी की। सब चुप हो गए। अटल जी पत्रकार, साहित्यकार थे। लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रधर्म पत्रिका के सम्पादक रहे थे। पत्रिका के सम्पादक मण्डल ने भारतीय जनसंघ व भारतीय जनता पार्टी पर विशेषांक प्रकाशित करने का निर्णय लिया। सम्पादक मण्डल ने मुझे दोनों विशेषांकों का अतिथि सम्पादक बनाया। इसका विमोचन दिल्ली भाजपा कार्यालय में अटल जी व आडवाणी जी ने किया था। विमोचन के पहले अटल जी ने दोनों अंक देखने के लिए मांगे। मैंने पत्रिका के प्रबंधक पवन पुत्र बादल के साथ अटल जी को दोनों अंक दिखाए। विशेषांकों के आलेख व चित्र संयोजन देखकर वे भावुक हुए। उन्होंने इस अनुष्ठान की प्रशंसा की। मुझे बधाई भी दी। इस तरह वे अपने सहयोगियों को लिखने पढ़ने की प्रेरणा देते थे। अटल जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन बना। क्षेत्रीय दलों को राष्ट्रीय आकांक्षा और राष्ट्रीय दलों को क्षेत्रीय कठिनाइयां समझने का अवसर मिला। विश्व परिवार ने अटल जी के नेतृत्व का सम्मान किया। लेकिन अन्तर्राष्ट्रीय बिरादरी परमाणु परीक्षण से सहमत नहीं थी। अटल जी यह बात जानते थे। इसके कारण संभावित आर्थिक प्रतिबंधों से भी वे अवगत थे। लेकिन उन्होंने परमाणु परीक्षण का निर्णय लिया।

Social Media Corner

सच के हक में...

युवाओं के सर्वांगीण विकास व उनके जीवन में अनुशासन लाने में खेलों का उल्लेखनीय महत्व है। 'खेलो गाँधीनगर' खिलाड़ियों को प्रतिभा प्रदर्शन का उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगा। आज सांसद खेल-कूद स्पर्धा का उद्घाटन करूंगा। 1 महीने से अधिक चलने वाली इस खेल प्रतियोगिता में 39 खेलों में लगभग 1.75 लाख खिलाड़ी भाग लेंगे। जुड़ेगा गांधीनगर, जीतेगा गांधीनगर।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

सुना है हेमंत जी, होटवार जेल में ईडी के केश में बंद आपके कमाउ चेलों को युवा संताल आदिवासी नये जेल सुपरिटेनडेन्ट राबर्ट बेसरा की सख़्ती पच नहीं रही है। पहले की तरह यह सुपरिडेंट प्रेम की लीला के मायाजाल में फँस नहीं रहा और इतना टाईट कर दिया है कि ह्लसरकारी मेहमानोंह्ल को जेल में दिन में ही तारे दिखाई दे रहे हैं। हम आपको सावधान रहने की बिन मॉगी सलाह दे रहे हैं। चेलों के दबाव में राबर्ट बेसरा को दूसरे जगह भेजवा कर उनकी जगह किसी सिंह जी को लाने की षड्यंत्रकारी योजना बन रही है ताकि आपके चेले पहले की तरह जेल से ही सरकार का नियंत्रण करते रहें और ईडी के गवाहों को होस्टाइल कराते रहें। जेल आईजी से भी चेलों को मदद नहीं मिल रही। सो उनकी भी विदाई का वातावरण जेल से ही बनाने का प्रयास कर रहे हैं आपके मनी मेकर चेले। अगर संताल समाज का कोई युवा अफसर कानून सम्मत बढ़िया काम कर रहा है तो आपको तो उसे शाबाशी देनी चाहिए। ध्यान रहे पब्लिक आपके ये सब गलत काम देख, सुन, समझ रही है। इसलिये अपने चेलों के षड्यंत्र का शिकार बनने की गलती फिर से करके एक नया मुसीबत मोल मत लीजिएगा। आगे आपकी मर्जी।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

दोस्तो... 'अर्थराइज' फकत तस्वीर भर नहीं है!

हर साल 24 दिसंबर को अर्थराइज की सालगिरह मनाई जाती है। इस वर्ष इसकी 55वीं वर्षगांठ है। दिमाग में यह सवाल कौंधना लाजिमी है कि आखिर कौन है अर्थराइज? जवाब है- अर्थराइज एक फोटो है। चौंकिए नहीं। यह सौ आना सच है। मगर यह फोटो खास है। इसलिए इसकी 1968 से लगातार वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह फोटो अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के साथ-साथ समूची मनुष्यता के लिए भी खास है। यह महज एक फोटो नहीं है। इसे बिला शक मानव संस्कृति के इतिहास की सबसे गहरी छवियों में से एक कहा जा सकता है। अंतरिक्ष यात्री विलियम एंडर्स की चांद की कक्षा में खींची की गई यह तस्वीर भविष्यगामी है। यह बहुत कुछ बोलती है। अंधेरे स्थान में चंद्रमा के ऊपर झांकते हुए एक नाजुक नीले गोले की यह तस्वीर अंतरिक्ष में मनुष्य की जगह के बारे में धारणा को बदलने के साथ दुनिया भर में पर्यावरण जागरुकता को बढ़ावा देती है। यही वह फोटो है, जिसने इनसान को पहली बार अपने ग्रह को बड़ी दूरी से देखने का मौका दिया। यह कितना विस्मयकारी है कि अंतरिक्ष के अंधेरे से घिरी जीवंत पृथ्वी तब के सीमित संसाधनों के साथ नाजुक और कमजोर नजर आती है। सचमुच यह सोचना विहंगम और किसी कौतूहल से कम नहीं। अंतरिक्ष की काली पृष्ठभूमि में नीली पृथ्वी कितनी छोटी दिखती है। सहसा यकीन करना मुश्किल हो जाता है। इसे अग्रभूमि में बंजर चंद्रमा के दृश्य के साथ देखना सचमुच हृदय में विशालता की भावना का विस्तार करता है। दरअसल दुनिया अरबों आकाशगंगाओं के बीच सामान्य तारे की तरह परिक्रमा कर रही है। यह छवि यानी अर्थराइज साबित करती है कि इस चराचर जगत में सबका महत्व है। महत्वहीन कुछ भी नहीं है। बेशक पृथ्वी, हमारे लिए इसलिए विशेष है क्योंकि हम उस पर रहते हैं। वरना है तो वह भी ग्रह। विद्वान कहते हैं कि पृथ्वी का जन्म मानवीय अवधारणा की असाधारण क्षमताओं का सबसे बड़ा प्रमाण है। 1968 की इस सुखद अपनी तस्वीर में एंडर्स चांद पर पृथ्वी के प्रतिनिधि के रूप में मौजूद हैं। एंडर्स ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि यह छवि हजारों वर्षों से चंद्रमा के प्रति व्याप्त मानवीय दृष्टिकोण को बदल देगी। वरना हम भारतीयों के घरों की दादी-नानी यही लोरी सुनाती आई हैं...चंदा मामा दूर के, पुये पकाएं चूर के...। हम इस लोरी को सुनते-सुनते सोते रहे हैं। 1966 में इंसानी तंद्रा तब टूटती है जब नासा के लूनर ऑर्बिटर अपने कैमरे को चंद्रमा की सतह के एक टुकड़े पर घुमाते हैं। नासा की चंद्रमा पर चढ़ाई की प्रारंभिक शृंखला बेमिसाल है। इससे पहले किसी के पास चंद्रमा की छवि नहीं थी। इसलिए अर्थराइज विशेष है। चंद्रमा को अंतरिक्ष यात्रियों ने सीधे देखा भी और कैमरे में कैद भी किया गया। प्रौद्योगिकी और इनसानी दिमाग के मिश्रण से बनी अर्थराइज रूपी छवि अब अंतरिक्ष के और भी मिथक तोड़ने के लिए तैयार है। अर्थराइज ने मौसम विज्ञान के बारे में प्रचलित धारणाओं को बदल दिया है। अब हम पृथ्वी की हलचल पर आधारित मौसम भविष्यवाणियों पर ही निर्भर नहीं हैं। इनमें अंतरिक्ष से प्राप्त होने वाली छवियां भी शामिल होकर इनको सटीकता में बदल रही हैं। उपग्रह के सूचना संसार ने क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। अब हम मौसम की घटनाओं के दीर्घकालिक बदलाव की तह तक जाने की दिशा में अग्रसर हैं। ...और चांद पर घर बनाने की संकल्पना आकार ले रही है।

दो नुकसान

द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के वरिष्ठ पदाधिकारी के. पोनमुडी को भ्रष्टाचार का दोषी ठहराए जाने की वजह से तमिलनाडु मंत्रिमंडल में अपने पद से हाथ धोना पड़ा है। यह इस बात की एक दुर्लभ मिसाल है कि एक कार्यरत मंत्री को ऐसे समय भ्रष्टाचार का दोषी पाया गया है जब उनकी अपनी पार्टी सत्ता में है। दागी लोक सेवकों को दंडित करने और उन्हें उनके पद से हटा देने वाले किसी भी फैसले को हितकारी माना जाना चाहिए। श्री पोनमुडी के मामले में, सुप्रीम कोर्ट में उनकी अपेक्षित अपील के नतीजे का इंतजार करना होगा। इस अपील में सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना है कि निचली अदालत द्वारा उन्हें बरी करने या मद्रास हाईकोर्ट द्वारा निचली अदालत के निर्णय को पलट देने के फैसलों में से किसे बरकरार रखा जाए। फिलहाल, श्री पोनमुडी और उनकी पत्नी को 1.72 करोड़ रुपये की बिना लेखा-जोखा वाली संपत्ति रखने के जुर्म में तीन साल की जेल की सजा दी गई है और उनपर 50 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। इस सजा को 30 दिनों के लिए निलंबित रखा गया है। यह मामला 2006-2011 में द्रमुक सरकार में उनके कार्यकाल के दौरान का है और इसकी जांच एवं इस संबंध में मुकदमा अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के शासनकाल में दायर किया गया था। श्री पोनमुडी प्रवर्तन निदेशालय की जांच के घेरे में भी हैं। प्रवर्तन निदेशालय उनके खिलाफ अपने बेटे और रिश्तेदारों को लाल रेत के खनन के लिए अवैध लाइसेंस देने के आरोप के धन-शोधन वाले पहलू की जांच कर रहा है। वह वी. सेंथिल बालाजी के बाद अपना पद खोने वाले दूसरे मंत्री हैं। वी. सेंथिल बालाजी धन -शोधन के एक अन्य मामले में जेल में हैं। श्री पोनमुडी की अपील का एक प्रमुख पहलू यह होगा कि क्या हाईकोर्ट द्वारा निचली अदालत के इस फैसले को पलटना सही था कि श्री पोनमुडी और उनकी पत्नी पी. विशालक्षी को एक-दूसरे से अलग स्वतंत्र करदाता के रूप में माना जाना चाहिए तथा सतर्कता विभाग के जांचकताओं ने उनकी संयुक्त आमदनी एवं खर्च उनके नाम पर मौजूद कुल संपत्ति का लगभग 65 फीसदी नहीं होने के तथ्य को दशार्ने के चक्कर में उन दोनों की आय को जोड़ने की गलती की है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से तीन कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 70,312.7 करोड़ बढ़ा

- प्रमुख 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस ने सबसे मूल्यवान कंपनी का स्थान बरकरार रखा

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच बीते सप्ताह देश की 10 प्रमुख कंपनियों में से तीन का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 70,312.7 करोड़ रुपए बढ़ गया, जिनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे रही। पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर मुनाफे की स्थिति में रहीं। हालांकि प्रमुख 10 कंपनियों में शामिल टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, भारती एयरटेल और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को नुकसान का सामना करना पड़ा। इन सात कंपनियों का संयुक्त रूप से घाटा 68,783.2 करोड़ रुपए रहा। हालांकि देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन इस अवधि में 47,021.59 करोड़ रुपए बढ़कर 17,35,194.85 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 12,241.37 करोड़ रुपएबढ़कर 6,05,043.25 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 11,049.74 करोड़ रुपएबढ़कर 12,68,143.20 करोड़ रुपएहो गया। वहीं आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 30,235.29 करोड़ रुपए घटकर 6,97,095.53 करोड़ रुपए, टीसीएस का मूल्यांकन 12,715.21 करोड़ रुपएघटकर 13,99,696.92 करोड़ रुपए, एसबीआई का मूल्यांकन 10,486.42 करोड़ रुपए घटकर 5,68,185.42 करोड़ रुपए, इन्फोसिस का पूंजीकरण 7,159.5 करोड़ रुपए घटकर 6,48,298.04 करोड़ रुपए, आईटीसी का मूल्यांकन 3,991.36 करोड़ रुपए घटकर 5,67,645.03 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल का मूल्यांकन 2,108.17 करोड़ रुपए घटकर 5,56,134.58 करोड़ रुपए और एलआईसी का 2,087.25 करोड़ रुपए घटकर 5,01,635.57 करोड़ रुपए रह गया।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में गिरावट रही

- बिनौला तेल की कीमतों में सुधार देखा गया

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में शनिवार को सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तेल की थोक कीमतों में गिरावट आई जबकि बिनौला तेल में मामूली सुधार आया। मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन के भाव पहले के स्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बिनौला तेल कीमतों में मामूली सुधार देखा गया। मूंगफली का विकल्प माने जाने वाले बिनौला तेल का भाव का अंतर मूंगफली तेल से काफी बढ़ गया है। मूंगफली तेल का भाव लगभग 157 रुपए किलो है और बिनौला तेल का भाव 82.50 रुपए किलो है लेकिन आयातित सूरजमुखी तेल का भाव लगभग 82 रुपए किलो है। ऐसे में सूरजमुखी तेल के रहते बिनौला तेल के खपने की दिक्कत रहेगी। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,295-5,345 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,725-6,800 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,700 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,345-2,620 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,750 रुपएप्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,665 -1,760 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,665 -1,765 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 9,650 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,500 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 7,925 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स कांडला 7,600 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 8,250 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 8,900 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 8,050 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,945-4,995 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,745-4,795 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,050 रुपए प्रति क्विंटल।

ओला इलेक्ट्रिक धन जुटाने आईपीओ ला रही

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक अब धन जुटाने के लिए सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का सहारा लेगी। ओला इलेक्ट्रिक ने इसी के तहत बाजार नियामक (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज जमा कराए हैं। यह दो दशक में पहली बार है जब कोई वाहन निर्माता आईपीओ लाने जा रहा है। वहीं सेबी में दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 5,500 करोड़ रुपए तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और 9,51,91,195 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल होगी।

इस आईपीओ से होने वाली आय का उपयोग अनुषंगी कंपनी द्वारा किए जाने वाले पूंजीगत व्यय, ओला गीगाफैक्टरी परियोजना के लिए ओसीटी, सहायक ओईटी द्वारा ऋण का भुगतान, अनुसंधान और उत्पाद विकास में निवेश, जैविक वृद्धि पहल और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

5500 हज़ार करोड़ रुपये के इश्यू जारी करेगी ओला

पूंजी बाजार में उतरने के लिए आईपीओ लाने वाली ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी देश की पहली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी बनने जा रही है। इस संबंध में कंपनी ने सेबी में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर औपचो रिकता पूरी कर ली हैं। कंपनी ने 5500 हज़ार करोड़ रुपये के नए इश्यू जारी करने का फ़ैसला किया है जबकि 9.52 करोड़ रुपये के ऑफ़र फ़ॉर सेल जारी किए जाएंगे। ओला के आईपीओ के बारे में लिखा कि पिछले 20 साल के दौरान आईपीओ लाने वाली ओला पहली ऑटोमोबाइल कंपनी बन गई है। साल 2003 में मारुति उद्योग अपना आईपीओ लेकर आई थी। कोटक महिंद्रा कैपिटल की ओर से कंपनी के आईपीओ के लिए जारी पेपर में कहा गया है कि आईपीओ के ज़रिये जुटाई गई पूंजी से ओला इलेक्ट्रिक व्हीकल के इलेक्ट्रिक सेल के प्लांट का विस्तार किया जाएगा, बाकी पैसे का इस्तेमाल पुराने कर्ज़ के भुगतान में किया जाएगा।

कुछ पूंजी का इस्तेमाल इसकी एक सब्सिडियरी के कर्ज़ के भुगतान और आरएंडडी में किया जाएगा। आईपीओ के ज़रिये प्रमोटर अग्रवाल और इंडस ट्रस्ट, सॉफ्ट बैंक, मैट्रिक्स पार्टनर्स और टाइगर ग्लोबल अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। ओला के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल आईपीओ में अपनी 4.74 करोड़ शेयर बेचेंगे।

हवाई क्षेत्र के लचीले उपयोग से एयरलाइन को सालाना 1,000 करोड़ बचेंगे: सरकार

नई दिल्ली ।

हवाई क्षेत्र के लचीले उपयोग से एयरलाइंस को सालाना 1,000 करोड़ रुपए की बचत होगी। इससे उड़ान के समय, ईंधन के उपयोग और कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिलती है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हाल ही में जारी विमानन क्षेत्र की समीक्षा में यह भी कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस साल 18 दिसंबर तक रिकॉर्ड 1,562 वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि हवाई अड्डों पर भीड़भाड़ की समस्या के समाधान के लिए कई यात्री संपर्क बिंदुओं पर क्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न हवाई अड्डों पर उपलब्ध टर्मिनल बुनियादी ढांचों को दोबारा बनाकर अतिरिक्त जगह बनाई गई है। इस बीच, मंत्रालय ने कहा कि पहले लगभग 40 प्रतिशत हवाई क्षेत्र नागरिक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं था, जिससे विमान अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबे मार्गों को अपनाते थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय वायु सेना राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र के 30 प्रतिशत हिस्से को नियंत्रित करती है। इसमें से 30 प्रतिशत को हवाई क्षेत्र के लचीले उपयोग के तहत ऊपरी हवाई क्षेत्र के रूप में जारी किया गया है। आत्मनिर्भर भारत के हिस्से के रूप में भारतीय वायुसेना नागरिक उपयोग के लिए हवाई क्षेत्र के इन हिस्सों को छोड़ने पर सहमत हो गई है, साथ ही 129 सशर्त मार्गों की घोषणा की गई है। बयान में कहा गया` कि इससे उड़ान के समय, ईंधन की महत्वपूर्ण बचत होगी और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

एफपीआई ने इस महीने अब तक 57,300 करोड़ का निवेश किया

- एफपीआई ने अक्टूबर में 9,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था

मुंबई । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने राजनीतिक स्थिरता की संभावनाओं को देखते हुए इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 57,300 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। इसके पीछे भारत की आर्थिक वृद्धि में मजबूती दर्शाने वाले आंकड़ों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार गिरावट होने की भी अहम भूमिका रही है। इस सकारात्मक धारणा के बीच इस साल भारतीय बाजार में एफपीआई का कुल निवेश 1.62 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। बाजार` विशेषज्ञों ने कहा कि नए साल में अमेरिकी ब्याज दरों में कमी आने की उम्मीद है और ऐसे में एफपीआई वर्ष 2024 में भारतीय बाजार में अपनी खरीदारी बढ़ा सकते हैं। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने अब तक भारतीय इक्विटी बाजार में 57,313 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। यह एक साल में उनका एक महीने में सबसे अधिक निवेश है। इसके पहले एफपीआई ने अक्टूबर में 9,000 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। हालांकि डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि विदेशी निवेशकों ने अगस्त और सितंबर के महीनों में 39,300 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। भारतीय बाजारों में एफपीआई के मजबूत प्रवाह के लिए कई कारकों को जिम्मेदार माना जा सकता है। बाजार` विशेषज्ञों ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता का माहौल और भारतीय बाजारों में व्याप्त सकारात्मक धारणा की इसमें अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि देश की स्थिर और मजबूत अर्थव्यवस्था, कंपनियों की आमदनी में असरदार बढ़ोतरी और लगातार कई कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) ने विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आकर्षित किया है।

अल्फा अल्टरनेटिव्स को दिलीप बिल्डकॉन में 10 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अल्फा अल्टरनेटिव्स ग्रुप को दिलीप बिल्डकॉन में 10 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रतिस्पर्धा आयोग ने नोटिस में कहा कि लेनदेन के तहत अल्फा अल्टरनेटिव्स होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एएएचपीएल) और इसकी अन्य संस्थाएं वारंट अभिदान के माध्यम से दिलीप बिल्डकॉन में 9.99 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगी। इसके साथ सीसीआई ने एएएचपीएल को अपने संबद्ध इकाइयों के साथ डीबीएल के विशेष उद्देश्यीय इकाइयों (एसपीवी) में 26 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण और कुछ गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) में निवेश को मंजूरी दी है। विशेष उद्देश्यीय इकाई सड़क ढांचागत क्षेत्र में हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल (एचएएम) के तहत परियोजनाओं का परिचालन करती है। एएएचपीएल संपत्ति प्रबंधन कंपनी है। कंपनी अपने ग्राहकों की तरफ से पूंजी जुटाती है और निवेश करती है। उल्लेखनीय है कि इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कंपनी दिलीप बिल्डकॉन ने कहा कि वह अल्फा अल्टरनेटिव्स ग्रुप से 2,000 करोड़ रुपएतक जुटाने पर गौर कर रही है।

नए रंग-रूप में भारत पहुंचा एअर-इंडिया का पहला ए-350 विमान

नई दिल्ली । एअर इंडिया का पहला वाइड-बॉडी एयरबस ए350-900 विमान नए रंग रूप में भारत आ गया है। विमान ने फ्रांस के टूलूज से 01:30एएम सीईट भारतीय समयानुसार सुबह 6 बजे उड़ान भरी और लगभग दोपहर 1:47 बजे नई दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड किया। इस विमान को फ्रांस से भारत पहुंचने में 7 घंटे 47 मिनट का समय लगा। गौरतलब है` कि 4 महीने पहले 10 अगस्त को एयरलाइंस ने नया लोगो अनवील किया था। इसके बाद 1 महीने पहले 17 नवंबर को नए लोगो और नए लिवरी के साथ एयरबस ए350 ने सिंगापुर से टूलूज के लिए पहली उड़ान भरी थी। एयरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा था, भारत के मोस्ट अवेटेड एयरक्राफ्ट के आगमन की ओर एक और कदम।

मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम पर मौद्रिक नीति समिति की कड़ी नजर

मुंबई ।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। समिति द्वारा दिसंबर की बैठक के दौरान खाद्य कीमतों पर अनिश्चितता से उत्पन्न मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम पर ध्यान की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। बैठक के जारी विवरण के अनुसार, एमपीसी सदस्य शशांक भिडे ने खाद्य मुद्रास्फीति पर चिंता व्यक्त की जो छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मानसून के मौसम के दौरान प्रतिकूल वर्षा की स्थिति के प्रभाव के कारण कुछ मुख्य फसलों की पैदावार कम रहने की आशंका है जिसका असर खाद्य मुद्रास्फीति पर पड़ेगा। एमपीसी बैठक के विवरण में कहा गया है कि अल्पावधि में मुद्रास्फीति पैटर्न को प्रभावित करने वाले कारकों की एक श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए ओवरऑल मुद्रास्फीति 2023-24 की तीसरी और चौथी तिमाही में क्रमशः में 5.6 प्रतिशत और 5. 2 प्रतिशत तथा 2024-25 की पहली तिमाही में 5.2 प्रतिशत अनुमानित है। इसके बाद दूसरी तिमाही में इसके चार प्रतिशत और तीसरी तिमाही में 4.7 प्रतिशत रहने की संभावना है। खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों के कारण नवंबर में खुदरा मुद्रास्फीति 5।55 प्रतिशत बढ़ी, जो तीन महीने का उच्चतम स्तर है। आरबीआई के अधिकारी राजीव रंजन के अनुसार विकास के मोर्चे पर, अर्थव्यवस्था पूरी गति से चल रही है और मौद्रिक नीति इस उच्च विकास प्रक्षेपवक्र का समर्थन करने का सबसे अच्छा तरीका मूल्य स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखना है। एमपीसी में तीन आरबीआई सदस्य और तीन बाहरी सदस्य शामिल हैं। दिसंबर में लगातार पांचवीं बैठक में उसने रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया था।

इस सप्ताह शेयर बाजार सीमित दायरे में रह सकता है: विशेषज्ञ

- क्रिसमस की छुट्टियां होने से वैश्विक स्तर पर संकेतों की कमी रहेगी

मुंबई ।

घरेलू स्तर पर कोई भी प्रमुख उत्प्रेरक नहीं होने से छुट्टियों वाले इस सप्ताह में शेयर बाजार के सीमित दायरे में ही रहने की संभावना है। बाजार विशेषज्ञों ने यह बात कही है। विशेषज्ञों के मुताबिक गुरुवार को मासिक डेरिवेटिव सौदों की समाप्ति के बीच इस सप्ताह शेयर बाजार सूचकांकों को उतार-चढ़ाव रह सकता है। सोमवार को क्रिसमस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। इस सप्ताह क्रिसमस की छुट्टियां होने से वैश्विक स्तर पर संकेतों की कमी रहेगी। इससे घरेलू बाजार की गतिशीलता ही उद्योग क्षेत्रों और खास शेयरों में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करेगी। विशेषज्ञों ने कहा कि सीमित संकेतों के साथ दिसंबर वायदा एवं अनुबंध सौदों की समाप्ति बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति ला सकती है। हालांकि भारत के इक्विटी बाजार का मूल्यांकन ऊंचा है लेकिन केंद्र में स्थिर सरकार आने की संभावना से सेंसेक्स और निफ्टी अभी ऊंचाई पर बने रह सकते हैं। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी 10 साल के निचले स्तर पर होने से ऋण बाजार में विदेशी खरीदारी आ सकती है। बाजार कुछ समय से रिकॉर्ड बनाने की होड़ में लगे हुए थे। ऐसे में मुनाफावसूली के रूप में इस पर लगाम लगने की आशंका बनी हुई थी। यही कारण है कि लगातार सात हफ्तों की बढ़त के बाद सप्ताह का समापन गिरावट के साथ हुआ है। एक अन्य बाजार के जानकार ने कहाकि इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी शेयर बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी। क्रिसमस के साथ छुट्टियों का सिलसिला शुरू हो रहा है। ऐसे में हमें उम्मीद है कि इस सप्ताह विशिष्ट शेयरों पर जोर रहने के साथ बाजार सीमित दायरे में रहेंगे। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी शेयर बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी।

एआईके पाइप्स की आईपीओ के लिए 89 रुपए प्रति शेयर कीमत तय

नई दिल्ली । पाइप बनाने वाली कंपनी एआईके पाइप्स एंड पॉलीमर्स ने 26 दिसंबर को खुलने वाले अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 89 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया है। कंपनी ने रविवार को एक बयान में कहा कि 28 दिसंबर को बंद होने वाले इस निर्गम में 16.88 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। इस निर्गम से कंपनी को 15.02 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है। जयपुर स्थित एआईके पाइप्स ने कहा कि निर्गम के बाद उसके शेयरों को बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध किया जाएगा।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 421 परियोजनाओं की लागत में 4.40 लाख करोड़ का इजाफा

- निगरानी में रखी गई 1,831 परियोजनाओं की कुल लागत 25,10,577.59 करोड़ रुपए थी

नई दिल्ली । पिछले महीने नवंबर में 150 करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली 421 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत में 4.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई है। एक आधिकारिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की इस रिपोर्ट के मुताबिक उसकी निगरानी में शामिल 150 करोड़ रुपये और उससे अधिक निवेश की 1,831 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से 421 परियोजनाओं की लागत बढ़ गई है जबकि 845 परियोजनाएं देरी से चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक निगरानी में रखी गई 1,831 परियोजनाओं की कुल लागत 25,10,577.59 करोड़ रुपये थी लेकिन उनके पूरा होने की अनुमानित लागत 29,50,997.33 करोड़ रुपये हो गई। इस तरह कुल लागत में 4,40,419.74 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्शाती है। नवंबर, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 15,58,038.07 करोड़ रुपये का खर्च आया, जो परियोजनाओं की अनुमानित लागत का 52.80 प्रतिशत है। हालांकि इस रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि देरी की गणना समापन की नवीनतम अनुसूची के आधार पर की जाती है तो विलंबित परियोजनाओं की संख्या घटकर 629 हो जाती है। इसमें कहा गया है कि 308 परियोजनाओं के लिए न तो उसकी मंजूरी का वर्ष और न ही संभावित निर्माण अवधि की सूचना दी गई है। देरी से चल रही 845 परियोजनाओं में से 204 में एक से 12 महीने की देरी है जबकि 198 परियोजनाएं 13-24 महीने की देरी से चल रही हैं। वहीं 322 परियोजनाओं में 25-60 महीने की देरी है और 121 परियोजनाएं पांच साल से अधिक देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों ने इस देरी के लिए भूमि अधिग्रहण में देरी, वन और पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने में देरी और बुनियादी ढांचे के समर्थन की कमी को जिम्मेदार बताया है।

31 दिसंबर से पहले जोड़ लें डीमैट अकाउंट में नॉमिनी का नाम

-स्पेशल डिपॉजिट स्कीम में निवेश सहित अन्य जरुरी काम भी कर लें

नई दिल्ली ।

आगामी 31 दिसंबर से पहले कुछ जरुरी काम कर लें, नहीं तो आपको परेशान होना पड़ सकता है। मसले ऐसे कई जरूरी काम हैं निपटाने के लिए अब 7 दिन से भी कम का समय बचा है। पहली बात तो यह कि अगर आपका डीमैट अकाउंट है और आपने अभी तक उसमें नॉमिनी ऐड नहीं किया है तो 31 दिसंबर तक कर लें। ऐसा न करने पर आपका अकाउंट फ्रीज हो सकता है। इसके अलावा आईडीबीआई बैंक की स्पेशल डिपॉजिट स्कीम भी इस महीने खत्म हो रही है। ऐसे ही कुछ काम और भी हैं जिन्हें 31 दिसंबर तक निपटाने हैं। सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने डीमैट अकाउंट और म्यूचुअल फंड अकाउंट से नॉमिनी जोड़ने के लिए 31 दिसंबर तक का समय दिया है। इसके अलावा मार्केट रेगुलेटरी ने फिजिकल सिक्योरिटी होल्डर्स को पेन, नॉमिनेशन और केवायसी डिटेल्स अपडेट करने के लिए कहा है। अगर आपने अभी तक डीमैट अकाउंट में नॉमिनी ऐड नहीं किया है तो आपका अकाउंट फ्रीज हो सकता है। फिर उसमें से आप कोई रकम नहीं निकाल सकेंगे। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को अपने ग्राहकों को बैंक लॉकर के नए समझौते पर साइन करवाने के लिए कहा है। ये काम बैंक को 31 दिसंबर 2023 तक पूरा करना है। वरना आपको बाद में परेशानी हो सकती है। यूपीआई आईडी को सक्रिय करने का भी आखिरी मौका है। जैसे गूगल-पे, पेटीएम, फोन पे आदि से उन यूपीआई आईडी को बंद करने के लिए कहा है, जो एक साल से सक्रिय नहीं हैं। यूपीआई के जरिए भुगतान करने वाले ग्राहकों के पास अपनी आईडी को सक्रिय करने के लिए 31 दिसंबर तक मौका है। इसी तरह आईडीबीआई बैंक स्पेशल डिपॉजिट स्कीम अमृत महोत्सव चला रहा है। इसमें 375 दिन और 444 दिन की एफडी में निवेश करना होगा। 375 दिन की एफडी पर सामान्य नागरिकों को 7.10 प्रतिशत ब्याज, जबकि सीनियर सिटीजन्स को 760 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा।

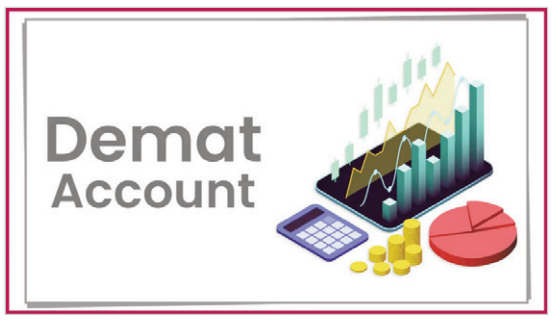

इंफोसिस से वैश्विक कंपनी ने 12,500 करोड़ का करार तोड़ा

मुंबई ।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंफोसिस ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) समाधानों पर केंद्रित एक वैश्विक कंपनी के साथ उसका 1.5 अरब डॉलर (12,500 करोड़ रुपये) का करार खत्म हो गया है। इंफोसिस ने कंपनी का नाम और करार खत्म करने के कारणों के बारे में कुछ नहीं बताया है। आईटी सेवा प्रदाता कंपनी ने 15 साल की अवधि के लिए इस समझौते पर सितंबर में हस्ताक्षर किया था। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया है कि वैश्विक कंपनी ने अब समझौते को समाप्त करने का फैसला किया है और दोनों कंपनियां मास्टर एग्रीमेंट को आगे नहीं बढ़ाएंगी। यह करार डिजिटल अनुभव मुहैया कराने के मकसद से किया गया था। इसके साथ ही कारोबार के ऑपरेशन को आधुनिकीकरण करना भी करार में शामिल था। बंगलूरू स्थित कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) नीलांजन रॉय के इस्तीफा देने के दो सप्ताह के भीतर ही यह समझौता समाप्त हुआ है। इंफोसिस में लगभग छह साल तक रहने के बाद रॉय ने अचानक इस्तीफा दे दिया था। इस समझौते का खत्म होना भारत में इंफोसिस और अन्य आईटी कंपनियों पर पिछली तीन से चार तिमाहियों में सुस्त कारोबार के कारण दबाव बढ़ने का संकेत देता है।

वायरल संक्रमण से सुरक्षित रहेंगे आपके बच्चे

इस मौसम में वायरल संक्रमण की आशंका काफी बढ़ जाती है। प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण खासकर बच्चे इसकी चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं, लेकिन आप अपने बच्चे को इन संक्रमणों की चपेट में आने से वक्त रहते बचा सकते हैं। वायरल संक्रमणों में भी रोटावायरस और एंटरिक वायरल (आंत संबंधी संक्रमण) जैसी बीमारियां बड़ों की तुलना में बच्चों के लिए अधिक गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

बाल अवस्था के ज्यादातर वायरल संक्रमण ज्यादा गंभीर नहीं होते। इनमें सर्दी लगना, नाक बहना, आंखों से पानी निकलना, गले में खराश होना, बुखार होना, त्वचा पर चकत्ते पड़ना और उल्टी व दस्त जैसी विभिन्न बीमारियां शामिल हैं। व्यापक पैमाने पर चलाए गए टीकाकरण के चलते खसरा जैसे गंभीर खतरे पैदा करने वाली कुछ संक्रामक बीमारियां अब कम ही देखने को मिलती हैं।

...तो बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाएं

यदि आपके बच्चे में बीमारी के लक्षण एक सप्ताह से ज्यादा दिखाई दें, तो उसे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। यह शरीर की तरफ से स्पष्ट तौर पर वायरल संक्रमण के खिलाफ एक कॉल हो सकती है, जो न्यूमोनिया आदि जैसी गंभीर बीमारी में बदल सकती है। ऐसे समय में बच्चे का रक्त परीक्षण कराकर मलेरिया, डेंगू, टाइफॉइड, चिकनगुनिया, अर्बोवायरस आदि बीमारियों समेत संपूर्ण ब्लड काउंट अवश्य जांच लेना चाहिए। मौसम में बदलाव या भारी बारिश होने के दौरान अभिभावक अमूमन अपने बच्चों की अतिरिक्त देखभाल करते ही हैं, लेकिन यह जानना बेहद अहम है कि बच्चों को अन्य मौसम में भी अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है।

बच्चों को सुरक्षित रखने के उपाय

रूमाल की जगह टिश्यू पेपर रखें : अभिभावक आमतौर पर अपने बच्चों की बहती नाक और मुंह बार-बार पोंछने के लिए सूती रूमाल अपने साथ रखते हैं। यह बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे बच्चे बार-बार संक्रमण के संपर्क में आते हैं। कपड़े के रूमाल की तुलना में भीगे मेडिकेटिड स्किनकेयर वाइप और टिश्यू पेपर त्वचा के लिए ज्यादा कोमल साबित होते हैं और इनकी सबसे अच्छी बात ये है कि इन्हें उपयोग करने के बाद आसानी से फेंका जा सकता है। अभिभावकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हाथों में चिपक जाने वाले हानिकारक विषाणुओं से बचाव के लिए नाक साफ करने के बाद हर बार तुरंत अपने हाथ पानी व साबुन की मदद से अच्छी तरह से धोएं। इतना ही नहीं बच्चों को पड़ोस या स्कूल में खेलते समय उन बच्चों से दूर रखना चाहिए, जो संक्रामक बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। अच्छी तरह हाथ धोने और नाखूनों की सफाई करते हुए उचित स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है।

सफाई का ध्यान रखें

मच्छर, मक्खी, खटमल आदि हानिकारक कीटाणुओं एवं विषाणुओं के सबसे सक्रिय वाहक होते हैं। बच्चे इनका सबसे आसान निशाना होते हैं। मच्छरों से बचाव के लिए अपने आसपास पानी जमा नहीं होने दें। सुबह और शाम के समय बच्चों को घर से बाहर कम ही निकलने दें। अपने आस-पड़ोस में कूड़ा-कबाड़, बेकार कंटेनर और डिब्बे आदि जमा नहीं होने दें, क्योंकि इनमें ही मच्छरों का प्रजनन होता है।

समय पर टीकाकरण

शिशुओं और बच्चों को जानलेवा संक्रमण और बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण सबसे अच्छा और प्रभावी तरीका है। इसके बावजूद माता-पिता इस पहलू की अनदेखी करते हैं। बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर ही अभिभावक उन्हें टीका लगवाने के लिए हॉस्पिटल ले जाते हैं।

डिफ्थीरिया, टेटनस, और हूपिंग कफ (काली खांसी), पोलियो (आईपीवी), रोटावायरस (आरवी), इन्फ्लुएंजा (फ्लू), खसरा, कंठमाला, रूबेला (एमएमआर) से बचाव के लिए बच्चे को शुरू से निर्धारित समय पर बीमारियों से संबंधित टीके अवश्य लगवाएं।

प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत करना

वायरल संक्रमणों से बचाव करने के लिए बच्चों के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करना सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। इसके लिए बच्चों को संतुलित खुराक के साथ पौष्टिक खाना दें। नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध सबसे अच्छा पौष्टिक भोजन होता है। ताजा फल और सब्जी हर उम्र के बच्चों के लिए आवश्यक होते हैं। पानी, दूध और फलों के जूस के जरिए बच्चों के शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखें। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए हानिकारक सोडा, चिप्स, चॉकलेट और कुकीज जैसे खाद्य पदार्थ कम-से-कम दें। उनके खान-पान में दलिया एवं अनाज को प्रमुखता से शामिल करें, क्योंकि इनसे उन्हें बहुत सारे पोषक तत्व मिलते हैं।

माता-पिता भी रखें अपना ध्यान

माता-पिता को वायरस से बचाव के लिए अपना भी ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि माता या पिता में से किसी एक को भी संक्रमण होने पर बच्चों के इसकी चपेट में आने की आशंका काफी बढ़ जाती है।

रेसिपी

दूध की सेवइयां

सामग्री

- सेवई: ½ कप
- चीनी: ½ कप
- घी: 2 बड़े चम्मच
- काजू कतरे हुए: 8-10
- बादाम: 8-10
- इलायची: 4

विधि

सबसे पहले काजू और बादाम छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद गैस पर एक कड़ाही चढ़ा लें। इसमें घी डालकर गर्म करें। घी गर्म होने पर इसमें सेवइयां डालकर उसे हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें। फिर उसमें कटे हुए बादाम और काजू डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर थोड़ी देर और फ्राई करें। हल्के फ्राई होने पर सेवइयों को एक सूखी प्लेट में निकाल लें। अब सेवइयों को मीठा करने के लिए चाश्नी बना लें। इसके लिए एक गहरी तली वाला एक बर्तन लेकर उसमें पानी डाल दें। पानी के उबालने पर इसमें चीनी डालकर तब तक पानी को पकाएं। जब तक चीनी पानी में पूरी तरह से घुल नहीं जाती। जब चीनी पानी में घुल जाए तो इसमें भुनी हुई सेवइयां डालकर उसे ढक दें। सेवइयों को चाश्नी में 5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर डालकर एक बार फिर अच्छे से 5 मिनट तक चलाते हुए मिक्स कर लें। 5 मिनट बाद गैस बंद करके सेवइयों को प्लेट से ढक दें। थोड़ी देर बाद सेवइयों को एक सर्विंग बाउल में निकालकर गरमा गरम सर्व करें।

ओट्स की रोटी

सामग्री

- ओट्स : ½ कप
- प्याज : ¼ कप
- होलव्हीट आटा : 1 कप
- धनिया : 1/ कप
- तेल : 1 टेबलस्पून
- चिली पाउडर : ½ टेबलस्पून
- नमक : 1 टेबलस्पून

विधि

एक कटोरे में गेहूं का आटा लें। इसमें ओट्स, कटी हुई प्याज, धनिया, हरी मिर्च, नमक और तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। थोड़ा सा पानी डालकर इसका मुलायम आटा अच्छी तरह से गूंथ लें। इसे ढक कर आधे घंटे के लिए रख दें। अब आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें और सामान्य रोटी की तरह बेल लें। गर्म तवे पर इसे दोनों तरफ से अच्छे से सेक लें। आप चाहें तो इस पर तेल लगाकर भी सेक सकती हैं। अच्छी तरह सिकी गरमागरम और कुरकुरी ओट्स रोटी लो फैट दही के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3044

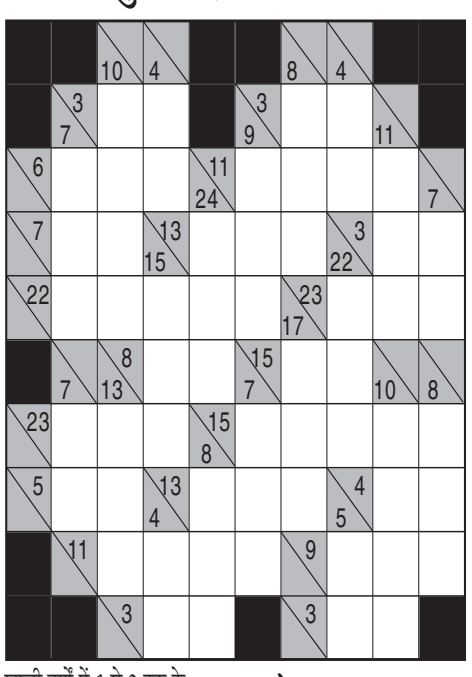

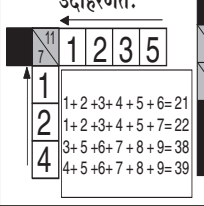

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3043 का हल

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

▯ ▯ ▯

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

▯ ▯ ▯

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

▯ ▯ ▯

फिल्म वर्ग पहेली- 3044

बायें से दायें:-

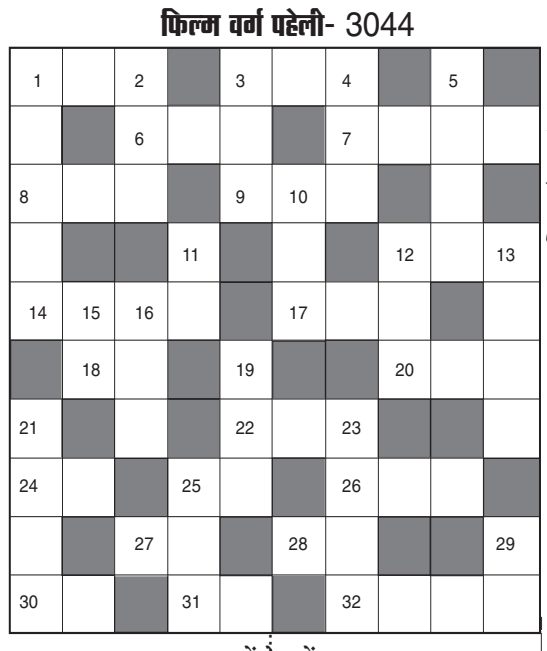

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3043

उ	त्स	व		चि	श	ग		खौ	फ
स्ता		च	रि	त्र		म	स्त		र
द	म	न		ले	कि	न		शा	दी
	र्या		रे	खा			ना	गि	न
अं	दा	ज			प्या	सा		र्द	
गू		मा	चि	स		ज	ख्मी		जं
र	वी	ना		ल	गा	न		जं	ग
	र		हे	मा			सी		ली
बे	ता	बी		न	या	ज	मा	ना	
टा		ना	ना		दे			म	स्ती

सूडोकु -3044

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3043 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली -3044

बाएँ से दाएँ

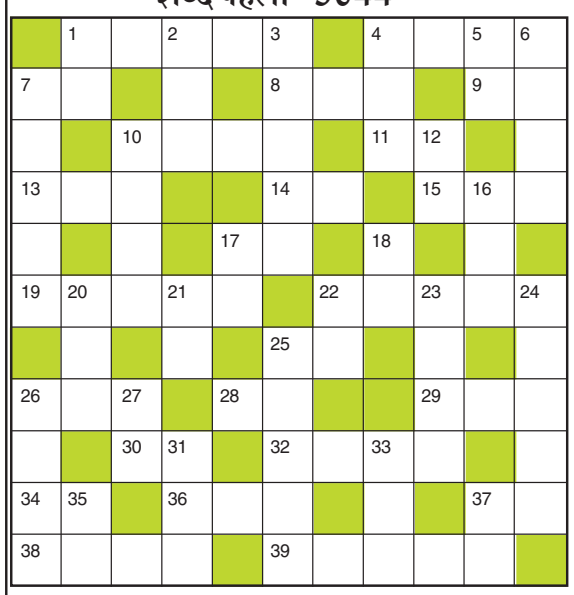

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -3043 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को एकमात्र टेस्ट में 8 विकेट से हराया

मुंबई (एजेंसी)। स्नेह राणा के चार विकेट, राजेश्वरी गायकवाड़ और हरमनप्रीत कौर के दो-दो विकेट और उसे बाद स्मृति मांधना की नाबाद 38 रनों की पारी की बदौलत भारत ने एकमात्र टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 261 रनों पर समेटने के बाद दूसरी पारी में 18.4 ओवरों में दो विकेट पर 75 रन बना कर मुकाबला जीत लिया।

75 रनों के लक्ष्य का पीछा करने भारत की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही है और पहले ही ओवर में उसने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा चार रन का विकेट खो दिया। वर्मा को गार्थ ने हीली के हाथों कैच आउट कराया। उसके बाद 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर गाडर्नर ने ऋचा घोष 13 रन को मैकग्रा हाथों कैच आउट करा दिया। स्मृति मांधना 38 रन और जेमिमाह रॉड्रिग्स 12 रन पर नाबाद रहते हुए भारत को 19वें ओवर में आठ विकेट से जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में किम गार्थ और एश्ली गाडर्नर को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 233 स्कोर के बाद आज सुबह खेलना शुरु किया। पूजा वस्त्राकर ने एशले गाडर्नर को सात रन पर पगबाधा कर ऑस्ट्रेलिया को कल के 233 स्कोर पर ही छठा झटका दिया। 251 रन पर स्नेह राणा ने एनाबेल सदरलैंड को 27 रन पर आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवां विकेट झटका। जेस जोनासेन नौ रन, किम गार्थ चार रन बनाकर आउट हुई। अलाना किंग शून्य को राणा ने बोल्ड आउट किया। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 105.4 ओवर में 261 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया को 74 रन की बढ़त मिली।

भारत को जीत के लिए 75 रन बनाने और अभी करीब दो दिन का खेल शेष थे। भारत की ओर से स्नेह राणा ने 63 रन देकर चार विकेट, राजेश्वरी गायकवाड़ 42रन देकर दो विकेट और हरमनप्रीत कौर 23 रन देकर दो विकेट लिए। पूजा वस्त्राकर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 219 रन और दूसरी पारी में 261 रन बनाए। दोनों बार भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम को ऑल आउट किया। भारत ने पहली पारी में 406 रनों का स्कोर खड़ा किया और मैच के चौथे दिन दूसरी पारी में दो विकेट पर 75 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। पहली पारी में भारत के चार बल्लेबाजो स्मृति मांधना 74 रन , जेमिमाह रॉड्रिग्स 73 रन , ऋचा घोष 52 रन और दीप्ति शर्मा 70 रन ने अर्धशतक जड़े। भारत की स्नेहा राणा ने दोनों पारियों में सात विकेट हासिल किए वहीं पूजा वस्त्राकर ने दोनों पारियों में पांच बल्लेबाजों को आउट किया।

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पांच गेंदबाजों को शामिल किया

मुम्बई (एजेंसी)। लिटिल मास्टर के नाम से लोकप्रिय रहे दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए अपनी पसंदीदा भारतीय टीम चुनी है। गावस्कर ने अपनी इस टीम में पांच गेंदबाजों को शामिल किया है। इसमें तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनर हैं। वहीं विकेट कीपर के तौर पर लोकेश राहुल को जगह दी है। पारी की शुरुआत के लिए रोहित शर्मा के साथ युवा यशस्वी जायसवाल को रखा है। गावस्कर ने अपनी इस अंतिम 11 में युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को तीसरे नंबर-3 पर ही रखा है। गावस्कर ने कहा मेरी अंतिम ग्यारह 11 काफी सामान्य है। इसमें सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान रोहित शर्मा, नंबर-3 पर शुभमन गिल, चार पर विराट कोहली, नंबर-5 पर केएल राहुल, छठे पर श्रेयस अय्यर पांचवें या छठे नंबर पर उतरेंगे। वहीं अन्य बल्लेबाजों को जरुरत के अनुसार ऊपर नीचें कर सकते हैं।मास्टर ने इसके अलावा 5 गेंदबाजों के तौर पर रविंद्र जडेजा और आर अश्विन के साथ ही मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को रखा है।

गावस्कर ने कहा नंबर-7 और 8 पर रविंद्र जडेजा और आर अश्विन होंगे। इसके बाद मैं तीन तेज गेंदबाजों को रखूंगा जिसमें मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज शामिल होंगे।वहीं गावस्कर के अलावा पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी अंत 11 का चयन किया। मांजरेकर के भी शीर्ष छह खिलाड़ी वहीं रखें हैं जो गावस्कर की अंतिम 11 में हैं। उन्होंने गेंदबाजी इकाई में भी कुछ बदलाव किए हैं। शार्दुल ठाकुर और चार तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को उन्होंने रखा है। वहीं एक स्पिनर के रूप में उन्होंने रविंद्र जडेजा को शामिल किया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से शुरु होगा।

सुनील गावस्कर की अंतिम ग्यारह 1- रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

दक्षिण अफ्रीका में खेलना सबसे कठिन मानते हैं शार्दुल

-पिच का आंकलन भी जरुरी

सेंचुरियन (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जहां 26 दिसंबर से यहां पहला क्रिकेट टेस्ट मैच शुरु होने जा रहा है। वहीं भारतीय टीम के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट खेलना काफी मुश्किल होता है। शार्दुल ने कहा कि इसी कारण खिलाड़ियों के लिए लक्ष्य निर्धारित करने से पहले पिच का आंकलन करना भी जरूरी है। इसलिए पिच की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही हमें खेलना होगा। यह एक ऐसा देश है जहां आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि आपको पिच से क्या मिलेगा। इसलिए वहां जाकर खेल खेलना सबसे अहम है। इसके साथ ही मैच के दिन पिच की स्थिति, मैदान की स्थिति का आंकलन करना होता है। उसके अनुसार ही रणनीति बनाकर आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। इस क्रिकेटर ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए दक्षिण अफ्रीका में ऊंचाई के हालातों से अभ्यस्त होना भी जरुरी होता है। साथ ही कहा, अभी मैं मौसम के अनुकूल अपने को ढाल रहा हूँ, मुझे यह भी पता चला है कि यहां ऊंचाई में खेलना कठिन होता है। अभ्यास इसलिए जरुरी है जिससे आपको सांस लेने में तकलीफ नहीं हो, जब आप यहां दौड़ रहे हों या गेंदबाजी कर रहे हों, तो इसका अनुभव प्राप्त करना बहुत कठिन होता है। जब आपकी सांस फूल रही हो, तब भी उसे ठीक रखना होता है। यहां जब आप गेंदबाजी कर रहे हों या बल्लेबाजी या फिर रन दौड़ रहे हों , तब भी आप अपनी पारी कैसे आगे बढ़ा सकते हैं इसका ध्यान रखना होगा। भारतीय टीम ने अब तक दक्षिण अफ्रीका में 23 टेस्ट मैच खेले हैं और उसमें उसेक केवल 4 मैचों में ही जीत मिली है। भारतीय टीम अब तक दक्षिण अफ्रीका में कोई टेस्ट सीरीज जीत नहीं पायी है। इस बार यहां एकदिवसीय सीरीज जीतकर भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा।

बराबरी पर आने के लिए टीम इंडिया को सीरीज के दोनों मैच जीतने होंगे

नई दिल्ली(एजेंसी)। अगर भारतीय टीम सीरीज के दोनों टेस्ट मैच जीत जाती है तो वह साउथ अफ्रीका के साथ बराबरी पर आ जाएगी। बता दें कि 26 दिसंबर से टीम इंडिया को मेजबान टीम साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे दिग्गजों की वापसी होगी। टीम इंडिया को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर कुल 2 टेस्ट मैच खेलने हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट 26 दिसंबर से सेंचुरियन पार्क में खेला जाएगा होगा। वहीं दूसरा टेस्ट भी इसी मैदान पर 3 जनवरी से खेला जाएगा। दोनों टीमों का ऐलान भी हो गया है। जानकारी के अनेसार साउथ अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर डीन एल्गर इस सीरीज के बाद संन्यास ले लेंगे। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही है। गौरतलब है कि भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज पर कब्जा जमा लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब तक कुल 42 मैच खेले गए हैं। इस दौरान साउथ अफ्रीका का पलड़ा यहां भारी रहा है। भारतीय टीम ने जहां 15 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। वहीं अफ्रीकी टीम ने कुल 17 मुकाबलों में सफलता हासिल की है। इसके अलावा दोनों के बीच 10 मैच ड्रा रहे हैं। ऐसे में टीम इंडिया को इस टेस्ट सीरीज में एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा।

टेस्ट सीरीज के लिए दोनों टीमें इस प्रकार है। भारत की टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा और केएस भरत (विकेटकीपर) होंगे। जबकि साउथ अफ्रीका की टीम में टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, कगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरेन, गेराल्ड कोएट्जी, टोनी डी जोर्जी, डीन एल्गर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन शामिल हैं।

रबाडा-एनगिडी की वापसी से उत्साहित दक्षिण अफ्रीका कोच बोले, पहला टेस्ट जीतेंगे

सेंचुरियन । तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी की वापसी से उत्साहित दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कोनराड ने कहा है कि उनकी टीम 26 दिसंबर से भारत के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा देंगे। कोच ने रबाडा और एनगिडीएनगिडी के नेट अभ्यास शुरू करने के बाद कहा कि हमें भारतीय टीम के खिलाफ जीत की उम्मीद है। रबाडा चोटिल होने के कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल नहीं थे। वहीं एनगिडी टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले बाएं टखने में चोट के कारण बाहर हो गए थे। रबाडा और एनगिडी ने नेट सत्र में जमकर अभ्यास किया। यहां उनका सामना अनुभवी बल्लेबाज डीन एल्गर से हुआ। एल्गर ने इस सीरीज के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। इस मैदान की तेज पिच गेंदबाजों के लिए सहायक होती है पर इसके बाद भी भारतीय टीम ने पिछले दौरे पर इस स्टेडियम में बेहतर प्रदर्शन किया था। कोनराड ने कहा कि उनके मुख्य तेज गेंदबाज तरोताजा हैं और पूरी ताकत के साथ गेंदबाजी करेंगे। उन्होंने टीम के अभ्यास सत्र के पहले दिन कहा कि वे आक्रामक रणनीति अपनाएंगे। मैं हमेशा तरोताजा रहने वाले खिलाड़ियों पर भरोसा करता हूं। दोनों अनुभवी गेंदबाज बिना किसी मैच अभ्यास के इस मुकाबले में उतरेंगे पर कोच इसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें अगर घरेलू मैचों में खेलना का मौका मिलता तो अच्छा होता लेकिन यही जीवन है।

पीसीबी अब पीएसएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों के मीडिया अधिकार नहीं बेच सकेगा

करांची (ईएमएस)। पाकिस्तान सरकार ने अपने एक फैसले में कहा है कि क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब अंतरराष्ट्रीय मैचों और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के मीडिया अधिकार नहीं बेच सकेगा। सरकार के इस फैसले से हैरान क्रिकेट प्रबंधन समिति (सीएमसी) के प्रमुख जका अशरफ ने प्रधानमंत्री अनवारुल उल हक काकड़ से मिलने का समय मांगा है। सरकार ने ये निर्देश ऐसे समय दिये हैं जब पीसीबी के मामलों का प्रबंधन करने वाली सीएमसी ने पीएसएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मीडिया अधिकारों की बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। वहीं अब' सरकार के अंतर प्रांतीय समन्वय (खेल) मंत्रालय ने बोर्ड को एक अधिसूचना जारी कर निर्देश दिया है कि अब से सीएमसी और पीसीबी को किसी भी बड़े करार पर हस्ताक्षर करने से पहले सरकार से मंजूरी लेनी होगी। इस अधिसूचना के कारण ही अशरफ को ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा स्थगित करनी पड़ी है। माना जा रहा है कि सरकार की ये अधिसूचना अशरफ की अध्यक्षता वाली सीएमसी के खिलाफ अविश्वास मत है। जुलाई में सीएमसी प्रमुख का पद संभालने वाले अशरफ के कार्यकाल को नवंबर में तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया था जो अब चार फरवरी को समाप्त होगा। वहीं सीएमसी को कहा गया है कि क्षेत्रीय संघों के चुनाव और नए पीसीबी अध्यक्ष का चुनाव करने के लिए उसे 'गवर्नर्स बोर्ड का गठन करना होगा। पीसीबी को पीएसएल और घरेलू मैचों के अंतरराष्ट्रीय मीडिया अधिकारों की बिक्री से लगभग आठ से नौ अरब रुपए कमाने की उम्मीद है पर सरकार की अधिसूचना के बाद बातचीत में देरी से उसे इसमें नुकसान हो सकता है।

हार्दिक पंड्या फिट , अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलेंगे

मुम्बई । अपने खिलाड़ियों की चोट से परेशान भारतीय टीम के लिए एक अच्छी खबर आयी है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले फिट है और इस सीरीज से मैदान में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक विश्वकप में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में घायल होने के बाद से ही टीम से बाहर चल रहे थे। इस कारण वह विश्वकप के कई अहम मुकाबले नहीं खेल पाये। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जब वह वापसी नहीं कर पाये तक अंदाजा लगाया जा रहा था कि हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में भी नहीं खेलेंगे पर अब पता चला है कि वह फिट हैं और अभ्यास कर रहे हैं। उनके आईपीएल नहीं खेलने की जो बातें सामने आयी हैं वह भी गलत बतायी जा रही हैं। ये भी कहा गया है कि हार्दिक पूरी तरह से फिट और स्वस्थ हैं। वह वर्क आउट भी कर रहे हैं। हार्दिक को मुम्बई इंडियंस ने ट्रेड विंडो के जरिये आईपीएल 2024 की नीलामी के पहले ही शामिल कर टीम का कप्तान बना दिया था। हार्दिक के फिट होने से अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए कप्तान की जो समस्या आ रही थी वह भी सुलझ गयी है। इस सीरीज के लिए कप्तान बनाये गये रितुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण पहले ही बाहर हैं।

क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार में शुभमन के जवाब ने प्रशंसकों का दिल जीता

-क्रिकेटर न होता तो वैश्रानिक होता

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल आजकल दक्षिण अफ्रीका में हैं और 26 दिसंबर से सेंचुरियन में मेजबान टीम के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट की तैयारियों में लगे हैं। इसी बीच सिएट क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार समारोह में एंकर मयंती लैंगर के एक सवाल के जवाब में शुभमन ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। शुभमन ने कहा कि अगर वह क्रिकेटर न होते तो वैश्रानिक होते। इस शो में मयंती ने शुभमन की जिंदगी और करियर आदि से जुड़े सवाल पूछे। इस दौरान जब मयंति ने पूछा कि अगर आप क्रिकेटर न होते तो आप कौन से क्षेत्र में जाना पसंद करते। तब शुभमन ने कहा कि मैं वैज्ञानिक के रूप में अपना करियर बनाने का प्रयास करता। शुभमन ने कहा कि विज्ञान कथाओं को पढ़ना उन्हें पसंद रहा है।

शुभमन का ये जवाब सोशल मीडिया में छा गया। प्रशंसकों इससे उत्साहित दिखे और उनकी प्रशंसा करने लगे। इस क्रिकेटर के इस जवाब ने पुरस्कार समारोह में काफी अच्छा माहौल बन गया क्योंकि उनका एक ऐसा पक्ष लोगों के सामने आया जो मैदान में नहीं दिखता। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस युवा बल्लेबाज की बुद्धि की प्रशंसा की और अन्य ने अप्रत्याशित करियर विकल्प पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं कुछ लोग इस बात से हैरान भी हुए। शुभमन ने वह इस साल एकदिवसीय प्रारुप में सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी हिस्सा लिया था पर उसके बाद टेस्ट पर ध्यान देने के लिए एकदिवसीय सीरीज नहीं खेली।

वेस्टइंडीज के पास टी20 विश्व कप जीतने का अच्छा अवसर : रसेल

तारौबा । इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत से उत्साहित वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराऊंडर आंद्रे रसेल ने कहा है कि उनकी टीम जून में होने वाले टी20 विश्व कप में जीत के इरादे से उतरेगी। रसेल के अनुसार वेस्टइंडीज इस टूर्नामेंट में सभी टीमों को कड़ी टक्कर देगी। वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी20 मैच में इंग्लैंड को 3-2 से हराया है। इससे उसका मनोबल बढ़ा है। रसेल का मानना है कि पुरुष टी20 विश्व कप में उनकी टीम खिताबी दावेदारों को कड़ी टक्कर देगी। इस साल हुई अलग-अलग टी20ई सीरीज में वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका, भारत के बाद इंग्लैंड पर जीत दर्ज की है। ऐसे में उसका लक्ष्य तीसरी बार टी20 विश्व कप जीतना रहेगा। टी20 विश्वकप 4 से 30 जून तक के बीच वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। रसेल ने कहा कि विश्व कप में उनके पास जीत के लिए अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि मुझे बहुत क्रिकेट खेलना है और यह अच्छी बात है। जब आप क्रिकेट खेल रहे होते हैं और प्रतियोगिता में होते हैं, तो आपका शरीर सक्रिय होता है और आप घर पर बैठकर विश्व कप का इंतजार नहीं कर रहे होते। हम निश्चित रूप से कुछ टीमें को टक्कर देने जा रहे हैं। इंगलैंड के खिलाफ हुई 5 मैचों की सीरीज में रसेल ने वेस्टइंडीज की ओर से शानदार गेंदबाजी की थी। वहीं बल्लेबाजी में उनका स्ट्राइक रेट 169.35 था। रसेल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, वापस आने और वेस्टइंडीज टीम में शामिल होने के लिए बुलावा मिलना बेहद अहम बात है। मैं पिछले दो वर्षों से काम कर रहा हूं। मैं इसका इंतजार कर रहा था। मैं बस इसके लिए उत्साहित हूं वापस आऊंगा और जीत हासिल करूंगा।

धोनी आईपीएल सत्र तक पूरी तरह फिट होंगे : विश्वनाथन

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा है कि कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपनी घुटने की चोट से उबर गये हैं और उम्मीद है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र में खेलेंगे। विश्वनाथन के अनुसार धोनी के घुटने की सर्जरी सफल रही है और अब वह पूरी तरह से फिट हैं। अभी वह रहैबिलिटेशन और प्रशिक्षण सत्र से गुजर रहे हैं और हमें उम्मीह है कि आईपीएल सत्र तक वह पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे। आईपीएल 2024 में धोनी के खेलने को लेकर प्रशंसकों के मन में कई आशंकाएं हैं क्योंकि उन्होंने सत्र घुटने की चोट के बाद भी खेला था। तब जीत के साथ सत्र समाप्त होने के बाद उनके घुटने की सर्जरी हुई थी जो पूरी तरह से सफल रही। पिछले सत्र में धोनी ने मैच के बाद कहा था कि यदि आप हातातों के अनुसार देखें तो संन्यास की घोषणा करने का यह सबसे अच्छा समय है और मेरे लिए यह कहना आसान बात है कि संन्यास ले लो पर सबसे कठिन काम 9 महीने तक कड़ी मेहनत करना और एक और आईपीएल सत्र खेलने की कोशिश करना है। इसके लिए शरीर को भी देखना होगा। साथ ही कहा था कि सीएसके प्रशंसकों से मुझे जितना प्यार मिला है, उसे देखते हुए खेलना उनके लिए एक और सत्र खेलना एक उपहार की तरह होगा। जिस तरह से उन्होंने अपना प्यार और भावना दिखाई है, यह कुछ ऐसा है जो मुझे उनके लिए करने की जरूरत है। धोनी ने साल 2023 में 12 पारियों में 104 रन बनाए। ये रन उन्होंने 26 की औसत और 182 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से बनाए। इस सत्र में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 32 रन रहा था। धोनी 250 आईपीएल मैचों में 38.79 की औसत और 135 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 5,082 रन बनाए हैं, जिसमें 24 अर्धशतक और 84* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वह आईपीएल इतिहास में 7वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। बहरहाल, दुबई में हाल ही में आयोजित मिनी-नीलामी पर विश्वनाथन ने कहा कि टीम भाग्यशाली थी कि उसने योजना के अनुसार सभी आधारों को कवर कर लिया। अब यह लड़कों पर निर्भर है कि वे मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करें। न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर डेरिल मिशेल को 14 करोड़ रुपए की भारी कीमत पर खरीदने को लेकर सीएसके के सीईओ ने कहा कि हम मिशेल को लेकर उत्सुक थे। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। लेकिन हम जानते थे कि यह जोखिम भरा था, हम उसे पाने का अवसर खो सकते थे क्योंकि उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। दिन के अंत में, हम उसे पाकर खुश हैं।

आईपीएल में कोई खिलाड़ी महंगा नहीं बिका : डिविलियर्स

जाहांसबर्ग । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 की नीलामी में कई खिलाड़ियों को मोटी रकम मिली है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को 20 और 24 करोड़ की राशि मिली है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स का मानना है कि कोई खिलाड़ी ज्यादा महंगा नहीं बिका। डिविलियर्स से जब पूछा गया कि नीलामी में क्या किसी खिलाड़ी को अधिक रकम मिली है तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा नहीं मानता। साथ ही कहा कि पिछली बार सैम कुरैन को जरुरत से ज्यादा रकम मिली थी। तब कुरैन को 18.50 करोड़ में पंजाब किंग्स ने खरीदा था। डिविलियर्स ने कहा कि मुझे विवाद में नहीं पड़ना पर मेरा मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से कुरैन को अधिक वेतन दिया जा रहा है हालांकि वह कोई खराब खिलाड़ी नहीं है। मैं उसे पसंद करता हूं। विश्व कप में उसका प्रदर्शन शानदार रहा था। लेकिन यह काफी साल पहले की बात है। मुझे नहीं लगता कि उसका हाल ही में प्रदर्शन अच्छा रहा है। इंग्लैंड के लिए भी वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर रहा है। डिविलियर्स ने यह भी कहा कि पंजाब को 2024 की नीलामी में अधिक खिलाड़ियों को खरीदने के लिए कुरैन को छोड़ देना चाहिए था। वह विश्व स्तरीय खिलाड़ियों की तरह चीजों को बदल सकता है। कुरेन के खिलाफ कुछ भी नहीं। मुझे अभी भी लगता है कि वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुझे लगता है कि उसे कुछ वर्षों से अधिक भुगतान किया गया है।

कुश्ती संघ को निलंबित करने के फैसले पर बोले, बृजभूषण मैंने इससे संन्यास ले लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय खेल मंत्रालय के कुश्ती संघ को निलंबित करने के फैसले पर पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने कहा कि पहलवान साक्षी मलिक ने जिस प्रकार से संन्यास लिया है। उसी प्रकार मैंने भी संन्यास ले लिया है। साथ ही कहा कि 21 दिसंबर को ही कुश्ती से मैंने अपना नाता तोड़ लिया था। इसके बाद जो चुने हुए लोग महासंघ में आये हैं उन्हें तय करन है कि आगे क्या करना है। मेरे पास काफी काम है और मैं अब अपने लोकसभा क्षेत्र में चुनाव तैयारियों में लग रहा हूं। वहीं यौन शोषण के आरोपों पर बृजभूषण ने कहा कि पिछले 11 महीने से पहलवान ऐसा कह रहे हैं कहने दीजिए, मामला अदालत में है। इसमें लगातार राजनीति हो रही है 11 महीने से मैं ये झेल रहा हूं।

सरकार ने कुश्ती संघ को निलंबित कर सही कदम उठाया

वहीं कुश्ती संघ को निलंबित करने के फैसले को पहलवान साक्षी मलिक के ससुर सत्यवान कादियान ने सही ठहराया है। पहलवान सत्यवान कादियान ने कहा कि फेडरेशन में बृज भूषण का कोई निजदीकी नहीं होना चाहिए था। साथ ही कहा कि कमेटी में एक महिला का होना जरुरी हो। सत्यवान ने कहा कि संजय सिंह के अध्यक्ष बनने से ब्रजभूषण के पास ही सत्ता आ गयी थी। इसलिए कुश्ती संघ के निलंबन का फैसला सही है। ये फैसला पहले ले लेना चाहिए था। वहीं साक्षी द्वारा कुश्ती से सन्यास लेने की बात पर कहा कि अब वह दोबारा खेलेगी या नहीं, यह तो साक्षी ही बताएगी।साथ ही सरकार से मांग है कि बृजभूषण के किसी भी समर्थक को अब कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद पर न आने दिया जाये। साथ ही कहा कि किसी को भी बना दें, कई खिलाड़ी हैं। एक लड़की (महिला) भी फेडरेशन में होनी चाहिए। लड़कियां तो उसी से खुलकर बात कर सकती हैं। या फिर सरकार लड़कियों के लिए अलग से कुश्ती संघ बना दे।

कानूनी लड़ाई की तैयारी में निलंबित अध्यक्ष संजय

दूसरी ओर कुश्ती संघ के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा है कि इस मामले में वह कानूनी लड़ाई लड़ सकते हैं। संजय ने कहा कि वह इस मामले को कानूनी तौर पर उठाएंगे। इसके लिए हमारी कानूनी टीम काम कर रही है। इससे साफ है कि खेल मंत्रालय की कार्रवाई के खिलाफ संजय का गुट अदालत में जा सकता है। उनके एक करीबी ने कहा कि इस मामले को कानूनी तौर पर उठाने की तैयारी की जा रही है। खेल मंत्रालय के निलंबन के फैसले का हम मुकाबला करेंगे। हमारी कानूनी टीम इस पर काम कर रही है। निलंबित अध्यक्ष ने कहा, 'मुझे अभी तक कोई पत्र नहीं मिल है, मैं फ्लाइट में था अभी सुनने में आया है कि मेरी कामकाज पर रोक लगा दी गयी है।'

प्रदूषण से कराह रही दिल्ली में शुरु हो सकती है ऑनलाइन पढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण कम होने का नाम नहीं ले रहा है। यहां की हवा इतनी जहरीली हो रही है कि लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। ऐसे में यहां ग्रैप 3 की पाबंदिया एक बार फिर लागू की गई हैं। एक्यूआर 400 के पार हो गया है। बढ़ते प्रदूषण के कारण दिल्ली सरकार स्कूलों की पढ़ाई ऑनलाइन करने पर विचार कर रही है। हो सकता है कि आने वाले समय में यहां ऑनलाइन पढ़ाई शुरु हो जाए। दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए सरकार कक्षा पांचवी तक के लिए ऑनलाइन क्लास की अनुमति दे सकती है। इसके अलावा ग्रैप 4 की पाबंदिया भी लागू की जा सकती है। बता दें, इससे पहले यहां के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने ग्रैप 3 के तहत प्रतिबंध लागू करने की घोषणा की थी। इसके तहत निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों को बैन करने के साथ ही बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल वाहन चलाने की इजाजत नहीं है। शनिवार को दिल्ली में एक्यूआई 450 दर्ज किया गया था जो गंभीर श्रेणी में आता है। माना जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में प्रदूषण की यही स्थिति बरकरार रह सकती है और इससे राहत मिलने की संभावना बेहद कम है।

जेएनयू में लागू नियमों के विरोध में मशाल लेकर निकले छात्र

नई दिल्ली। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों ने मशाल जुलूस निकाला है। यह जुलूस यहां लागू किए गए नियमों के विरोध में निकाला गया है। दरअसल जेएनयू प्रबंधन ने कुछ नए नियम बनाए हैं जिसके खिलाफ छात्रों ने शनिवार को मशाल जुलूस निकाला है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संगठन से जुड़े कुछ छात्र संगठनों मसलन तथा हॉस्टल के अध्यक्ष ने मशाल जुलूस निकाला। प्रदर्शन कर रहे छात्र चीफ प्रॉक्टर कार्यालय के मैनुअल का विरोध कर रहे थे और इसे तानाशाही कह रहे थे। नए नियमों के मुताबिक, अब जेएनयू के प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रदर्शन करने पर छात्रों पर 20,0000 रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगाया जा सकता है और देश-विरोधी नारे लगाने पर 10,000 रुपये तक नारा लगाया जा सकता है। इन नए नियमों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्र सीपीओ मैनुअल वापस लो और फाइन राज बंद करो के नारे लगा रहे थे। बताया जा रहा है कि छात्र विश्वविद्यालय के गंगा ढाबा के पास जुटे थे और चंद्रभाग हॉस्टल तक उन्होंने मार्च किया। छात्रों ने कहा कि सीपीओ मैनुअल के खिलाफ उनका प्रदर्शन जारी रहेगा और वो अगर इसे वापस नहीं लिया जाता है कि भूख हड़ताल भी करेंगे। यह जेएनयू की परंपरा हो गई है कि छात्र संगठन तानाशाही नियमों के खिलाफ लड़ते है और छात्र संगठन अपना आवाज उठाते रहे हैं। जेएनयू स्टुडेन्ट्स यूनियन के अध्यक्ष आयशी घोष ने कहा, हम सीपीओ मैनुअल के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो हम भूख हड़ताल पर भी बैठेंगे। ताकि विश्वविद्यालय में लोकतंत्र की रक्षा हो सके।

मांझी ने नीतीश से मांगी बिहार में भी शराब पीने की छूट

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार में भी शराब पीने की छूट देने की मांग की है। उन्होंने गुजरात की तरह यहां भी छूट की मांग करते हुए कहा कि जैसे गुजरात में इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट) को शराबबंदी कानून में छूट देने की घोषणा की गई है, वैसे ही बिहार में भी शराब की खपत पर नियमों में ढील देने की आवश्यक्ता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार में गुजरात का शराबबंदी का नया मॉडल लागू करना चाहिए, क्योंकि इससे व्यापार और विदेशी मुद्रा में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा बिहार को लगातार राजस्व का नुकसान हो रहा है। शराबबंदी के कारण राज्य में पर्यटन को नुकसान हुआ है। मैंने यह बार-बार कहा है कि सीमित मात्रा में शराब का सेवन गरीबों और श्रमिकों सहित अन्य लोगों के लिए फायदेमंद है। मांझी ने कहा ?कि मैं इस तरह का निर्णय लेने के लिए गुजरात सरकार को धन्यवाद देता हूं। अगर बिहार में भी ऐसा किया जाता है तो विदेशी मुद्रा में 10 गुना वृद्धि होगी। पूर्व सीएमस जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, 2005 से 2010 तक नीतीश कुमार ने हर घर में शराब उपलब्ध कराई और आज वह कह रहे हैं कि वह शराब पीने के खिलाफ हैं। गौरतलब है कि 2016 में बिहार सरकार ने राज्य भर में शराब की बिक्री, खरीद, खपत, निर्माण और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। यहां पर यदि कोई भी निषेध कानून का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो भारी जुर्माना और सख्त सजा का प्रावधान है। इधर गुजरात सरकार ने गिफ्ट सिटी में वाइन एंड डाइन सेवा प्रदान करने वाले होटलों, रेस्तरां और क्लबों में शराब के सेवन की अनुमति दे दी।

540 ग्राम हेरोइन के साथ खेत में मिला ड्रोन, बीएसएफ ने किया बरामद

नई दिल्ली। बीएसएफ ने सर्च अभियान के दौरान एक खेत से चीन में निर्मित डीजेआई माविक-3 क्लासिक ड्रोन बरामद किया गया। जवानों ने इसके साथ पीले रंग की सेलो टेप में लिपटा एक पैकेट भी बरामद किया है। इसमें 540 ग्राम हेरोइन मिली है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पुलिस के साथ संयुक्त सर्च अभियान में सीमांत गांव भैणी राजपूतां के एक खेत से ड्रोन और हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया है। बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने जांच करने के बाद ड्रोन और हेरोइन का पैकेट स्थानीय पुलिस को सौंप दिया है। इस मामले में बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि बल की एक टुकड़ी शनिवार सुबह पंजाब पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से अमृतसर जिले के सीमांत गांव भैणी राजपूतां में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि गांव के एक खेत में पाकिस्तानी ड्रोन पड़ा है। तुरंत बीएसएफ जवानों ने सुबह करीब 10:58 बजे पंजाब पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त सर्च अभियान चलाया। प्रवक्ता ने बताया ?कि सर्च अभियान के दौरान एक खेत से चीन में निर्मित डीजेआई माविक-3 क्लासिक ड्रोन बरामद किया गया। जवानों ने इसके साथ पीले रंग की सेलो टेप में लिपटा एक पैकेट बरामद किया है। इसमें 540 ग्राम हेरोइन मिली है। पुलिस ने ड्रोन और हेरोइन को कब्जे में लेने के बाद अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सरकारी अस्पताल में यौन उत्पीड़न की शिकायत पर आयोग ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। बुराड़ी स्थित एक सरकारी अस्पताल में हाउसकीपिंग का काम करने वाली महिला ने यौन उत्पीडन की शिकायत की है। इस मामले में दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने पुलिस को नोटिस जारी कर 26 दिसंबर तक रिपोर्ट देने को कहा है। महिला की शिकायत के बाद डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली पुलिस और अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को नोटिस जारी कर एफआईआर और कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। पीड़िता ने दावा किया है कि उसने कथित घटना के संबंध में पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है।अधिकारियों को दिए गए नोटिस में कहा गया है, हमें अपने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के संबंध में एक महिला से शिकायत मिली है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि वह बुराड़ी के सरकारी अस्पताल में हाउसकीपिंग (विभाग) में काम करती है।उसका आरोप है कि 17 दिसंबर को उनके मैनेजर और सुपरवाइजरों ने उसके और एक अन्य महिला स्टाफ के साथ छेड़छाड़ की।शिकायतकर्ता ने कहा है कि 19 दिसंबर को उसके प्रबंधक और पर्यवेक्षकों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसे परेशान किया और उनकी अनुचित मांगों को नहीं मानने पर उसे ड्यूटी से हटाने की धमकी दी।डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली पुलिस से मामले में दर्ज एफआईआर की प्रति और गिरफ्तार आरोपियों का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। पुलिस को दिए गए नोटिस में कहा गया है,यदि किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, तो कृपया इसके कारण और मामले में विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट दें। मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए कृपया 26 दिसंबर तक आयोग को मांगी गई जानकारी दें।

एक लाख लोग एक साथ करेंगे गीता पाठ, मोदी ने लिखा खास संदेश

कोलकाता। गीता जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक लाख लोग एक साथ गीता का पाठ करेंगे। इसे लेकर पीएम नरेन्द्र मोदी ने खास संदेश लिखा है। जानकारी के अनुसार सामूहिक गीता पाठ लोक्खो कंठे गीता पाठ के आयोजन को लेकर पीएम ने लिखा कि एक लाख लोगों द्वारा गीता का पाठ करने के उद्देश्य से की गई पहल वास्तव में प्रशंसनीय है। इस कार्यक्रम में कई लोग शामिल होने वाले हैं। गीता जयंती के उपलक्ष्य में रविवार यानी आज कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सामूहिक गीता पाठ लोक्खो कंठे गीता पाठ का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम को लेकर पीएम मोदी ने लोगों के नाम संदेश लिखा है।

सदन में व्यवधान इरादातन और रणनीति के तहत था: धनखड़

-कांगेस प्रमुख खरगे के पत्र के जवाब में उपराष्ट्रपति ने बातचीत के लिए बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि सदन में व्यवधान इरादातन और रणनीति के तहत था। उन्होंने कांग्रेस प्रमुख खरगे के पत्र के जवाब में लेटर लिखकर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराया। शनिवार को कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे को संसद में व्यवधान और विपक्षी सांसदों के निलंबन के मुद्दे पर बातचीत के लिए 25 दिसंबर को अपने आवास पर आमंत्रित किया और कहा कि उनके बार-बार आग्रह के बावजूद शीतकालीन सत्र के दौरान ऐसी बैठक नहीं हो सकी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सदन में व्यवधान इरादातन था और रणनीति के तहत था। धनखड़ ने पत्र में कहा कि इस प्रकरण में मुख्य विपक्षी दल की पूर्वनियोजित भूमिका की ओर इंगित करके, मैं आपको लज्जित नहीं करना चाहता, लेकिन जब कभी भी मुझे आपसे बातचीत करने का अवसर लाभ मिलेगा, मैं आपसे वह साझा अवश्य करूंगा।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे को एक ताजा पत्र में धनखड़ ने लिखा कि हमें आगे बढ़ने की जरूरत है, और उन्हें 25 दिसंबर को या उनकी सुविधानुसार किसी भी समय पर अपने आधिकारिक आवास पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

धनखड़ ने खरगे के 22 दिसंबर के पत्र का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें संतोष होता अगर कांग्रेस नेता का यह दावा कि हम संवाद और बातचीत में दृढ़ता से यकीन रखते हैं, वास्तव में चरितार्थ हो पाता। धनखड़ ने पत्र में लिखा है कि पूरे सत्र भर, कभी मैंने सदन के अंदर आग्रह किया तो कभी पत्र लिखकर आपसे संवाद और परामर्श करने का अनुरोध किया, आपसे बातचीत करने के लिए बार बार किया गया मेरा हर प्रयास विफल रहा। धनखड़ ने कहा कि खरगे के दृष्टिकोण के विपरीत, निलंबन का कारण सदन में की जा रही नारेबाजी, तख्ती लहराना, सदन के वेल में घुसने का प्रयास और आसन के सामने अशोभनीय व्यवहार कर, इरादतन पैदा किया जा रहा व्यवधान था।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण कदम को उठाने से पहले, मेरे द्वारा सदन में व्यवस्था स्थापित करने के हर प्रयास, हर उपाय किए गए। हालांकि थोड़ी थोड़ी देर के लिए सदन को स्थगित कर, मैंने अपने कक्ष में बुला कर बातचीत करने का भी भरसक प्रयास किया। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने शुक्रवार को धनखड़ को पत्र लिखकर कहा था कि इतने बड़े पैमाने पर सांसदों का निलंबन भारत के संसदीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए हानिकारक है।

छह जनवरी को अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचेगा आदित्य एल-1

-इसरो ने देश के पहले सौर मिशन को लेकर दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि भारत का पहला सौर मिशन 'आदित्य एल-1 छह जनवरी को अपने गंतव्य स्थान 'लैग्रेंजियन पॉइंट (एल-1) पर पहुंचेगा। यह गंतव्य पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर है। इस मिशन को इसरो ने दो सितंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से प्रक्षेपित किया था। यह अंतरिक्ष-आधारित पहली भारतीय वेधशाला है जिसके तहत 'हेलो ऑर्बिट एल1 से सूर्य का अध्ययन किया जाना है। इसरो प्रमुख सोमनाथ ने विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए कार्यरत गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) विज्ञान भारती द्वारा आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन के मौके पर मीडियाकर्मियों से कहा, 'आदित्य एल1 छह जनवरी को एल1 बिंदु में प्रवेश करेगा। ऐसी उम्मीद है। उचित समय पर सटीक समय की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब यह एल1 बिंदु पर पहुंचेगा, तो हमें इंजन को एक बार फिर से चालू करना होगा ताकि यह आगे न बढ़े। यह उस बिंदु तक जाएगा और एक बार जब यह उस बिंदु पर पहुंच जाएगा तो यह इसके चारों ओर घूमने लगेगा और एल1 पर फंस जाएगा। इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि जब आदित्य एल1 अपने गंतव्य पर पहुंच जाएगा, तो यह अगले पांच वर्षों तक सूर्य पर होने वाली विभिन्न घटनाओं का पता लगाने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत भविष्य में तकनीकी रूप से एक शक्तिशाली देश बनने वाला है। सोमनाथ ने कहा कि इसरो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के अनुसार 'अमृत काल के दौरान एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना भी बनाई है, जिसे 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन कहा जाएगा।

चौधरी चरण सिंह की नीतियों से किसान न्याय का मार्ग हुआ प्रशस्त : अखिलेश यादव

-121वीं जयंती पर सपा ने चरण सिंह की नीतियों पर चलने का संकल्प

लखनऊ (एजेंसी)। किसान समृद्धि के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की आर्थिक नीतियों से ही देश में न्याय का रास्ता प्रशस्त हुआ है। शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी उनके रास्ते पर चलते हुए गांवों का विकास तथा किसानों की तरक्की सुनिश्चित करेगी। कांग्रेस राज्य मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार शनिवार को अपने चौथे दिन 'यूपी जोड़ो यात्रा' बिजनौर से शुरू हुई। यात्रा के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री अजय राय ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसान राजनेता चौधरी चरण सिंह की जयंती के मौके पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। बिजनौर के बिलई चीनी मिल पर अजय राय ने अपने संबोधन कहा कि इतिहास गवाह है की जब-जब कोई यात्रा जनमानस से जुड़े सरोकार और मुद्दों की आवाज बनते हुए आगे बढ़ी है तो वह बड़े राजनीतिक परिवर्तन का वाहक बनी है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) विपक्षी दलों ने शनिवार को जारी बयान में कहा गया पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती लखनऊ सहित प्रत्येक जिले में सादगी से मनाई गई। अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय के डॉ. राम मनोहर सभागार में उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय लोकदल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, ''किसान मसीहा व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती पर विधान भवन स्थित चौधरी साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पार्टी मुख्यालय पर हवन पूजन कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल एवं अन्य पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी अपना दल (एस) कार्यालय में भी किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जलवायु परिवर्तन मानव जाति के लिए विश्व युद्धों से भी बड़ा खतरा: सोनम वांगचुक

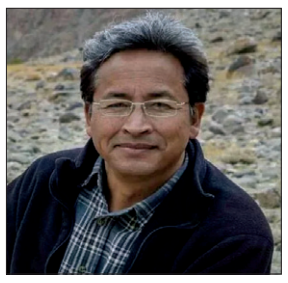

नई दिल्ली (एजेंसी)। रमन मैगसायसाय पुरस्कार विजेता सोनम वांगचुक ने शनिवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन मानव जाति के लिए विश्व युद्धों से भी बड़ा खतरा है। वांगचुक ने पर्यावरण की रक्षा में आदिवासी समुदायों की भूमिका को रेखांकित किया और आधुनिक शहरों के निवासियों से, प्रकृति के करीब रहने वाले लोगों से जीवन जीने का तरीका सीखने का आग्रह किया। वांगचुक को यहां शैक्षणिक सुधारों, सतत परिवर्तन और पर्यावरण के संरक्षण में उनके योगदान के लिए 20वां उपेन्द्र नाथ ब्रह्मा 'सोल्जर ऑफ ह्यूमैनिटी' पुरस्कार 2023 प्रदान किया गया। यह पुरस्कार 'यूएन ब्रह्मा ट्रस्ट' द्वारा दिया जाता है।

अपने नवाचारों के लिए मशहूर वांगचुक ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास होने चाहिए क्योंकि जलवायु परिवर्तन विश्व युद्धों से भी अधिक खतरनाक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'ग्लोबल वार्मिंग' की चुनौतियों का सामना करने और जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने में दुनिया भर में आदिवासी समुदायों को मजबूत किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''आदिवासी समुदाय के लोगों का ज्ञान और उनकी समझ औद्योगीकरण और तथाकथित आधुनिक जीवन शैली की तुलना में लंबे वक्त के लिए अधिक लाभ प्रदान करने वाली है।'' वांगचुक ने आगाह किया कि ''पांच सितारा शहरों के रूप में दिल्ली या मुंबई या न्यूयॉर्क की संस्कृति'' धरती को नहीं बचाएगी। यह आदिवासी संस्कृति और परंपरा है जो प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करती है।'' उन्होंने कहा कि असम के बोडोलैंड क्षेत्र या लद्दाख के लोगों की पारंपरिक संस्कृति में देश की समृद्धि में योगदान देने की अधिक क्षमता है।

सपा नेता और उसके बेटे पर गैंगरेप का आरोप,वीडियों भी बनाया

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। यहां एक सपा नेता और उसके बेटे पर सामुहिक दुष्कर्म और वीडियों बनाने का आरोप लगा है।

सपा नेता और खुनियांव ब्लॉक के पूर्व ब्लॉक प्रमुख तौलेश्वर निषाद के बेटे अजय कुमार ने शादी करने का झांसा देकर करीब चार महीने पहले उसके साथ संबंध बनाया। उसका आपत्तिजनक वीडियो बनाकर कई बार रेप करते रहे। महिला गभर्वती हो गई तो उस पर जबरन गर्भपात कराने का दवाब बनाने लगे। बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। गर्भ ठहरने पर जबरन गर्भपात करा दिया। इसके डेढ़ महीने बाद अजय ने फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बार गर्भ ठहर जाने पर पीड़िता शादी के लिए अड़ गई। 9 दिसंबर की शाम वह अजय के घर गई। अजय के पिता तौलेश्वर निषाद अपने भाई राधेश्याम के साथ उसे इनोवा गाड़ी में बैठाकर अपने दूसरे मकान पर बांसी ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया।

सपा नेता और खुनियांव ब्लॉक के पूर्व प्रमुख तौलेश्वर निषाद, उसके बेटे अजय कुमार और भाई राधेश्याम पर दुष्कर्म पीड़िता का आरोप है कि नौ दिसंबर को तौलेश्वर और राधेश्याम ने उसे गर्भपात कराने के लिए रुपये का लालच दिया। उसने इनकार कर दिया तो वे नाराज हो गए और बांसी ले जाकर दोनों ने उसके साथ रेप किया। इससे पीड़िता बेहोश हो गई। होश आने पर देखा कि घर खुला छोड़कर दोनों फरार हो गए हैं। पीड़िता के मुताबिक वह किसी तरह घर आई और लोकलाज और आरोपियों के डर से कहीं कोई सूचना नहीं दी। जब पेट में पल रहे बच्चे की चिंता हुई तो तहरीर देने की हिम्मत जुटाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख तौलेश्वर निषाद, उसके बेटे अजय कुमार और भाई राधेश्याम के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर शनिवार को बाप-बेटे को बांसी के पटेलनगर से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष कन्हैया लाल मौर्य ने बताया कि महिला ने तहरीर दी है कि पति के साथ उसका संबंध खत्म हो चुका है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी राधेश्याम फरार चल रहा है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस टीम लगी हुई है।

कर्नाटक में जातीय जनगणना व्यवस्थित ढंग से नहीं करायी गयी, नये सिरे से सर्वेक्षण कराएं: येदियुरप्पा

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता बी एस येदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि 'जातीय जनगणना' नाम से चर्चित कर्नाटक का सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण व्यवस्थित ढंग से नहीं कराया गया, ऐसे में राज्य की कांग्रेस सरकार से अनुरोध है कि वह नये सिरे से सर्वेक्षण कराए और तथ्यों को लोगों के सामने रखे। कर्नाटक में वर्चस्व रखने वाले दो समुदायों (वोक्कलिगा और लिंगायत) ने भी इस सर्वेक्षण को अवैज्ञानिक करार देते हुए अस्वीकार कर दिया है तथा मांग की है कि इसे खारिज कर नये सिरे से सर्वेक्षण कराया जाए। पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने कहा, ''सभी के दिमाग में यह बात है कि सर्वेक्षण व्यवस्थित ढंग नहीं कराया गया।

मेरी भी ऐसी ही राय है। इसलिए नये सिरे से जाति आधारित सर्वेक्षण कराया जाए तथा तथ्यों से लोगों को अवगत कराया जाए। मैं सरकार से इस दिशा में ईमानदार प्रयास करने की अपील करता हूं।'' येदियुरप्पा लिंगायत समुदाय से आते हैं। साल 2015 में सिद्धरमैया की अगुवाई वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार (2013-2018) ने राज्य में 170 करोड़ रुपये के अनुमानित खर्च से सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण कराया था जिसे 'जातीय जनगणना' कहा गया था। तत्कालीन अध्यक्ष एच कंठराजू की अध्यक्षता में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को इस जातीय जनगणना की रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गयी थी। यह सर्वेक्षण सिद्धरमैया के बतौर मुख्यमंत्री पहले कार्यकाल के समापन के समीप 2018 में पूरा हुआ था लेकिन उसे न तो स्वीकार किया गया और न ही सार्वजनिक किया गया था। हाल में बिहार सरकार द्वारा अपनी जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी किये जाने के बाद एक वर्ग की ओर से कर्नाटक सरकार पर जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करने का दबाव पड़ने लगा, ऐसे में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा है कि रिपोर्ट मिलने के बाद इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल, वर्तमान अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े की अध्यक्षता वाले कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोगके पास जातीय जनगणना के निष्कर्ष हैं। आयोग को यह रिपोर्ट सरकार को 31 जनवरी, 2024 तक सौंपने को कहा गया है। हिजाब विवाद पर येदियुरप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को समुदायों के बीच विष के बीज बोना बंद करना चाहिए क्योंकि इससे न तो उन्हें और न ही उनकी पार्टी को किसी भी तरह कोई फायदा होगा। उन्होंने कहा, '' अच्छा है कि हमारे दबाव के कारण सिद्धरमैया ने अपना बयान वापस ले लिया है, कम से कम अब तो सदबुद्धि आएगी। हम अल्पसंख्यक विरोधी नहीं हैं। भाजपा मानती है कि हिंदू, ईसाई और मुसलमान को एक मां की संतान के रूप में साथ मिलकर रहना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बात कई बार कही है।'' सिद्धरमैया ने शनिवार को स्पष्ट किया कि प्रशासन राज्य में शैक्षिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगी पाबंदी हटाने पर बस विचार भर कर रहा है तथा सरकार के स्तर पर चर्चा करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उससे एक दिन पहले उन्होंने कहा था कि शैक्षिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर कोई पाबंदी नहीं है तथा परिधान एवं भोजन संबंधी लोगों की पसंद व्यक्तिगत मसला है।

जाटों को साधने में जुटी भाजपा और कांग्रेस, मुद्दों को भुनाने का हो रहा प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले चुनावों में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही जाटों को साधने में जुटे हुए है। यही वजह है कि फिलहाल ये जाटों से संबंधित मुद्दों को भुनाने में लगे हुए हैं। बता दें कि साल 2014 में भाजपा को जाटों का 25-30 फीसदी वोट मिला था। मगर 2019 के चुनाव में वोट शेयर घट गया। यही वजह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में जाटों की नाराजगी का पार्टी को नुकसान भी झेलना पड़ा था। संसद परिसर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री विवाद और साक्षी मलिक के कुश्ती छोड़ने को जाट समाज से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। उपराष्ट्रपति के समर्थन में भाजपा खड़ी हो गई तो साक्षी समेत अन्य पहलवानों के साथ कांग्रेस नेता आ गए हैं। जहां उपराष्ट्रपति धनखड़ ने अपने विवाद को जाट समाज का अपमान बताया। वहीं भाजपा ने भी इस विवाद को जाट समाज से जोड़ते हुए विपक्ष के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन का एलान किया है। इधनपहलवानों के मुद्दे पर कांग्रेस ने खुलकर समर्थन दिया। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे व सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने पहले बजरंग पुनिया और साक्षी से मुलाकात की। बाद में दोनों को प्रियंका गांधी के निवास पर ले गए। इसी मुद्दे पर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने बाक्सर वीरेंद्र के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा नेताओं को घेरा।

दरअसल, इन दोनों विवादों के बीच दोनों राजनीतिक दलों का निशाना कहीं और है। हरियाणा में 10 महीने बाद विधानसभा चुनाव हैं। उससे पहले लोकसभा के चुनाव भी तय हैं। हरियाणा की आबादी में 23-25 फीसदी जाट हैं। राज्य की 90 विधानसभा सीटों में से कम से कम 40 सीटों पर जाटों का महत्वपूर्ण असर है। साल 2014 में भाजपा को जाटों का 25-30 फीसदी वोट मिला था। मगर 2019 के चुनाव में वोट शेयर घट गया। यही वजह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में जाटों की नाराजगी का पार्टी को नुकसान भी झेलना पड़ा था। भाजपा के धुरंधर जाट नेता कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओपी धनखड़, सुभाष बराला और प्रेमलता को हार का मुंह देखना पड़ा। पॉलिटिक्स ऑफ चौधर के लेखक सतीश त्यागी कहते हैं कि 10 से 15 फीसदी जाट वोट अब भी भाजपा के साथ हैं।

इसीतरह मिमिक्री विवाद के बाद बैकफुट पर खड़ी कांग्रेस को पहलवानों के मुद्दों से उम्मीद जगी है। कांग्रेस साक्षी के कुश्ती छोड़ने के मुद्दे को जाटों के अपमान से जोड़ रही है। एक तरह से कांग्रेस की मजबूरी भी है। हर चुनाव में दूसरी पार्टियों के मुकाबले कांग्रेस को जाट वोट शेयर ज्यादा मिलता रहा है। अगर वह पहलवानों के साथ नहीं खड़े होंगे तो उनके खिलाफ नाकरात्मक संदेश जा सकता है। इसलिए हरियाणा के कांग्रेस नेता पहलवानों के साथ खड़े हैं।

बलूचिस्तान में सड़कों पर उतरे लोग,सिंध में भी उठे बगावती सुर

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान और सिंध में एक बार फिर बगावत शुरु हो गई है। यहां के लोग अपहरण और लोगों की हो रही मौतों से काफी नाराज है। बलूचिस्तान प्रांत में हजारों की संख्या में बलूच सड़क पर उतर गए हैं और पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पाकिस्तानी सेना ने कई बलूच लोगों का पहले अपहरण किया फिर उनको इतना टॉर्चर किया कि उनकी मौत हो गई। सेना के टॉर्चर के बाद कई बलूचों की मौत के बाद पूरा प्रांत ही सड़क पर उतर आया है और इस्लामाबाद के अत्याचारों से तंग आकर संग्राम छेड़ दिया है। शुक्रवार को 1600 किलोमीटर लंबा मार्च निकाला गया था। इस दौरान पाकिस्तान की मौजूदा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ जहर उगला। बता दें कि पाकिस्तान में पिछले कई दशक से अलग बलूचिस्तान की मांग उठ रही है। बलूचिस्तान में रह रहे लोग पाकिस्तान से अलग की मांग करते रहे हैं। अब जब एक बार फिर से चिंगारी उठी है तो मुद्दा और गरमा गया है। बलूच नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय नेताओं से भी मदद की मांग की है। बलूच नेताओं का कहना है कि वो पाकिस्तान में नहीं रहना चाहते हैं। वो किसी भी तरह से पाकिस्तान से मुक्ति चाहते हैं। बलूच नेताओं के इस गुस्से के पीछे कई और वजह भी हैं जिसे लेकर वो पाकिस्तान से अलग होने की डिमांड कर रहे हैं। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग की ओर से 2019 में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसके मुताबिक 47 हजार बलोच और 35 हजार पश्तून गायब हैं। 2022 में पैंक की सालाना रिपोर्ट में दावा है कि पाकिस्तान की आर्मी ने बलूचिस्तान में 195 लोगों की हत्या की जबकि 629 लोगों को गायब कर दिया गया। पैंक बलूच नेशनल मूवमेंट का मानवाधिकार विभाग है। बीते दो दशकों से, बलूचिस्तान हिंसक विद्रोह की चपेट में है। अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की शुरुआत के बाद से प्रांत में उग्रवाद तेज हो गया। जिसमें वहां रहने वाले लोग पिस रहे हैं। पाकिस्तान के अंदर जारी इस विरोध प्रदर्शन पर वहां के लोग भी खुलकर बोलने लगे हैं। जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान की समस्या सिर्फ बलूचिस्तान नहीं है बल्कि एक और अलग देश की मांग भी है। अब वहां सिंध प्रांत को भी अलग मुल्क घोषित करने की मांग तेज हो गई, इसके लिए लोग सड़क पर उतर आए हैं। पाकिस्तान पर सिंधी समुदाय पर जुल्म करने का आरोप है, नौकरी और अन्य सुविधाओं में भेदभाव का आरोप है सिंध की कई राष्ट्रवादी पार्टियां भी अलग मुल्क की मुहिम के साथ खड़ी हैं आज से नहीं, 1967 से पाकिस्तान में सिंधुदेश आंदोलन चल रहा है सिंध प्रांत को पाकिस्तान की अनाज की टोकरी कहते हैं।

बलूचिस्तानियों का फर्जी एनकाउंटर कर रही पाकिस्तान सेना

करांची। बलूचिस्तान के लोगों पर जुल्म और अत्याचार करना पाकिस्तानी सेना की आदत में शुमार हो गया है। जिस तरह के वीडियो वायर हो रहे हैं उन्हे देखकर कोई भी दहल जाएगा। बलूचिस्तान की महिलाओं पर गर्म पानी फेंका जा रहा है,लोगों के फेक एनकाउंटर किए जा रहे है। जिसके कारण बलूचिस्तान के लोग हुक्मरानों के जुल्मों-सितम से तंग आ चुके हैं। इसके लिए बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हजारों की संख्या में बलूचिस्तान के लोग इस्लामाबाद पहुंच चुके हैं। इस मुद्दे पर पाकिस्तानी महिला यूट्यूबर सना अमजद ने एक बलूची शख्स से बात की। सना अमजद से बात करते हुए बलूची शख्स ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। पाकिस्तान में हाल ही में एक बलूच युवक को जबरन गायब करने और उसकी हत्या करने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे दर्जनों लोगों पर इस्लामाबाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछारें और आंसू गैस छोड़ते और बुधवार देर रात उन्हें वैन में खींचते हुए देखा जा सकता है। प्रदर्शनकारियों के लॉन्ग मार्च को भी तितर-बितर कर दिया गया।इस्लामाबाद पुलिस के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, प्रदर्शनकारियों को उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में प्रवेश करने से रोकने के लिए ये तरीका अपनाया गया और कम से कम बलों का उपयोग किया गया।

इजराइली सेना के हमले फिर तेज, एक ही परिवार के 76 लोगों की गई जान

राफाह। इजराइली सेना के हमले बंद होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यहां गाजा में ताजा हवाई हमले में एक ही परिवार के 76 सदस्य मारे गए हैं। इस बात की जानकारी राहत एवं बचाव अभियान से जुड़े अधिकारियों ने शनिवार को दी। इससे एक दिन पहले, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने फिर चेतावनी दी है कि गाजा में अब कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है और इजराइल के लगातार हमले लोगों को मानवीय सहायता पहुंचाने में बड़ी बाधाएं पैदा कर रहे हैं। गाजा के नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता महमूद बासल ने कहा कि गाजा शहर में एक इमारत पर शुक्रवार का हमला इजराइल-हमास युद्ध के सबसे घातक हमलों में से एक था। यह युद्ध बीते 12 सप्ताह से जारी है। महमूद बासल ने इस हमले में मारे गए लोगों के नामों की एक आंशिक सूची प्रदान की जिसमें अल-मुगराबी परिवार के 16 घरों के मुखिया भी शामिल हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के एक अनुभवी कर्मचारी इस्साम अल-मुगराबी, उनकी पत्नी और उनके पांच बच्चे शामिल हैं। बता दें कि चरमपंथी समूह हमास को खत्म करने के लिए गाजा में इजराइल की ओर से शुरू किए गए युद्ध में अब तक 20,000 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। गाजा के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इजराइल ने गाजा में हमले और तेज कर दिए हैं तथा लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया है। गाजा में होने वाली मौतें युद्ध से पहले की इस क्षेत्र की आबादी का लगभग एक प्रतिशत हैं। इजराइल का हवाई और जमीनी आक्रमण हाल के इतिहास में सबसे विनाशकारी सैन्य अभियानों में से एक रहा है, जिसके परिणामस्वरूप गाजा की 23 लाख की आबादी में से 85 प्रतिशत लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इधर इजराइल ने लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया है।

महिला के दो गर्भाशय, दोनों में गर्भाधान, अलग-अलग समय पर दो बच्चों का जन्म

वाशिंगटन । वाशिंगटन के अलबामा की 32 साल की युवती कलसी के दो गर्भाशय हैं। 1 दिन के अंतराल से उसने दो जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया है। दोनों का जन्म अलग-अलग दिन हुआ है। चिकित्सा विज्ञान में कई दुर्लभ घटनाएं होती हैं। उसमें से यह एक दुर्लभ घटना है। कैलसी को जन्म से ही दो गर्भाशय थे। दोनों गर्भाशय में उसने गर्भ धारण किया। मंगलवार की शाम 7:49 पर पहली बेटी रॉक्सी लैला का जन्म हुआ। दूसरे दिन सुबह 6:09 पर दूसरी बेटी रेविका को जन्म देकर एक रिकॉर्ड बनाया है। कैलसी चौथी बार मां बनी है। गुरुवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर उसने जानकारी देते हुए प्रसन्नता जाहिर की है।

चीन के सीक्रेट हथियार से दुनियाभर में खलबली

बीजिंग। चीन द्वारा बनाई जा रही एक नई मिसाइल ने पूरी दुनियां को टेंशन में डाल दिया है। कई देश इस मिसाइल को लेकर विरोध भी कर रहे हैं। खासतौर से चीन के पड़ोसी देश ताइवान,दक्षिण कोरिया ज्यादा खतरा महसूस कर रहे हैं। उधर चीन का कहना है कि इस नई मिसाइल को एयर डिफेंस सिस्टम भी नहीं रोक पाएगा। बीजिंग में बैठा लाल सेना का कमांडर और उसके शैतानी वॉर साइंटिस्ट एक ऐसी मिसाइल टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं जिसे रोक पाना नामुमकिन बताया जा रहा है। चीन की इस नई मिसाइल को न तो एयर डिफेंस सिस्टम डिटेक्ट कर पाएंगे और न ही इसके आसपास कोई मिसाइल पहुंच सकती है। चीन की गोल्डन वेल नाम की मिसाइल को लेकर चीन का दावा है कि उसकी ये मिसाइल जंग का चेहरा और स्वरूप पूरी तरह से बदलकर रख देगी। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मिसाइल को दुनिया का कई एयर डिफेंस सिस्टम ट्रेस नहीं कर पाएगा और उसका ये आविष्कार मिसाइलों की दुनिया में एक नई क्रांति लेकर आएगा। चीन जिस टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है उससे मिसाइल एक पैसेंजर प्लेन की तरह नजर आएगी। कुल मिलाकर चीन की इस घातक टेक्नोलॉजी से दुनिया के कई ताकतवर एयर डिफेंस सिस्टम फेल हो सकते हैं। उत्तर पश्चिमी चीन में एक रिसर्च टीम इस पर काम कर रही है। टेक्नोलॉजी की मदद से मिसाइल का साइज और आकार बदला जा सकेगा जिससे दुश्मन का डिफेंस सिस्टम कंफ्यूज हो जाएगा, उन्हें एक्शन लेने के लिए वक्त ही नहीं मिलेगा। प्रोजेक्ट पर काम कर रहे चीनी वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह की टेक्नोलॉजी के सेना में शामिल होने से युद्ध के तरीके में बड़ा बदलाव आएगा।चीन इस मिसाइल का सबसे पहले इस्तेमाल कहां करने वाला है, ये इरादे भी जिनपिंग ने साफ कर दिए हैं।

वेस्ट बैंक में मलबे के बीच ही क्रिस्मस की तैयारियों के दौरान एक व्यक्ति मोमबत्ती जलाते हुए।

हूती के खिलाफ अपने वॉरशिप भेजने से पीछे हट रहे हैं कई देश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। फ्रांस के बाद अब नीदरलैंड, नार्वे और डेनमार्क ने भी हूती के खिलाफ अपने वॉरशिप भेजने से मना कर दिया है। अमेरिका के नेतृत्व में 'ऑपरेशन प्रोस्पेरिटी गार्डियन' में साथ देने के लिए एक के बाद एक यूरोपीय देश मना कर रहे हैं। दरअसल, अमेरिका हूती के खिलाफ अलग-थलग पड़ रहा है। इजराइल का साथ देकर अमेरिका फिलहाल मिडिल ईस्ट में अकेले पड़ता जा रहा है। समंदर में हूती की धमकी और उसके हमले को लेकर तेजी से नेरेटिव बदल रहा है।लाल सागर इस वक्त दुनिया का सबसे खतरनाक जलमार्ग बन चुका है। यहां से होकर गुजरने वाले मालवाहक विमान यमन के हूती मिलिटेंट संगठन के निशाने पर हैं। लाल सागर के चक्रव्यूह में अमेरिका घिर चुका है और यही से युद्ध की दिशा बदलकर विश्व युद्ध की तरफ मुड़ सकती है क्योंकि रूस और ईरान ने हूती के जरिए लाल सागर में महासंग्राम छेड़ दिया है। रूस और ईरान ने लाल सागर की जंग में गठबंधन कर लिया है। दूसरी तरफ जो बाइडेन का गठबंधन कमजोर पड़ रहा है। नाटो के कई सहयोगी लाल सागर टास्क फोर्स में शामिल नहीं होना चाहते।

अमेरिका ने लाल सागर में हूती के हमलों को इंटरसेप्ट करने के लिए 10 देशों की नेवल टास्क फोर्स बनाई थी और ऑपरेशन शुरू किया था, लेकिन अमेरिका खुद इस ऑपरेशन से हिचक रहा है और साथी देश भी हूती के खिलाफ उतरने को तैयार नहीं हैं।

अमेरिकन मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस ने तटीय क्षेत्र में लड़ने के लिए 24 लिटोरल कॉम्बैट शिप तैयार किए हैं, लेकिन अमेरिका अपने जहाज लाल सागर में तैनात नहीं करना चाहता। अमेरिका के इस रुख के बाद कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने भी लाल सागर में अपने जहाज भेजने से इनकार कर दिया है। ईयू में स्पेन ने भी अमेरिका के ऑपरेशन प्रोस्पेरिटी गार्डियन का विरोध किया है।

मतलब साफ है कि अमेरिका के सहयोगी देश भी हूती के खिलाफ ऑपरेशन में अपने जहाज नहीं उतारना चाहते हैं। अमेरिका को डर है कि उसके जहाजों पर हमले हुए तो हूती से सीधा युद्ध शुरू हो जाएगा इसलिए अमेरिका भी ऑपरेशन प्रोस्पेरिटी गार्डियन में अपने जहाज नहीं भेज रहा है। अरब देशों से क्रूड ऑयल हूती नियंत्रण वाले जलमार्ग से गुजरकर अमेरिका पहुंचता है। अमेरिका के पास 40 साल में सबसे कम ऑयल रिजर्व है। अमेरिका का स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व घटता जा रहा है। स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व का मतलब सेना के लिए पेट्रोलियम रिजर्व होता है। फिलहाल अमेरिका के पास 35 करोड़ 20 लाख बैरल स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व है। अगर अमेरिका के सामने सेना के पेट्रोलियम की तंग शुरू हो गई तो उसके वर्ल्ड मिशन और सैन्य ऑपरेशन सुस्त पड़ जाएंगे। रूस और ईरान मिलकर यही प्लान बना रहे हैं और इसलिए लाल सागर में अमेरिका को घेर लिया गया है। बाइडेन जानते हैं कि हूती से जंग में उलझे तो भविष्य में बड़ा खतरा होगा और डरे हुए अमेरिका ने लाल सागर का मोर्चा ही छोड़ दिया है। हूती के बढ़ते हमलों पर अमेरिका ने कहा है कि इस साजिश में ईरान भी शामिल है। वाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता ने कहा है कि एड्रीनी वॉटसन ने कहा है कि ईरान हूती को हथियार, फंड, ट्रेनिंग और टैक्टिकल इंटेलिजेंस मुहैया करा रहा है, जिसके जरिए महत्वपूर्ण जलमार्ग पर हूती हमले कर रहा है।

मारिजुआना उपयोग को मिली कानूनी मान्यता

- राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दर्द, तनाव और आघात से मुक्ति के लिए बताया जरुरी

कीव । युद्धग्रस्त यूक्रेन में दर्द भरे रोगों के इलाज के लिए मादक मारिजुआना के इस्तेमाल को लेकर नए कानून में अनुमति मिली है। मारिजुआना मैरुआना या गांजा जैसे पदार्थ के सेवन को लेकर यूक्रेन की संसद में हुए मतदान प्रक्रिया में 248 सदस्यों ने पक्ष में, 16 सदस्यों ने विरोध में 33 सदस्य अनुपस्थित रहकर जबकि 40 सदस्यों ने मतदान में हिस्सा न लेकर अपना निर्णय बताया। इस अवसर पर राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि दुनिया की सभी सर्वोत्तम प्रथाएं, सभी सबसे प्रभावी नीतियां, सभी समाधान, चाहे वह कितने भी कठिन या फिर असामान्य क्यों न लगें, लेकिन यूक्रेन में लागू होने चाहिए ताकि यूक्रेनवासियों को युद्ध का दर्द, तनाव और आघात न सहना पड़े। रूस के साथ तकरीबन 21 माह से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन की संसद में लंबे समय से इस पदार्थ के उपयोग को लेकर बहस चल रही थी । युद्ध की वजह से मिले दर्द भरे रोगों के इलाज के लिए मारिजुआना के इस्तेमाल को लेकर संसद के अध्यक्ष रुस्लान स्टेफानचुक ने कहा कि मारिजुआना की दवाओं के इस्तेमाल की स्थितियों और तरीकों की सूची स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित की जाएगी। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने युद्ध संबंधी स्थितियों के इलाज के रूप में चिकित्सा मारिजुआना की पहुंच पर जोर दिया। उन्होंने जून 2023 में संसद को संबोधित करते हुए दवा को वैध बनाने का आह्वान किया।

इजरायल में हो रहीं अंधाधुंध हत्याओं को लेकर बाइडन ने नेतन्याहू से की बात

वॉशिंगटन (एजेंसी)। गाजा में लगातार हत्याएं हो रही हैं। यहां 24 घंटे के भीतर इजरायल ने दो सौ लोगों की हत्या कर दी। अब तक मौत का आकड़ा 20 हजार से अधिक हो गया है। बढ़ती हत्याएं और युद्ध न रुकने की स्थिति से चिंतित अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से फोन पर बात की है। हमास शासित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि बीते 24 घंटे में इजरायल की बमबारी में 201 लोगों की मौत हुई है। इस तरह युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक मृतकों की संख्या 20,258 पहुंच गई है जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। दूसरी ओर, इजरायल ने भी शनिवार को अपने 5 सैनिकों के मारे जाने की जानकारी दी है। इजरायली मिलिट्री चीफ के प्रवक्ता का दावा है कि उनकी सेना उत्तरी गाजा पर काफी हद तक कब्जा जमा चुकी है और अब उनका ध्यान दक्षिणी गाजा की ओर है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की है। जो बाइडेन ने खुद व्हाइट हाउस में संवाददाताओं को इसकी जानकारी दी। राष्ट्रपति ने बताया कि उन्होंने नेतन्याहू से लंबी बातचीत की। इसे उन्होंने एक तरह की निजी बातचीत करार दिया। सीजफायर से जुड़े सवाल के जवाब में बाइडेन ने कहा, मैंने युद्धविराम के लिए नहीं कहा। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया, राष्ट्रपति ने मानवीय सहायता अभियान का समर्थन करने वालों सहित नागरिक आबादी की रक्षा करने पर जोर दिया। उन्होंने आम नागरिकों को लड़ाई वाले इलाकों से सुरक्षित जगह पर ले जाने की इजाजत देने की मांग उठाई।व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया कि बाइडन और नेतन्याहू ने इजरायली सैन्य अभियान के मकसद को लेकर चर्चा की। साथ ही सभी शेष बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। वहीं, नेतन्याहू की ऑफिस की ओर से कहा गया, हमारे प्रधानमंत्री ने यह साफ कर दिया कि जब तक युद्ध अपने मुकाम तक नहीं पहुंच जाता तब तक उनका मिलिट्री ऑपरेशन जारी रहेगा। बता दें कि इसी साल 7 अक्टूबर को हमास ने गाजा सीमा पार करके इजरायल पर अचानक हमला बोल दिया था। इस अटैक में करीब 1,140 लोग मारे गए थे।

ड्रोन हमले का शिकार इजराइली जहाज की मदद करेगा भारत का विक्रम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत हमेशा से ही अपने दूसरे देशों की मदद करने के लिए आगे आता रहा है। दुनिया में भारत का हाथ मदद के लिए सबसे पहले उठता है। एक बार फिर से मुसीबत में फंसे इजराइली व्यापारिक जहाज को बचाने के लिए भारत का 'विक्रम' निकल चुका है। भारतीय तटरक्षक जहाज आईसीजीएस विक्रम एक इजराइली व्यापारिक जहाज एमवी केम प्लूटो की ओर बढ़ रहा है। यह जहाज पोरबंदर से 217 समुद्री मील दूर अरब सागर में मौजूद है। कहा जा रहा है कि इसमें ड्रोन हमले के कारण आग लग गई है, हालांकि आग बुझा ली गई है, लेकिन आग लगने का प्रभाव अभी भी बाकी है। जहाज में कच्चा तेल है और यह सऊदी अरब के एक बंदरगाह से मैंगलोर की ओर जा रहा था।

जहां तक विक्रम की ताकत का सवाल है तो पहले स्वदेशी रूप से विकसित अपतटीय गश्ती जहाज आईसीजीएस विक्रम को चेन्नई के एन्नोर के पास कट्टुपल्ली बंदरगाह पर भारतीय तट रक्षक में शामिल किया गया था। यह जहाज 98 मीटर श्रेणी के सात विक्रम श्रेणी के अपतटीय गश्ती जहाजों में से पहला है। विक्रम बिना ईंधन भरे कम से कम 5,000 समुद्री मील की यात्रा कर सकता है। आईसीजीएस विक्रम की लागत 190 करोड़ रुपये के करीब है और अब इसे कमांडर, तटरक्षक क्षेत्र (पश्चिम) के परिचालन और प्रशासनिक नियंत्रण के तहत मैंगलोर में तैनात किया गया है। फिलहाल जानकारी के हिसाब से आग तो बुझ गई है, लेकिन इसका असर कामकाज पर काफी पड़ा है। आईसीजीएस विक्रम को भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र की गश्त पर तैनात किया गया था। अब उसे वेसल की ओर भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं, जिनमें करीब 20 भारतीय भी शामिल हैं। आईसीजीएस विक्रम ने क्षेत्र के सभी जहाजों को मदद करने के लिए कहा है।

मानव तस्करी के शक में उतरवाया था फ्लाइट

-300 भारतीयों से भरी फ्लाइट में जब मच गया हड़कंप, पूछताछ के बाद दो को लिया हिरासत में

पेरिस (एजेंसी)। मानव तस्करी के आरोप में 300 भारतीय यात्रियों से भरी फ्लाइट को फ्रांस में उतार लिया गया। उस वक्त फ्लाइट के यात्रियों में हड़कंप मच गया। अचानक इमरजेंसी लैंडिंग को लेकर मिली जानकारी के अनुसार यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात से निकारगुआ जा रही फ्लाइट को फ्रांस में अचानक रोक दिया है और विमान में मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है। फ्रांसीसी मीडिया के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात से 303 भारतीय यात्रियों को लेकर निकारगुआ जा रहे एक विमान को मानव तस्करी के संदेह में फ्रांस में उतार लिया गया। खबर के अनुसार, राष्ट्र विरोधी-संगठित अपराध इकाई जेयूएनएएलसीओ ने जांच अपने हाथ में ले ली है। इस मामले में पेरिस अभियोजक कार्यालय ने कहा कि विशेष जांचकर्ता विमान में सवार सभी यात्रियों से पूछताछ कर रहे हैं। दो लोगों को आगे की जांच के लिए हिरासत में लिया गया है। वहीं रोमानियाई कंपनी 'लीजेंड एयरलाइंस' का ए340 विमान शुक्रवार को

'उतरने के बाद वैट्री हवाई अड्डे पर खड़ा रहा। बता दें कि पेरिस से 150 किलोमीटर पूर्व में स्थित वैट्री हवाई अड्डे से ज्यादातर वाणिज्यिक विमानों आते-जाते है।

एक अधिकारी ने बताया कि विमान में ईंधन भरा जाना था और उसमें सवार 303 भारतीय नागरिक संभवतः संयुक्त अरब अमीरात में काम करते हैं। फ्रांस पहुंचने के बाद यात्रियों को पहले विमान में रखा गया, लेकिन फिर बाहर निकालकर टर्मिनल भवन भेज दिया गया। इस दौरान पूरे हवाईअड्डे को पुलिस ने घेर लिया है। अभियोजक कार्यालय ने कहा कि सूचना मिली थी कि विमान में सवार लोग मानव तस्करी के शिकार हो सकते हैं। अंततः यात्रियों को हवाई अड्डे के मुख्य हॉल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां 21 दिसंबर को उनके रात भर ठहरने के लिए बिस्तर की व्यवस्था की गई है।

एक विशेष फ्रांसीसी संगठित अपराध इकाई के जांचकर्ता मामले की जांच कर हैं। फिलहाल, 'लीजेंड एयरलाइंस' ने अभी तक इस घटना पर कोई बयान नहीं दिया है। एक गुमनाम सूचना के आधार पर फ्रांस की जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई की है। इस मामले में फ्रांस में भारत के दूतावास ने सूचना दी कि फ्रांस सरकार के अधिकारियों ने दुबई से निकारगुआ जा रही एक फ्लाइट को तकनीकी रुकावट की वजह से फ्रांस के एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया है। इस विमान में 303 लोग सवार हैं, जिनमें से अधिकतर भारतीय मूल के हैं। एयरपोर्ट पर दूतावास की टीम पहुंच गई है और काउंसलर एक्सेस प्राप्त करके स्थिति की जांच की जा रही है।

अमेरिकी सांसदों ने कैलिफोर्निया में हिंदू मंदिर में तोड़-फोड़ की कड़ी निंदा की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में तीन प्रमुख भारतीय अमेरिकी सांसदों सहित कई नेताओं ने कैलिफोर्निया में एक हिंदू मंदिर में तोड़-फोड़किए जाने की घटना की कड़े शब्दों में निंदा की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कैलिफोर्निया के नेवार्क में स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी भित्तिचित्रों से विरूपित किया किया और उसमें तोड़-फोड़ की गई। पुलिस इस मामले को नफरती अपराध मानकर जांच कर रही है। सांसद रो खन्ना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह कैलिफोर्निया के नेवार्क में स्थित स्वामीनारायण मंदिर में तोड़-फोड़ की घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। स्वामीनारायण मंदिर खन्ना के निर्वाचन क्षेत्र में आता है। खन्ना ने कहा, ''धार्मिक स्वतंत्रता अमेरिकी लोकतंत्र का मूल है , जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।''

खन्ना ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि समुदाय के लोग इस नफरत के खिलाफ एक साथ आ रहे हैं और भित्तिचित्रों को हटा रहे हैं। उन्होंने कहा, समुदाय की यह पहल बुराई का जवाब अच्छाई से दे रही है। सांसद राजा कृष्णामूर्ति ने स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने की घटना को निंदनीय करार दिया और कहा कि वह इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। कृष्णमूर्ति ने कहा कि उन्हें खुशी है कि समुदाय के लोग मंदिर के समर्थन में रैली निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमें कट्टरता के सभी रूपों के खिलाफ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए। जिन्होंने तोड़-फोड़ की है उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।'' सांसद श्री थानेदार ने भी तोड़-फोड़ के इस शर्मनाक कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की है। कैलिफोर्निया से सांसद बारबरा ली, ओहियो से सांसद नीरज अंतानी ने भी इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हम कैलिफोर्निया में श्री स्वामीनारायण मंदिर को नुकसान पहुंचाने की घटना की निंदा करते हैं। हम नेवार्क पुलिस विभाग के प्रयासों का स्वागत करते हैं ताकि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके।'' कैलिफोर्निया के नेवार्क में पुलिस विभाग ने 'पीटीआई-भाषा' को एक ई-मेल बयान में कहा कि शुक्रवार सुबह लगभग 8:35 बजे, पुलिस को श्री स्वामीनारायण मंदिर में दीवारों पर नारे लिखने की सूचना मिली। बयान में कहा गया कि अधिकारी हरकत में आए और मंदिर के प्रबंधन सदस्यों से मुलाकात की जिन्होंने इसे डराने वाला कृत्य बताया। बयान में कहा गया, ''दीवारों पर लिखे नारों की सामग्री के आधार पर यह माना जाता है कि विरूपण करना मकसद था और मामले की संभावित घृणा अपराध के रूप में जांच की जा रही है।''

सैन फ्रांसिस्को में भारत के वाणिज्य दूतावास ने मंदिर को विरूपित करने की कड़ी निंदा की। वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हम कैलिफोर्निया के नेवार्क में एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखकर विरूपित

करने की कड़ी निंदा करते हैं।'' वाणिज्य दूतावास ने लिखा, ''इस घटना से भारतीय समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। हमने इस मामले में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा त्वरित जांच और नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के लिए दबाव डाला है।'' सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों के अनुसार खालिस्तान शब्द के साथ अन्य आपत्तिजनक नारे मंदिर के बाहर एक 'साइनपोस्ट' पर स्प्रे-पेंट किये गये थे।

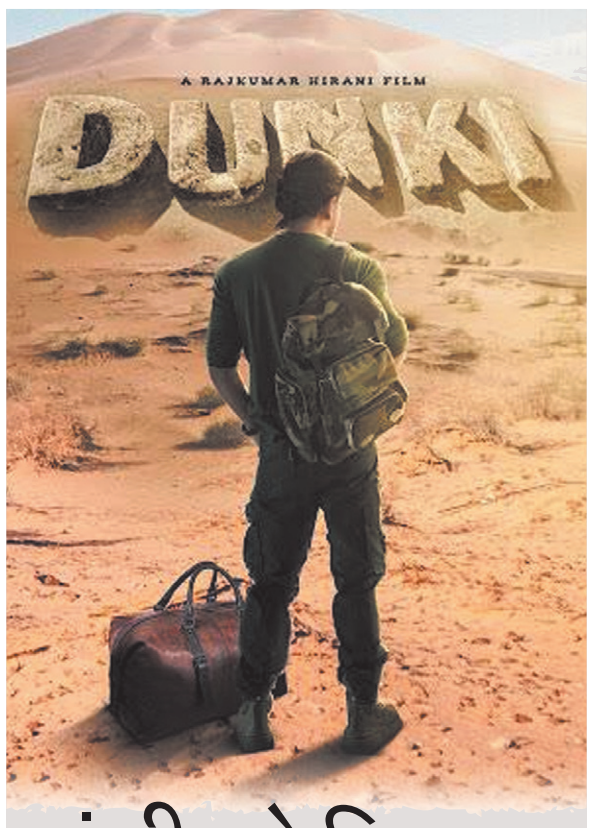

डंकी को मिल रहा ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से भरपूर प्यार

शाहरुख खान की मचअवेटेड फिल्म डंकी 21 दिसंबर को सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज हो चुकी है। राजकुमार हिरानी की डंकी में जहां तरफ प्यार और दोस्ती की कहानी दिखाई गई है, तो वहीं फिल्म में उन एनआरआई की कहानी भी पेश करती है जो विदेश में रहते हैं और अपने देश और वतन को याद करते हैं। ऐसे में यह फिल्म ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में रहने वाले लाखों हिंदुस्तानियों के दिलों को छू गई है। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से शाहरुख की इस फिल्म को भारी प्यार मिल रहा है। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इतना ही नहीं, इस साल शाहरुख खान के लिए इस क्षेत्र में तीसरी ब्लॉकबस्टर ओपनिंग भी बन गई है। डंकी में शानदार कास्ट है, जिसमें शाहरुख खान के साथ-साथ सुपर टैलेंटेड अभिनेता बोमन ईरानी, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर हैं। वहीं डंकी के ओपनिंग डे के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन शाहरुख की फिल्म ने 30 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

सालार ने पहले दिन ही पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा

प्रभास की फिल्म 'सालार' ने बॉक्स ऑफिस को हिला कर रख दिया है। पहले ही दिन फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार करते हुए कई फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ डाला है। 'सालार' के साथ प्रभास ने अपनी फिल्म 'बाहुबली' का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारत में करीब 112 करोड़ और वर्ल्डवाइड 175 करोड़ का कलेक्शन किया है। 'सालार' के मेकर्स को फिल्म से काफी उम्मीद थी और ये फिल्म उसपर खरी उतरी है। तमाम ट्रेड एनालिस्ट ने अनुमान लगाया था कि ये फिल्म ओपनिंग डे पर कमाल करेगी। फिल्म को साउथ में सबसे ज्यादा देखा गया है। कर्नाटक में प्रभास स्टारर ने 12 करोड़, केरल में 5 करोड़, तमिलनाडु में 4.50 करोड़ का बिजनेस किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के 30 लाख से अधिक एडवांस टिकट बिके थे। जिससे फिल्म ने पहले ही 95 करोड़ का बिजनेस कर लिया था। सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म की दूसरे दिन की एडवांस बुकिंग 12.77 करोड़ की हुई। फिल्म भारत की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म साबित हो सकती है।

'बाहुबली' के बाद ये फिल्म प्रभास की सबसे बड़ी हिट साबित होने वाली है। प्रभास की इससे पहले आई फिल्में जैसे 'आदिपुरुष', 'साहो' बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में असफल रही थी। लेकिन इस फिल्म को लेकर दर्शकों का अलग ही क्रेज देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर फिल्म और प्रभास की खूब तारीफ हो रही है। प्रभास स्टारर 'सालार', शाहरुख खान की 'डंकी' के साथ रिलीज हुई। इस फिल्म ने पहले एडवांस टिकट बुकिंग के मामले में शाहरुख खान स्टारर को पीछे छोड़ा और अब ओपनिंग डे कलेक्शन में भी 'सालार', 'डंकी' से आगे निकल गई है।

खुद को टिपिकल स्टार किड नहीं मानती अलीजेह

एक्टर सलमान खान के परिवार से उनकी भांजी अलीजेह अग्निहोत्री ने हाल ही में फिल्म फर्रे से अपना डेब्यू किया था। इस फिल्म को उनके पिता और निर्माता अतुल अग्निहोत्री ने प्रोड्यूस किया। जामतारा फेम सौमेंद्र पाधी फर्रे के डायरेक्टर थे। अब ट्रेड के हवाले से खबर आ रही है कि अतुल अग्निहोत्री अपनी बिटिया को लेकर एक और फिल्म प्लान कर रहे हैं। ट्रेड पंडितों के मुताबिक अतुल अग्निहोत्री ने दरअसल अपने बैनर से दो फिल्में अपनी बिटिया को लेकर प्लान की थीं। एक सौमेंद्र पाधी की फर्रे थी और दूसरी वो बनाने वाले हैं। संयोग से फर्रे पहले बन गई। दूसरी फिल्म की डायरेक्टर मेघना गुलजार हो सकती हैं।

फिल्म इंडिया की एक मशहूर ऐथलीट की बायोपिक होगी। हालांकि इस वक्त उस प्रोजेक्ट के बारे में कुछ बताया नहीं जा रहा है। बायोपिक किस ऐथलीट पर आधारित होगी? फिल्म में बाकी स्टार कास्ट कौन होंगे? इन सब विषयों पर अनाउंसमेंट जल्द ही होगी। फिलहाल फर्रे पर फ्रेंचाइजी बनाने की निर्माताओं की कोई प्लानिंग नहीं है। कहानी पहले ही पार्ट में कंप्लीट कर दी गई थी। जो ऐथलीट की बायोपिक होगी, उसे भी फर्रे की तरह सलमान खान फिल्म्स को-प्रोड्यूस करेगी।

फर्रे के रिस्पॉन्स से कितनी खुश हैं?
मुझे इतने पाजिटिव रिस्पॉन्स की उम्मीद नहीं थी। हमें इस फिल्म पर बहुत गर्व है और हम काफी खुश हैं।

फर्रे से पहले क्या आपने ऑडिशन दिए हैं? यदि हां, तो वे ऑडिशन फिल्मों के लिए थे या विज्ञापनों के लिए?
हां बिल्कुल। मैंने शो, फिल्मों और विज्ञापनों के लिए ऑडिशन दिए हैं। ये जानने के लिए कि क्या मैं इस भूमिका के लिए सही हूं कि नहीं। मेरे ख्याल से हर अभिनेता को निर्देशक के साथ ऑडिशन या रीडिंग करनी पड़ती है। मैंने भी की।

फर्रे के बाद से आपको निर्देशकों और निर्माताओं से कितने कॉल आए हैं? कहीं बातचीत फाइनल हुई?
इस फिल्म के बाद मुझे बहुत प्यार मिला है और मैं बेहद आभारी हूं।

नियति सिंह के किरदार में ढलने के लिए आपने निर्देशक के अलावा किसकी मदद ली?
हमारे निदेशक सौमेंद्र सर ने एमके रैना सर के साथ वर्कशॉप कंडक्ट की थी। उनसे मिली ट्रेनिंग और वर्कशॉप ने मुझे नियति सिंह के किरदार में ढलने में काफी मदद की।

आपने किस उम्र में एक्ट्रेस बनने का सोचा?
एक्ट्रेस बनने का डिसिजन एक स्लो डिसिजन था। हां, मैंने ये जरूर सोच लिया था कि 20 साल के आस-पास क्या करना चाहूंगी।

जब आपने पहली बार अपने माता-पिता को बताया कि आप फिल्म इंडस्ट्री में आना चाहती हैं, तो उनका रिएक्शन क्या था?
वे अच्छे हैं। वे हमेशा सबसे ज्यादा सपोर्टिंग माता-पिता रहे हैं। यहां तक कि एक समय में जब मैं अपने बारे में आश्वस्त नहीं थी, उस दौरान वे ही मुझे मजबूत बने रहने की सलाह दिया करते थे।

फिल्म इंडस्ट्री का एक्सपीरियंस कैसा रहा है?
यहां घर जैसा महसूस होता है। मुझे अपने जीवन में किसी भी चीज से ज्यादा सेट पर रहना पसंद है।

क्या फिल्म इंडस्ट्री में कॉम्पिटिशन है?
मैं प्रतिस्पर्धी नहीं हूं और सिर्फ अपने बारे में सोचती हूं।
बिल्कुल नहीं। किसी ने भी मुझे उस दबाव का एहसास नहीं कराया। सेट पर मौजूद क्रू को इस बात की परवाह नहीं थी कि मैं किससे संबंधित हूं, उन्हें इस बात की परवाह थी कि हमें क्या काम देना है। दबाव बाहर से आता है। इस फिल्म की शूटिंग करना बेहद सुखद और शांतिपूर्ण अनुभव रहा।

स्टार परिवार से आने के बावजूद भी आप खुद को स्टार किड नहीं मानती हैं। ऐसा क्यों?
मैं खुद को एक सुपरस्टार के बच्चे जितना प्रासंगिक नहीं मानती। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं इंडस्ट्री किड नहीं हूं। सच कहूं तो लोग बचपन से मुझ पर नजर नहीं रख रहे थे, जैसा कि वे किसी बड़े सेलिब्रिटी बच्चे के ऊपर रखते होंगे। मुझे अपनी प्रेजेंस दर्ज करानी थी। हालांकि मुझे नहीं लगता कि इंडस्ट्री मुझमें बड़े स्टार्स के बच्चों की तरह दिलचस्पी रखती है।

विरासत में मिला लोगों को खुश करने का स्वभाव

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म खो गए हम कहां की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री की यह फिल्म अर्जुन वरैन सिंह के निर्देशन में बनी है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने उन दिनों को याद किया, जब वह अपने शुरुआती करियर में सबका प्यार पाना चाहती थीं। इसके अलावा अभिनेत्री ने अपने पिता चंकी पांडे के बारे में भी बात की। अनन्या ने अपने पिता चंकी पांडे के बारे में बात करते हुए कहा कि लोगों को खुश करने का स्वभाव उन्हें अपने पिता से विरासत में मिला है। अभिनेत्री ने कहा, मैं बिल्कुल उनके जैसी हूं, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तो यही सोचती थी कि मैं सबसे प्यार करूंगी, लेकिन इंडस्ट्री में मुझे किसी से प्यार नहीं मिला। मेरे समझ नहीं आता है कि क्यों कोई मुझसे प्यार क्यों नहीं करता। अभिनेत्री ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा, जब मुझे एहसास हुआ कि हर किसी को अपने जैसा नहीं बनाया जा सकता, तभी से मैंने दुसरों से प्यार पाने की इच्छा को बदल दिया है। अब मैं सिर्फ अपने परिवार और खुद से प्यार करती हूं। मेरा ये नजरिया इस साल से ही बदला है, क्योंकि मैं ओरी की तरह नहीं दिखना चाहती हूं। मैं अब सिर्फ खुद पर काम करना चाहती हूं। मैं एक अच्छे इंसान की तरह अपना जीवन जीना चाहती हूं। अनन्या पांडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री फिल्म खो गए हम कहां में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में अनन्या के अलावा सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म की कहानी तीन दोस्तों के जीवन पर आधारित है।

शाहरुख ने अपकमिंग फिल्म के बारे में दिया हिंट

शाहरुख खान स्टारर फिल्म 'डंकी' कल यानी 21 दिसंबर को रिलीज कर दी गई है। 2023 में शाहरुख की कुल 3 तीन फिल्में रिलीज हुई। इसी बीच उन्होंने राया अबिराचेड के साथ चैट में अपनी आने वाली फिल्म के बारे में हिंट दिया है। वो मार्च-अप्रैल तक अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि अपनी अगली फिल्म में वो बुजुर्ग व्यक्ति का रोल प्ले करेंगे। इससे पहले भी शाहरुख वीर-जारा और जवान जैसी फिल्मों में बुजुर्ग व्यक्ति के किरदार में दिखे हैं। लेकिन इस फिल्म में पहली बार स्क्रीन पूरी फिल्म में बुजुर्ग हीरो की भूमिका में नजर आएंगे। चैट के दौरान जब उनसे उनकी अगली फिल्म के बारे में पूछा गया। इसपर एक्टर ने कहा- मुझे लगता है कि मैं अब मार्च-अप्रैल में एक फिल्म की शूटिंग शुरू करूंगा। उन्होंने कहा- मैं इस फिल्म में बुजुर्ग हीरो की भूमिका में नजर आऊंगा। ऐसी अफवाह है कि शाहरुख जल्द ही अपनी बेटी सुहाना के साथ एक फिल्म में काम कर सकते हैं। इसपर कोई पुष्टि नहीं की गई है। सुहाना ने हाल ही में जोया अख्तर की द आर्चीज से अपनी शुरुआत की और अभी तक अपनी अगली फिल्म की अनाउंसमेंट नहीं की है।

रानी मुखर्जी ने दिया मर्दानी 3 को लेकर अपडेट

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी साल 2014 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रानी मुखर्जी ने एक सशक्त पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय की भूमिका निभाकर लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया था। मर्दानी की सफलता के बाद साल 2019 में मर्दानी 2 बनाई गई। यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। बीते काफी समय से मर्दानी 3 को लेकर चर्चा चल रही हैं। हाल ही में रानी ने मर्दानी 3 को लेकर बात की है। एक्ट्रेस ने कहा, एक अभिनेत्री के रूप में मैं हमेशा मानती हूं कि हम कोई फिल्म इसलिए नहीं करना चाहते, क्योंकि वह अच्छी लगती है। हमें तब फिल्म करनी चाहिए जब स्क्रिप्ट अच्छी हो और जब हम ऐसी फिल्म बनाना चाहते हों जो बदलाव ला रही हो। रानी मुखर्जी ने कहा, यदि कहानी में वह दम नहीं है तो हम मर्दानी 3 नहीं बना सकते हैं। यह कुछ ऐसा होना चाहिए जिससे लोग आज जुड़ें, लड़कियों को यह सशक्त लगे। तभी हम मर्दानी 3 बना सकते हैं। इसे सिर्फ इसलिए नहीं करना चाहिए क्योंकि, यह रोमांचक लगता है। रानी मुखर्जी ने बताया कि मर्दानी फ्रेंचाइजी की फिल्म केवल दर्शकों के प्यार की वजह से आगे बढ़ रही है, क्योंकि महिला प्रधान फ्रेंचाइजी फिल्म का चलना बहुत कठिन होता है। इसे आगे बढ़ाने के लिए दर्शकों का प्यार चाहिए। जहां तक मर्दानी 3 की बात है, तो मैं खुद वापस आना चाहती हूं।

अच्छी कहानी से चलती हैं फिल्में

अभिनेता आमिर खान इन दिनों फिल्मों से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। अभिनेता बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। बीते दिनों एक इंटरव्यू में अभिनेता ने एलान किया था कि वे सितारे जमीन पर नामक आगामी फिल्म में अभिनय करेंगे। आमिर इस फिल्म में अभिनय के साथ-साथ निर्माण का कार्य भी करेंगे। हाल ही में दिए इंटरव्यू में आमिर खान ने एडल्ट फिल्मों पर अपनी राय व्यक्त की। आमिर ने कहा, जब हम फिल्में बनाते हैं, तो एडल्ट वर्ग को देखकर ही फिल्म बनाते हैं, क्योंकि आज के समय में इस उम्र के दर्शक ही फिल्म देखते है। गाली, सेक्स और हिंसा वाली फिल्मों के चलन पर आमिर खान ने कहा, मुझे नहीं लगता कि फिल्मों में इस तरह का कभी चलन बनेगा। एक निर्माता को एडल्ट फिल्म बनाने के लिए बहुत साहस की आवश्यकता होती है। निर्माता जानते हैं कि इस तरह की फिल्मों को देखने के लिए दर्शक सिनेमाघरों में नहीं आएंगे। इस तरह की फिल्मों को बनाना एक कठिन निर्णय है।

कहानी से चलती हैं फिल्में

अभिनेता ने आगे कहा, मेरे हिसाब से फिल्में ना तो गाली पर, ना ही सेक्स और हिंसा पर चलती है। फिल्मों में चाहें आप कितनी भी इस तरह की चीजें डाल दीजिए, दर्शकों को जब तक फिल्म की कहानी, सीन और किरदार अच्छे नहीं लगेंगे, तब तक फिल्म नहीं चलेगी। फिल्म कहानी पर टिकी होती है। कहानी अच्छी होगी, तो फिल्म को हिट होने से कोई नहीं रोक सकता।

आमिर का वर्कफ्रंट

बता दें कि आमिर ने अपनी 2022 की फिल्म लाल सिंह चड्ढा की रिलीज के बाद अभिनय से ब्रेक ले लिया था। हालांकि, वह निर्माता के तौर पर लगातार एक्टिव हैं। अभिनेता एक निर्माता के रूप में तीन फिल्में कर रहे हैं। आमिर ने फिल्म लापता लेडीज का निर्माण किया है, जो 5 जनवरी को रिलीज होगी। इसके अलावा अभिनेता राजकुमार संतोषी और सनी देओल के साथ लाहौर 1947 में काम कर रहे हैं।